Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 170
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
सोमवार,19 जनवरी 2026

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

2 विजेता ट्रॉफी के साथ नरसा एकादश के कप्तान

5 रोज तोरई की सब्जी खाने से शरीर में होते हैं ये

7 मुंबई में मनोज तिवारी के घर चोरी, पूर्व

सीएम ने की 'यूपी हेल्थ टेक कॉन्क्लेव' की शुरूआत

स्वास्थ्य क्षेत्र का उत्तर प्रदेश सबसे बड़ा 'उपभोक्ता बाजार'

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र का सबसे बड़ा 'उपभोक्ता बाजार' उत्तर प्रदेश है। चिकित्सा प्रौद्योगिकी एवं स्वास्थ्य देखभाल पारिस्थितिकी तंत्र में निवेश, नवाचार और वैश्विक सहयोग के लिए यहां आयोजित तीन दिवसीय 'यूपी हेल्थ टेक कॉन्क्लेव' की शुरूआत करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा, "हमारे लिए यह सम्मेलन इसलिए महत्वपूर्ण है कि इस क्षेत्र का सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार उत्तर प्रदेश है।" उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की आबादी 25 करोड़ है और उसके साथ ही अगल-बगल के राज्य तथा पड़ोसी देश नेपाल की भी स्वास्थ्य सुविधाओं का भार इस प्रदेश पर पड़ता है। उन्होंने 2014 में देश में प्रधानमंत्री नरेन्?द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनने और 2017 में उत्तर प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद स्वास्थ्य क्षेत्र में हुए बदलावों का दावा करते हुए कहा कि इस राज्य ने भारत सरकार के साथ मिलकर पिछले आठ-नौ वर्षों के अंदर स्वास्थ्य क्षेत्र में परिवर्तन करने में व्यापक सफलता प्राप्त की है। स्वास्थ्य क्षेत्र में आधारभूत ढांचे को बेहतर करने का प्रयास किया है। योगी आदित्यनाथ ने कहा, "2017 से पहले उत्तर प्रदेश में सरकारी और निजी क्षेत्र को मिलाकर कुल 40 मेडिकल कालेज थे और आज उत्तर प्रदेश में 81 मेडिकल कालेज पूरी तरह क्रियाशील हैं, दो एम्स हैं, लगभग जिला स्तर के 100 से अधिक अस्पताल हैं, जो सरकार द्वारा संचालित होते हैं।" उन्होंने कहा कि प्रदेश में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र (पीएचसी), सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र (सीएचसी) और 'वेलनेस सेंटर' की लंबी श्रृंखला है जो दूर दराज के क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में व्यापक परिवर्तन और सुविधा मजबूत होने के साथ ही अकेले उत्तर प्रदेश में साढ़े पांच करोड़ प्रधानमंत्री आयुष्मान गोल्डन कार्ड जारी किए गए और उनके लाभार्थियों को प्रति वर्ष पांच लाख रुपये की स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध करायी जा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य में इस परिवर्तन का परिणाम है कि मृत्यु दर को नियंत्रित करने और संस्थागत प्रसव को राष्ट्रीय मानक के अनुरूप लाने में सफलता प्राप्त कर ली गयी है।

मौनी अमावस्या पर 1.3 करोड़ लोगों ने गंगा में डुबकी लगाई

प्रयागराज : प्रयागराज में जारी माघ मेले में रविवार को मौनी अमावस्या पर सुबह आठ बजे तक 1.3 करोड़ श्रद्धालुओं ने गंगा और संगम में डुबकी लगाई। मेला प्रशासन के एक अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि कल रात 12 बजे से ही स्नान करने के लिए लोगों का गंगा और संगम क्षेत्र में आना जारी है। इससे पूर्व, मकर संक्रांति के अवसर पर 1.03 करोड़ जबकि एकादशी पर लगभग 85 लाख लोगों ने गंगा और संगम में स्नान किया था। मंडलायुक्त सौम्या अग्रवाल ने बताया कि श्रद्धालुओं को सही रास्ता दिखाने के लिए मेला प्रशासन ने खंभों पर रिफ्लेक्टिव टेप लगाए हैं और नागरिक सुरक्षा स्वयं सेवक भी श्रद्धालुओं का मार्गदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने बतया कि माघ मेला 800 हेक्टेयर क्षेत्र में सात सेक्टरों में लगाया गया है। मेला क्षेत्र में 25,000 से अधिक शौचालय बनाए गए हैं और 3500 से अधिक सफाईकर्मी तैनात हैं। उन्होंने बताया कि छोटी अवधि का कल्पवास करने के इच्छुक लोगों के लिए माघ मेला में टेंट सिटी बनाई गई है जहां ध्यान और योग आदि की सुविधाएं मौजूद हैं। श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन के लिए बाइक टैक्सी और गोल्फ कार्ट की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। पुलिस अधीक्षक (माघ मेला) नीरज पांडेय ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुगम आवागमन के लिए पूरे मेला क्षेत्र में 10,000 से अधिक पुलिसकर्मी तैनात हैं। उन्होंने कहा कि भीड़ प्रबंधन एवं सुगम यातायात को ध्यान में रखते हुए इस बार 42 अस्थायी पार्किंग हैं जिनमें लगभग एक लाख से अधिक वाहन खड़े हो सकेंगे। उन्होंने बताया कि माघ मेला 2025-26 में कुल 12,100 फुट लंबे घाटों का निर्माण किया गया है जिनमें सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हैं।

मुकदमा दर्ज होने पर संजय सिंह ने सरकार पर किया पलटवार

मुझे डराने की कोशिश मत करो

वाराणसी: यूपी के वाराणसी के मणिकर्णिका घाट को तोड़े जाने पर दिए गए बयान पर आप सांसद संजय सिंह पर मुकदमा दर्ज किया गया है। इस पर संजय सिंह ने सरकार पर पलटवार किया है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि, 'मोदी के लोकसभा क्षेत्र में मणिकर्णिका घाट को तहस नहस किया गया। मंदिरों को तोड़ा गया। काशी विश्वनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार कराने वाली माता अहिल्याबाई होलकर की प्रतिमा भी तोड़ी गई।' उन्होंने आगे कहा कि, 'इसका विरोध काशी के साधुओं ने किया। अहिल्याबाई होलकर के परिवार ने किया। यहां तक कि पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन ने भी विरोध दर्ज कराया। लेकिन, एफआईआर मुझ पर कर दी गई। मंदिरों को तोड़ने वालों पर कारवाई करो। मुझे डराने की कोशिश मत करो।'

पीएम ने असम में अमृत भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई

कोलकाता/गुवाहाटी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिवसीय असम दौरे पर हैं, जिस दौरान उन्होंने (रविवार) को राज्य को कई महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं का तौहफा दिया. पीएम मोदी ने रविवार को काजीरंगा एलिवेटेड कॉरिडोर परियोजना की आधारशिला रखी। इसके साथ ही पीएम मोदी ने पूर्वोत्तर में क्षेत्रीय संपर्क को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू की गई नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को भी हरी झंडी दिखाई.6950 करोड़ रुपये आएगा खर्च बता दें कि असम में बनाए जाने वाले काजीरंगा एलिवेटेड कॉरिडोर परियोजना पर 6950 करोड़ रुपये का खर्च आएगा। ये एडिवेटेड कॉरिडोर 86 किमी लंबा होगा. इससे जानवरों की सुरक्षा में काफी मदद मिलेगी. खासकर मानसून के मौसम में इस एलिवेटेड कॉरिडोर से काफी फायदा होगा. इसके साथ ही पीएम मोदी ने दो अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को भी हरी झंडी दिखाई. 86 किलोमीटर लंबी काजीरंगा एलिवेटेड कॉरिडोर परियोजना पर्यावरण के प्रति जागरूक राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना है। इस परियोजना में काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान से होकर गुजरने वाला 35 किलोमीटर लंबा एलिवेटेड वाइल्डलाइफ कॉरिडोर, 21 किलोमीटर का बाईपास खंड और मौजूदा एनएच-715 राजमार्गके30 किलोमीटरहिस्से को दो लेन से चार लेन तक चौड़ा करना शामिल है. इस परियोजना का उद्देश्य पार्क की समृद्ध जैव विविधता की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए क्षेत्रीय संपर्क को बेहतर बनाना है।

इन जिलों से होकर गुजरेगी ये परियोजना

बता दें कि ये परियोजना असम के नागांव, कार्बी आंगलोंग और गोलाघाट जिलों से होकर गुजरेगी. इस परियोजना के शुरू होने से ऊपरी असम, विशेष रूप से डिब्रूगढ़ और तिनसुकिया से संपर्क को काफी बेहतर बनाएगी. यह ऊंचा वन्यजीव गलियारा जानवरों की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करेगा और मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करेगा। इससे सड़क सुरक्षा में भी सुधार होगा, यात्रा का समय और दुर्घटना दर कम होगी और बढ़ते यात्री और माल यातायात को सुगम बनाया जा सकेगा. परियोजना के तहत, जाखलबंधा और बोकाखाट में बाईपास विकसित किए जाएंगे, जो शहरों में भीड़ कम करने, शहरी आवागमन को बेहतर बनाने और स्थानीय निवासियों के जीवन स्तर को सुधारने में सहायक होंगे।

पीएम मोदी ने जनसभा को किया संबोधित

इस दौरान पीएम मोदी ने जनसभा को भी संबोधित किया. पीएम मोदी ने कहा कि दो वर्ष पहले काजीरंगा में बिताए गए पल मेरे जीवन के बहुत खास अनुभवों में शामिल है, मुझे काजीरंगा नेशनल पार्क में रात्रि विश्राम करने का अवसर मिला था और अगली सुबह एलिफेंट सफारी के दौरान मैंने इस क्षेत्र की सुदरता को बहुत करीब से महसूस किया था। पीएम मोदी ने आगे कहा कि मुझे हमेशा असम आकर एक अलग ही खुशी मिलती है। ये धरती, वीरों की धरती है हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा दिखाने वाले बेटे-बेटियों की धरती है।

पत्नी के किए टुकड़े-टुकड़े...

एक हफ्ते तक कमरे में एक-एक अंग जलता रहा

झांसी: झांसी के सीपरी बाजार थाना क्षेत्र की ब्रह्म नगर कॉलोनी में दिल दहला देने वाला हत्याकांड सामने आया है। यहां एक रिटायर रेल कर्मचारी ने अपनी पत्नी की निर्मम हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी ने शव के टुकड़े-टुकड़े कर दिए और बदबू छिपाने के लिए करीब एक हफ्ते तक कमरे के अंदर रोज आग जलाता रहा। शनिवार रात पुलिस को इसका पता चला।झांसी के सीपरी बाजार थाना क्षेत्र की ब्रह्म नगर कॉलोनी में दिल दहला देने वाला हत्याकांड सामने आया है। यहां एक रिटायर रेल कर्मचारी ने अपनी पत्नी की निर्मम हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी ने शव के टुकड़े-टुकड़े कर दिए और बदबू छिपाने के लिए करीब एक हफ्ते तक कमरे के अंदर रोज आग जलाता रहा। शनिवार रात पुलिस को इसका पता चला।जब कुछ अंगों को वह नहीं जला सका तो शनिवार रात उसने एक ऑटो बुलाया। ऑटो में सूटकेस में बचे टुकड़े भरकर रख दिया। खुद पीछे-पीछे आने की बात कही। ऑटो चालक जब मिनर्वा चौराहे के पास पहुंचा तब, वह पीछे से गायब हो गया। ऑटो चालक काफी देर तक उसका इंतजार करता रहा। उसके ना पहुंचने पर पुलिस को बताया। पुलिस ने जब सूटकेस खुलवाया तब उसने महिला के अंग मिले। यह देखकर पुलिस चौंक उठी उठी। तुरंत सीपरी बाजार पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ऑटो चालक को लेकर कॉलोनी पहुंची। यहां से तब बृजभान भाग निकला था। पुलिस उसे तलाश कर रही है।

कमरे में मिले अवशेष

कमरे की तलाशी लेने पर जले हुए अवशेष मिले। फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया है। घटना के बाद से ब्रह्म नगर कॉलोनी में दहशत का माहौल है। सीओ सिटी लक्ष्मीकांत गौतम का कहना है कि आरोपी की तलाश की जा रही है।

बनारस को ठगने आए हैं गुजराती, वो न राम के हैं न शिव के : कांग्रेस

वाराणसी: कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि गुजराती बनारस को ठगने आए हैं। बनारस की जनता अब और शोषण बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर मूर्ति तोड़ी नहीं गई थी तो उसे दिखाने में हर्ज क्या था? उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को मणिकर्णिका घाट जाना था लेकिन जब उन्हें पता चला कि वहां गड़बड़ी हो चुकी है तो लौट गए।कांग्रेस प्रदेश मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत करते हुए प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार हिंदुत्व की विरोधी है अब वह हिंदू देवी-देवताओं का अपमान करने पर आमादा है। भाजपा का दंभ ही उसके लिए काल बनेगा। भाजपा को माता अहिल्याबाई होलकर की मूर्ति तोड़ने का पाप लगेगा। भाजपा के लोग ना राम के हैं और ना ही शिव के। वे व्यापारी हैं और जहां उन्हें मुनाफा दिखता है इस दिशा में काम करते हैं।

प्रदेश में एक करोड़ लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य : केशव

लखनऊ,: उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के तहत तीन करोड़ पात्र महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़ने तथा एक करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी के रूप में विकसित करने की कार्ययोजना को प्रभावी ढंग से लागू करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि इस योजना को धरातल पर उतारने के लिए जिलावार लक्ष्य आवंटित किए जाएं । उप मुख्यमंत्री ने शनिवार को जारी बयान में बताया कि अब तक प्रदेश में 9,06,225 स्वयं सहायता समूह गठित कर 99,39,191 परिवारों की महिलाओं को योजना से जोड़ा जा चुका है। विकसित उत्तर प्रदेश @2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए शेष

पात्र परिवारों को भी अभियान के माध्यम से जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि नए स्वयं सहायता समूहों के गठन, नए सदस्यों के जुड़ाव और लखपति दीदी बनाने की प्रक्रिया में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अनुसार, जीरो पावर्टी अभियान के अंतर्गत 6,67,075 ऐसे परिवार चिन्हित किए गए हैं, जो अभी तक समूहों से नहीं जुड़े हैं। इसके अतिरिक्त विभिन्न योजनाओं से जुड़े पात्र निर्धन परिवारों की महिलाओं को विशेष अभियान व आईईसी गतिविधियों के माध्यम से स्वयं सहायता समूहों से जोड़ा जाएगा। लक्ष्य पूर्ति के लिए मंडल, और विकास खंड स्तर पर त्रिस्तरीय समितियों का गठन किया जाएगा, जो नियमित बैठकों के माध्यम से प्रगति की समीक्षा करेंगी।

लखनऊ में लगातार तीसरे दिन जबरदस्त कोहरा

तारीख	अधिकतम	न्यूनतम	कोहरा
19 जनवरी	24°C	10°C	नहीं रहेगा
20 जनवरी	25°C	10°C	नहीं रहेगा
21 जनवरी	23°C	8°C	नहीं रहेगा
22 जनवरी	22°C	10°C	नहीं रहेगा
23 जनवरी	22°C	12°C	नहीं रहेगा

सोर्स - मौसम विभाग

लखनऊ: लखनऊ में शनिवार की रात सबसे सर्द रही। पारा सामान्य से 3.4 डिग्री सेल्सियस गिरकर 4.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं, लगातार आज भी जबरदस्त कोहरा पड़ा। सुबह 9 बजे से धूप खिली जिससे कोहरा का असर कम हो गया। फिलहाल, सुबह और शाम के समय में अधिक ठंड बनी हुई है। कल दोपहर के समय में मौसम साफ रह रहा है। रात में अधिक सर्दी दर्ज की जा रही। इसके चलते तापमान में काफी गिरावट आ रही है। शनिवार को लखनऊ का न्यूनतम तापमान सीजन के सबसे निचले स्तर पर 4.4 डिग्री दर्ज किया गया।

सुबह से हल्की ठंडी हवा ने बढ़ा रखी है सर्दी

सुबह से लखनऊ में कई इलाकों में घना कोहरा छाया हुआ है। हालांकि, कहीं-कहीं कोहरा हल्का है। हल्की ठंडी हवा भी चल रही है। इसके चलते गलन बनी हुई है। दोपहर में धूप निकलने से लोगों को ठंड से राहत मिलेगी। मौसम विभाग का अनुमान है कि आज लखनऊ का अधिकतम तापमान 22 डिग्री और न्यूनतम तापमान 7 डिग्री दर्ज होने की संभावना है। शनिवार को लखनऊ का अधिकतम तापमान 20.9 डिग्री रहा। यह सामान्य से 0.1 डिग्री कम रहा है। न्यूनतम तापमान 4.4 डिग्री रहा। यह सामान्य से 3.4 डिग्री कम रहा। अधिकतम आर्द्रता 94 फीसदी रही। न्यूनतम आर्द्रता 50 फीसदी रही। दिन में तेज चटक धूप निकलने से लोगों को राहत मिली। हालांकि, रात के समय में पारा फिर से गिर गया। अब 22 जनवरी से बारिश की संभावना मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि अगले 48 घंटों में न्यूनतम तापमान में 3- 5 डिग्री की बढ़ोतरी होगी। राज्य भर में सुबह घने से बहुत घने कोहरे की चेतावनी है। दिन चढ़ने पर कोहरा छंटेगा। इससे ठंड से राहत मिलेगी, लेकिन शाम तक ठंड बनी रहेगी। शीतलहर की स्थिति सुधरेगी, पर कोहरे से दिन का तापमान प्रभावित होगा। 20 जनवरी से कोहरे का असर कम होगा। दूसरे पश्चिमी विक्षोभ से 22 जनवरी को पश्चिमी यूपी में बारिश शुरू होकर 23 को मध्य भागों तक पहुंचेगी। इससे ठंड में व्यापक राहत मिलेगी।

विजेता ट्रॉफी के साथ नरसा एकादश के कप्तान सी.पी.आर.ओ.पंकज कुमार सिंह

गोरखपुर,: पूर्वोत्तर रेलवे क्रीड़ा संघ (नरसा) एकादश ने रेलवे क्रिकेट ग्राउंड, गोरखपुर में 18 जनवरी, 2026 को खेले गये मैत्री क्रिकेट मैच में मीडिया एकादश, गोरखपुर को 06 विकेट से हराकर ट्रॉफी पर कब्जा किया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुये मीडिया एकादश ने निर्धारित 20 ओवर में 09 विकेट खोकर 95 रन बनाये, जिसमें श्री अजय शर्मा ने 03 चौकों की सहायता से 23 गेंदों पर तेजी से 25 रन बनाये। श्री अभिनव चतुर्वेदी 23 गेंदों पर 17 रन बनाकर रन आउट हो गये। श्री आशीष श्रीवास्तव ने 08 एवं श्री प्रशान्त श्रीवास्तव ने 07 रनों का योगदान दिया। इसके अतिरिक्त मीडिया एकादश का कोई बल्लेबाज ज्यादा देर तक विकेट पर नहीं टिक सका। मीडिया एकादश के स्कोर में 33 रन अतिरिक्त के जुड़े। नरसा एकादश के श्री मनोज ने 04 ओवरों में 10 रन देकर 03 विकेट तथा निपुल ने 04 ओवरों में 20 रन देकर 02 विकेट चटकाये। मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी (सी.पी.आर.ओ.) श्री पंकज कुमार सिंह ने कसी गेंदबाजी करते हुये 03 ओवरों में 05 रन देकर 01 विकेट तथा याकूब ने 02 आवरों में 09 रन देकर 01 विकेट प्राप्त किया। 96 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी नरसा एकादश ने 04 विकेट खोकर 16 ओवरों में 99 रन बनाकर मैच जीत लिया। नरसा एकादश के कप्तान श्री पंकज कुमार सिंह ने शानदार बल्लेबाजी करते हुये 16 गेंदों पर 02 चौकों की सहायता 17 रन बनाये। श्री बलराम 29 गेंदों पर 03 चौकों की सहायता से 27 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हुये तथा अवनीश यादव भी 19 गेंदों पर 02 चौकों की सहायता से 18 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हुये। श्री रुशिल अग्रवाल 02 तथा श्री वीनू पाठक 06 रन बनाकर नाबाद रहे। मीडिया एकादश के सबसे सफल गेंदबाज श्री सतीश पांडेय रहे, जिन्होंने 02 ओवरों में 10 रन देकर 02 विकेट प्राप्त किये तथा श्री आशीष श्रीवास्तव एवं श्री राजीव पांडेय को 01-01 विकेट मिला। मीडिया एकादश के श्री राजन राय ने शानदार क्षेत्ररक्षण किया। सी.पी.आर.ओ. श्री पंकज कुमार सिंह के शानदार आलराउंड प्रदर्शन एवं श्री बलराम की बेहतरीन बल्लेबाजी से नरसा एकादश ने मीडिया एकादश को कड़े मुकाबले में पराजित किया। मीडिया एकादश के श्री अजय शर्मा को ह्यप्लेयर ऑफ द मैचह्व घोषित किया गया। इस अवसर पर भारी संख्या में रेल अधिकारी, कर्मचारी, मीडियाकर्मी एवं क्रिकेट प्रेमी उपस्थित थे।

पसंदीदा जैकेट दिलाई फिर भी धोखा दिया पति

बोला- आपत्तिजनक हालत में देख खोया आपा

कानपुर। पति सचिन के अनुसार, शुक्रवार रात अचानक घर पहुंचने पर पत्नी श्वेता को तीन युवकों के साथ बैठे देखा था। पत्नी के अवैध संबंध के शक पर गला दबाकर की हत्या कर दी। श्वेता के पिता राजकुमार ने परिजन पर दहेज की मांग पूरी नहीं होने पर हत्या का आरोप लगाया है। महाराजपुर थाने में पुलिस के सामने अपने गुनाह कबूल करते हुए सचिन ने बताया कि वह पत्नी श्वेता को बहुत प्यार करता था। वह तीन बहनों में सबसे बड़ी थी और गांव में उसके घर के सामने रहती थी। दोनों में तीन साल तक प्रेम संबंध रहे। घर वाले इसका विरोध करते थे। इसके बाद युवती के परिजन ने गाजीपुर

थाने में उसके खिलाफ दुष्कर्म की रिपोर्ट दर्ज करा दी थी। दो माह जेल में रहने के बाद जब जमानत पर छूटा, तो श्वेता से प्रेम विवाह कर लिया। वहीं, एक महिला की शिकायत पर हुसैनगंज में हुए हादसे में युवक की मौत का आरोप उस पर लग चुका है। सचिन ने पुलिस को बताया कि हत्या के बाद वह शहर से भाग जाना चाहता था। सेंट्रल स्टेशन भी गया था लेकिन फिर समर्पण करने के उद्देश्य से थाने पहुंच गया। बोला कि दो दिन पहले ही पत्नी ने जैकेट के लिए जिद की थी। उसकी पसंदीदा जैकेट दिलाई थी इसके बाद भी उसने धोखा दे दिया। पूर्व प्रेमिका से संबंध के शक में लगा था दोस्त की हत्या का आरोप श्वेता की हत्या करने के आरोपी सचिन पर पहले भी आशनाई के विवाद में दोस्त की हत्या कर चुका है। मामला कोर्ट में विचाराधीन है। फतेहपुर जिले के गाजीपुर थाने के मोहनपुर निवासी सचिन सिंह अगस्त 2024 में साथियों के साथ हत्याकांड को अंजाम दिया था। सचिन का एक युवती से प्रेम प्रसंग था। सचिन को युवती पर पैथोलॉजी कर्मी दोस्त अमित कुमार से बात करने का शक था।

रोगियों को दिखाया निजी पैथोलॉजी का रास्ता हैलट

का डॉक्टर फंसा प्राचार्य ने वीडियो रिकॉर्डिंग कराई

कानपुर। डॉ. काला ने बताया कि डॉ. ब्रजेश कुमार की तैनाती आजमगढ़ में है, वह यहां अटैच हैं। इससे पहले भी उनकी गड़बड़ी पकड़ी गई थी। इस पर अटैचमेंट खत्म करने के लिए पत्र लिखा। अब फिर पत्र भेजेंगे। यह आपराधिक कृत्य है। कड़ी विभागीय कार्रवाई होगी। कानपुर के हैलट अस्पताल में निजी पैथोलॉजियों के मकड़जाल में डॉक्टर भी शामिल हैं। अस्पताल में जांचों की सुविधा के बाद कमीशन के चक्कर में रोगियों को निजी पैथोलॉजियों में भेजा जा रहा है। शनिवार को जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. संजय काला ने दो रोगियों के मामले पकड़े। मेडिसिन की ओपीडी में आए रोगियों को बाहर से जांच कराने के लिए कहा गया। रोगियों से बातचीत की वीडियो रिकॉर्डिंग भी कराई गई। डॉक्टर के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की सिफारिश शासन से की गई। शनिवार को कॉलेज के प्राचार्य डॉ. संजय काला ओपीडी का निरीक्षण किया। मेडिसिन ओपीडी के बाहर ककवन से आई रोगी साधना पर्चा लिए मिली। पूछने पर बताया कि डॉ. ब्रजेश कुमार ने बाहर से जांच कराने के लिए कहा है। जांच रावतपुर क्षेत्र की किसी पैथोलॉजी में कराने के लिए कहा गया। रोगी ने बताया कि पर्चे पर पैथोलॉजी का नाम नहीं लिखा। फोन नंबर लिख दिया और कहा कि वहां जाकर पैथोलॉजी वाले से बात करा देना। पर्चे पर दवा भी नहीं लिखी गई। हैलट में जांच कराने में 24 घंटे लगते हैं डॉ. काला ने बताया कि जब रोगी ने कहा कि जांचें यहां भी होतीं तो डॉक्टर ने कहा कि बहस मत करो, जाओ यहां से, पहले जांच कराओ। इसी तरह एक रोगी दीपक को भी बाहर से जांच कराने के लिए कहा गया। उससे डॉक्टर ने कहा कि हैलट में जांच कराने में 24 घंटे लगते हैं। बाहर आधा घंटे में रिपोर्ट मिल जाएगी। उन्होंने बताया कि रोगी को ऐसी इमरजेंसी भी नहीं थी। बाद में साधना की डॉ. जेएस कुशवाहा से जांच करा दी। दूसरे रोगी ने न्यूरोलॉजी में जांच कराई है। रोगियों को दवाएं भी अस्पताल से दी गईं। पहले भी पकड़ी जा चुकी डॉक्टर की गड़बड़ी डॉ. काला ने बताया कि डॉ. ब्रजेश कुमार की तैनाती आजमगढ़ में है, वह यहां अटैच हैं। इससे पहले भी उनकी गड़बड़ी पकड़ी गई थी। इस पर अटैचमेंट खत्म करने के लिए पत्र लिखा। अब फिर पत्र भेजेंगे। यह आपराधिक कृत्य है। कड़ी विभागीय कार्रवाई होगी। डॉक्टर के खिलाफ शिकायतें बहुत हैं। पहले भी चेतावनी दी गई है। जिंदा रोगी को मुर्दा घोषित करने वाली घटना भी उन्हीं की यूनिट की है। 34 नंबर में भेजा था रोगी को सीनियर फिजीशियन डॉ. ब्रजेश कुमार ने मामले के संबंध में बताया कि उन्होंने रोगी को पैथोलॉजिकल जांच के लिए 34 नंबर कमरे में भेजा था। वे पता नहीं कहां भटक गए। पर्चे पर अपना नंबर भी लिख दिया कि वहां जाकर हमारी बात करा देना। रोगियों को गलतफहमी हो गई। पहले भी सामने आ चुके निजी पैथोलॉजियों से सांठगांठ के मामले पैथोलॉजियों के एजेंटों के हैलट आने वाले रोगियों को ठगने के मामले पहले भी सामने आ चुके हैं। कुछ दिन पहले पैथोलॉजी के एजेंट ने सर्जरी विभाग में भर्ती रोगी को फर्जी हेपेटाइटिस सी निगेटिव रिपोर्ट दी थी। एजेंट ने माइक्रोबायोलॉजी विभाग जाते वक्त तीमारदार को बरगलाया और आधा घंटे में कंप्यूटर से निकाल कर फर्जी रिपोर्ट दे दी। निजी पैथोलॉजियों के कार्ड मिले थे बीते साल दिसंबर में वार्ड में रोगियों का ब्लड सैंपल लेने आए दलाल को मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. संजय काला ने पकड़ा था। दिसंबर में ही पैरा मेडिकल कोर्स कर रहे छात्र को संदिग्ध हालत में हैलट की पैथोलॉजी में पकड़ा गया था। वह रोगियों को झांसा दे रहा था। इसके अलावा शिकायत पर मल्टी सुपर स्पेशियलिटी के आउटसोर्सिंग कर्मचारी पकड़े गए। प्राचार्य ने डॉ. काला को उनके पास से निजी पैथोलॉजियों के कार्ड मिले थे।

जिला कारागार गेट से फरार आरोपी

मुठभेड़ में अरेस्ट दोनों पैर में लगी गोली

गाजीपुर। पुलिस की हथकड़ी से छुड़ाकर भागने वाले बदमाश को एक सप्ताह बाद गिरफ्तार कर लिया गया। उसने पुलिस पर फायरिंग की थी। बचाव में टीम ने उसके पैर में गोली मारने के बाद अरेस्ट कर लिया। गाजीपुर जिला कारागार गेट के पास से एक सप्ताह पूर्व हथकड़ी से छुड़ाकर फरार आरोपी चोर लालबाबू मौर्या को मरदह व बिरनो की संयुक्त पुलिस टीम ने शनिवार रात गोविन्दपुर कीरत गांव के पास मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया। आरोपी दोनों पैर में गोली लगने से घायल हो गया। आरोपी के पास से एक तमंचा, एक कारतूस, दो खोखा कारतूस और एक बाइक भी बरामद की गई है। कासिमाबाद सीओ अनुभव राजर्षि ने बताया कि बीते आठ जनवरी की रात कासिमाबाद कोतवाली क्षेत्र के वेदबिहारी-भड़सर मार्ग पर चौरा गांव निवासी राजन वाराणसी से दवा कराकर लौट रहे थे। जब वह बेदबिहारी पोखरा के रास्ते घर जा रहे थे। तभी बाइक सवार चोर लालबाबू मौर्या और पुनीत राय ने

उनका बैग छीनने की कोशिश की और फरार होने लगें। पुलिस ने की कार्रवाई पीड़ित पृथ्वीपुर में अपने रिश्तेदारों को घटना की सूचना दी। ग्रामीणों ने पृथ्वीपुर गांव के पास घेराबंदी कर बंका खास लाल बाबू मौर्या और भांवरकोल थाना के शेरपुर कला निवासी पुनीत राय को पकड़ लिया था। सूचना पर पहुंची मरदह पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस ने पूछताछ के साथ दोनों आरोपियों के पास से एक रिवाल्वर 32 बोर, दो मोबाइल फोन, दो पर्स में सोने के आभूषण और चोरी की तीन बाइक बरामद हुई थी। बीते दस जनवरी को पुलिस ने दोनों आरोपियों को न्यायालय में रिमांड के लिए पेश किया और जिला कारागार में दाखिल करने के लिए पुलिस लेकर जा रही थी। पुलिस को दिया था चकमा आरोपी लालबाबू मौर्या पुलिस टीम को चकमा देकर हथकड़ी से हाथ छुड़ा कर भाग गया था। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक डा. ईरज राजा ने आरोपी पर 25 हजार का इनाम घोषित करने के साथ ही गिरफ्तारी के लिए तीन टीम गठित की थी। सीओ ने बताया कि मरदह की प्रभारी निरीक्षक तारावती यादव और बिरनो थानाध्यक्ष अजय यादव पुलिस के साथ भ्रमण कर रहे थे। तभी सूचना के आधार पर गोविंदपुरकीरत के पास से मुठभेड़ में फरार आरोपी लाल बाबू मौर्या को गिरफ्तार कर लिया।

तेज रफ्तार इनोवा ने मारी टक्कर दो साइकिल सवारों की मौत

कानपुर। सुजातगंज में नशे में धुत कार चालक ने दो साइकिल सवारों को रौंद दिया, जिससे उनकी मौत हो गई। इस अनियंत्रित कार ने कई अन्य वाहनों को भी क्षतिग्रस्त किया, जिससे क्षेत्र में भारी आक्रोश है। कानपुर में रेलबाजार थाना क्षेत्र के सुजातगंज में रविवार तड़के एक अनियंत्रित कार ने दो साइकिल सवारों को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों साइकिल सवारों की मौत हो गई। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। घटना में कार चालक भी घायल हो गया है, जिसका उपचार हैलट अस्पताल में चल रहा है। जानकारी के अनुसार, सुजातगंज में रविवार की सुबह कार श्यामनगर निवासी चालक इम्तियाज श्यामनगर रोड से सुजातगंज की तरफ जा रहा

था। इस दौरान कार अनियंत्रित हो गई और वहां से गुजर रहे साइकिल सवार प्रशांत झा और शैलेश तेज रफ्तार की चपेट में आ गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दो साइकिल सवार और घायल चालक को अस्पताल में भर्ती करवाया। यहां उपचार के दौरान प्रशांत और शैलेश की मौत हो गई। वहीं, घायल इम्तियाज का उपचार चल रहा है। थाना प्रभारी जितेंद्र प्रताप सिंह चौहान ने बताया कि ई-रिक्शा और दो वाहन भी चपेट में आकर क्षतिग्रस्त हो गए। तहरीर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। चालक के नशे में होने की आशंका इम्तियाज के नशे में होने के आशंका है। हादसे के बाद गाड़ी के चारों हैंडल खोले गए, तो गाड़ी से बदबू आ रही थी। इतना ही नहीं, उसके मुंह से भी काफी बदबू आ रही थी। माना जा रहा है कि वह नशे में गाड़ी चला रहा था। पुलिस के मुताबिक कार चालक ने एक अन्य कार, एक ई-रिक्शा और एक लोडर समेत दो अन्य साइकिल को भी टक्कर मारी थी। गनीमत रही थी इस दौरान वाहनों में किसी भी आदमी के मौजूद नहीं होने पर बड़ा हादसा टल गया।

यूपी में पुलिस ने पांच लोगों को लिया हिरासत में किताबें-बोर्ड बरामद

मऊ। मऊ में धर्म परिवर्तन की सूचना पाकर स्थानीय पुलिस ने एक मकान में छापा मारा। यहां करीब 50 लोग मौजूद मिले। पूछताछ के बाद पुलिस ने पांच लोगों को हिरासत में लिया है। मौके से मिले सामान को जब्त कर लिया गया है। नगर के निजामुद्दीनपुरा में रविवार को पुलिस ने एक मकान में चल रहे धर्म परिवर्तन के मामले में पांच लोगों को हिरासत में लिया है। पुलिस की कार्रवाई के समय मकान में 50 के करीब महिला पुरुष मौजूद रहे। सभी प्रार्थना सभा के समय मौजूद थे। पुलिस ने मकान से दो बोर्ड और किताबों को भी कब्जे में लिया है। इस मामले में शहर कोतवाल अनिल सिंह ने बताया कि पुलिस सूचना पर वहां पहुंची पांच लोगों को हिरासत में लिया गया है तहरीर के बाद कार्रवाई की जाएगी।

मौन रहकर किया गंगा स्नान फिर दान काशी के 84 घाटों पर उमड़े लाखों लोग

वाराणसी। काशी नगरी में मौनी अमावस्या को लेकर सभी घाटों पर लाखों की भीड़ ने गंगा स्नान किया, इसके बाद दान-पुण्य। सुरक्षा की दृष्टि से जगह-जगह पुलिस टीम निगरानी कर रही थी। मौनी अमावस्या पर्व पर गंगा तटों पर आस्था का अद्भुत नजारा देखने को मिला। भोर से ही नमो घाट, राजघाट, प्रह्लाद घाट, गाय घाट, त्रिलोचन घाट, ब्रह्मा घाट और पंचगंगा घाट पर श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया। हजारों की संख्या में भक्तों ने पूरे दिन गंगा स्नान कर मौन व्रत के साथ विधि-विधान से पूजन, दर्शन और दान किया। घाटों पर हर-हर गंगे के जयकारों के बीच धार्मिक वातावरण बना रहा। मान्यता है कि गंगोत्री से गंगासागर तक गंगा की यात्रा में काशी में मां गंगा का प्रवाह पश्चिम दिशा की ओर है, इसी कारण इसे ह्यपश्चिम वाहिनी गंगाह्ल कहा जाता है। मौनी अमावस्या के दिन मौन रहकर स्नान और दर्शन-पूजन करने की प्राचीन परंपरा के निर्वहन के लिए पूर्वांचल के विभिन्न जिलों से श्रद्धालु एक दिन पूर्व से ही वाराणसी पहुंचने लगे थे। स्नान-पूजन के बाद श्रद्धालुओं ने काशी विश्वनाथ मंदिर, काल भैरव मंदिर, संकचट मोचन मंदिर सहित काशी के प्रमुख देवालयों में दर्शन किया। सभी सिद्धियों का मूल मौन ही है। मां गंगा हमारे शरीर, आत्मा और मन तीनों को मिलाने का माध्यम बनेंगी। यही मौनी अमावस्या का मूल है। दरअसल, मकर राशि जीव के शरीर का प्रतीक है, सूर्य आत्मा का और चंद्रमा मन का प्रतीक। इन तीनों का एक साथ योग ही मौनी अमावस्या है। यह अपने आत्म-साक्षात्कार का पर्व है। मानव शरीर में तीन तरह के मल हैं, जिन्हें साफ किया जाता है- कर्म, भाव और अज्ञान का मल। इनका नाश गंगा, यमुना और सरस्वती के संगम में मौनी अमावस्या के दिन केवल स्नान मात्र से हो जाता है। लेकिन लोग अपनी प्रकृति से बंधे हैं और फिर उसी स्वभाव के अनुसार कर्म करते हैं। बीएचयू के ज्योतिष विभाग में शोध कर चुके डॉ. अधोक्षज पांडेय ने ये जानकारियां दी। केवल शरीर को जल में डुबोना ही स्नान नहीं डॉ. पांडेय ने कहा कि माघ मास की अमावस्या को मौनी अमावस्या इसलिए कहा गया है क्योंकि इस दिन मौन-स्नान को सिद्धिदायक माना गया है। केवल शरीर को जल में डुबोना ही स्नान नहीं है; वास्तविक स्नान तो वाक्-संयम है। मन से वाणी उत्पन्न होती है। मौन के माध्यम से प्राणशक्ति का संरक्षण होता है और अन्तःकरण शुद्ध होता है। अनियंत्रित वाणी अनावश्यक शब्दों के माध्यम से प्राणशक्ति का क्षय करती है। इसलिए शास्त्रों ने मौन को व्रत का स्वरूप दिया है।

संक्षिप्त खबरें

प्रयागराज जा रहे श्रद्धालुओं की गाड़ी पलटी

सेमरी बाजार (सुलतानपुर)। जयसिंहपुर के टांडा-बांदा हाईवे पर चांदपुर के पास शुक्रवार देर रात घने कोहरे में बस्ती जिले से प्रयागराज गंगा स्नान के लिए जा रही श्रद्धालुओं से भरी मैजिक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में पलट गई। दुर्घटना में 15 श्रद्धालु घायल हो गए। घायलों को बिरसिंहपुर अस्पताल में भर्ती कराया गया। दुर्घटना में बस्ती जिले के चरकैला निवासी मैजिक चालक धर्मेंद्र (25), रीता (65), मीना (60), शीला (40), चंद्रावती (37), तहलु (70), मनीराम (53), जियालाल (65), बजरंगी (55), किरन (40), सरोज (45), गोदियाल निवासी नीला (42), खुर्सरा निवासी बिंदु (45), गंगापुर निवासी लालमती (40) व पकड़वा निवासी रीता देवी (50) घायल हुए हैं। श्रद्धालुओं ने बताया कि बस्ती जिले के कलवारी के चरकैला और आसपास के गांवों से करीब 50 श्रद्धालु तीन मैजिक वाहनों से शुक्रवार को प्रयागराज जाने के लिए निकले थे। रास्ते में चांदपुर के पास घना कोहरा होने से मैजिक चालक ने अचानक सामने से आ रही बस से बचने की कोशिश की, लेकिन वह नियंत्रण खो बैठा और वाहन पलट गया। जयसिंहपुर कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक प्रमोद मिश्र ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त वाहन को सुरक्षित स्थान पर रखवाया गया है।

राशन वितरण में गड़बड़ी, दो को तीन-तीन साल की सजा

बस्ती। एएसजे व स्पेशल ईसी कोर्ट के न्यायाधीश प्रदीप कुमार गिरी ने शनिवार को राशन वितरण में गड़बड़ी करने के दो दोषियों को तीन-तीन साल की सजा सुनाई है। साथ ही, पांच-पांच हजार रुपये अर्थदंड भी लगाया गया है। पुलिस के अनुसार, ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत कोर्ट ने कोटा के राशन वितरण में गड़बड़ी करने के मारमले में हरैया थाना क्षेत्र के महुआर निवासी मस्तराम व महेश सजा सुनाई गई है। इस मामले में 25 जनवरी 2008 को रुधौली थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। विवेचक ने आरोप पत्र कोर्ट में दाखिल किया था। शनिवार को न्यायाधीश ने मामले की सुनवाई करते हुए दोनों को उपरोक्त सजा सुनाई है।

मोबाइल हैक कर खाते से 92 हजार उड़ाए

बस्ती। कलवारी थाना क्षेत्र के टिउठा गांव की रहने वाली सोनाली देवी से साइबर ठगों ने क्रेडिट कार्ड एप डाउन लोड करवाते-करवाते मोबाइल फोन हैक कर 92 हजार 934 रुपये खाते से उड़ा दिए। घटना छह जनवरी की है। टिउठा गांव की रहने वाली सोनाली देवी ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि छह जनवरी को ठंड अधिक थी। घर के बाहर अलाव के पास पति प्रेमनाथ के अलावा परिवार के अन्य सदस्य बैठे थे। सुबह करीब 11 बजे उसके मोबाइल पर फोन आया। फोन करने वाले ने खुद को बैंक मैनेजर बताया और कहा कि किसी को ओटीपी नंबर न बताना। इसके बाद उसने बातों में उलझा लिया जब वह फोन काटने लगी तो जालसाज ने कहा कि फोन मत काटना। इसी बीच उसके मोबाइल फोन को हैंग कर लिया गया और तत्काल उसे खाते से नौ हजार रुपये कट गए। पीड़िता का कहना है कि जब तक उसने बैंक से संपर्क साधा, तब तक उसके खाते से 92 लाख 934 रुपये काट चुके थे। विवेचक राकेश मिश्रा ने बताया कि तहरीर के आधार पर अज्ञात पर प्राथमिकी दर्ज की छानबीन की जा रही है।

बाल आभा आईडी बनाने की हिदायत

बस्ती। डिप्टी सीएमओ व जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. एके चौधरी ने शनिवार को बहादुरपुर विकासखंड के खडौआ जाट के आंगनबाड़ी केंद्र व उपकेंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान बाल स्वास्थ्य पोषण माह के नौ माह से पांच वर्ष के बच्चों की लिस्ट नहीं मिली। आशा के पास ड्यूटलिस्ट भी अपडेट नहीं थी। उन्होंने चेतावनी दिया कि ड्यूलिस्ट को अपडेट करने के साथ ही बाल आभा आईडी को भी बनाएं। निरीक्षण में पाया कि एएनएम प्रियंका ने कुल आठ टीकाकरण की थीं। वहीं आशा कार्यकर्ता दुर्गावती के पास ड्यूलिस्ट अपडेट न होने पर सीएचसी अधीक्षक के जरिये स्पष्टीकरण तलब किया। एसीएमओ ने कहा कि कार्यों में लापरवाही न बरतें। आंगनबाड़ी अपना रजिस्टर व आशा कार्यकर्ता अपना ड्यूलिस्ट अपडेट रखें। एएनएम से कहा कि एनीमिया मुक्त भारत के तहत छह माह से पांच वर्ष के बच्चों को आयरन की सिरप दें। इसके बाद जिला प्रतिरक्षण अधिकारी ने ऑनलाइन मीटिंग की।

अमर मणि मामले में सुनवाई अब 27 को

बस्ती। उत्तर प्रदेश बार काउंसिल चुनाव के मतदान की वजह से शनिवार को पूर्व मंत्री अमर मणि त्रिपाठी के मामले की सुनवाई नहीं हो सकी। व्यवसायी पुत्र राहुल मद्धेशिया के अपहरण के मामले में अगली सुनवाई 27 को होगी। व्यवसायी पुत्र राहुल मद्धेशिया के अपहरण के मामले में पूर्व मंत्री अमर मणि त्रिपाठी पर दर्ज प्राथमिकी में फास्ट ट्रैक कोर्ट प्रथम/एमपी-एमएलए कोर्ट के न्यायाधीश प्रमोद कुमार गिरी की कोर्ट में ट्रायल चल रहा है। शनिवार को 13वें गवाह से वीडियो कांफ्रेसिंग के जरिये जिरह होनी थी, मगर कचहरी परिसर में चुनावी गहमागहमी के बीच सुनवाई की अगली तारीख 27 जनवरी दे दी गई। बता दें कि एक दिसंबर 2001 को व्यवसायी पुत्र राहुल मद्धेशिया का अपहरण कर लिया गया था। इस मामले में पूर्व मंत्री अमर मणि त्रिपाठी पर प्राथमिकी दर्ज हुई थी। अब इस मामले में ट्रायल चल रहा है।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का आरोप

बस्ती। नगर बाजार थाना क्षेत्र में ब्यूटी पार्लर चलाने वाली युवती ने एक युवक पर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने पीड़ित युवती की तहरीर पर शनिवार को क्षेत्र के ही रहने वाले आरोपी प्रदुम्न सोनी पर प्राथमिकी की है। युवती ने थाने में तहरीर देकर कहा है कि कस्बे में उसका ब्यूटी पार्लर है। उनके पार्लर पर अक्सर क्षेत्र का युवक प्रदुम्न सोनी आता-जाता था। धीरे-धीरे उससे जान-पहचान हो गई। युवती का आरोप है कि युवक ने शादी का झांसा देकर उसके कई बार शारीरिक संबंध बनाए। दबाव डालने पर जाति सूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए शादी करने से इन्कार कर दिया। अश्लील वीडियो भी वायरल करने की धमकी दी।

हिंदू सम्मेलन चरित्र निर्माण का अभियान

बभनान। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तत्वावधान में नगर पंचायत के भगत सिंह नगर वार्ड के एक मैरिज हॉल में शनिवार को हिंदू सम्मेलन व समरसता सहभोज का आयोजन किया गया। वक्ताओं ने लोगों को हिंदू एकता के बारे में जानकारी दी। इसके बाद समरसता सहभोज में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए आचार्य नरेंद्र किसान पीजी कॉलेज के सैन्य विज्ञान विभाग के प्रोफेसर अमित ने कहा कि हिंदू सम्मेलन राष्ट्रीय चरित्र के निर्माण का अभियान है। जहां उपस्थित अनुपस्थित विचारधारा के स्तर पर सभी भाइयों को सम्मिलित करना ही उद्देश्य है। हिंदुओं को एकता और समरसता के साथ जाति वर्ग भाषा और क्षेत्र के भेदभाव से ऊपर उठकर संगठित करना है। उन्होंने सोमनाथ मंदिर का जिक्र करते हुए कहा कि एक हजार वर्ष पूर्व उसे दूसरे देश से आक्रांता द्वारा तोड़ दिया गया था, उस समय भी अलग-अलग हिस्सों में उसके खिलाफ लड़ाई लड़ी गई, मगर संगठित न रहने के चलते वह सफल हो गए।

डिब्रूगढ़ से लखनऊ के लिए पहली अमृत भारत रवाना

लखनऊ : गोमतीनगर से शक्तिपीठ मां कामाख्या होते हुए डिब्रूगढ़ तक चलने वाली अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन का आज उद्घाटन हो गया। ट्रायल रन में यह डिब्रूगढ़ से रविवार को सुबह 11 बजे चली। रवानगी के 46 घंटे बाद मंगलवार को यह गोमतीनगर स्टेशन पहुंचेगी। जल्द ही इसका नियमित संचालन भी शुरू किया जाएगा। उद्घाटन स्पेशल ट्रेन 22 कोच के साथ लखनऊ आ रही है। डिब्रूगढ़ से गोमतीनगर तक इस रूट पर चलेगी पूर्वोत्तर रेलवे के सीपीआरओ पंकज कुमार सिंह ने बताया कि उद्घाटन स्पेशल ट्रेन संख्या 05949 रविवार सुबह 11 बजे डिब्रूगढ़ से रवाना होगी। यह मोरणहाट, सिमालगुड़ी, मरियानी, फरकाटिंग, दीमापुर, दीफू, लम्डिंग, होजई, चापरमुख, जागी रोड, गुवाहाटी, कामाख्या, रंगिया, नलबाड़ी, बारपेटा रोड, न्यू बोंगाईगांव, कोकराझार, न्यू अलीपुरद्वार, न्यू कूचबिहार, न्यू जलपाईगुड़ी, अलुआबाड़ी रोड, किशनगंज, बारसोई, कटिहार, नौगछिया, खगड़िया, बेगूसराय, बरौनी, हाजीपुर, सोनपुर, छपरा, सीवान और देवरिया सदर होते हुए सोमवार रात पौने एक बजे गोरखपुर पहुंचेगी। इसके बाद खलीलाबाद, मनकापुर और अयोध्या धाम होकर मंगलवार सुबह 4:20 बजे अयोध्या कैंट तथा सुबह 9 बजे गोमतीनगर पहुंचेगी। गोमतीनगर से दोपहर 1 बजे निकलेगी 05950 गोमतीनगरद्धडिब्रूगढ़ विशेष ट्रेन 20 जनवरी 2026 को गोमतीनगर से दोपहर 13:00 बजे प्रस्थान करेगी।

खरमास समाप्तः मांगलिक कार्य पांच से शुरू होंगे, बजेंगी शहनाइयां

■ ग्वालियर

14 जनवरी को सूर्य के मकर राशि में प्रवेश करने के साथ ही खरमास की समाप्ति हो गई है। 5 फरवरी से मांगलिक कार्य आरंभ हो जाएंगे और एक बार फिर से शहनाइयां गूंज उठेंगी।

ज्योतिषाचार्य सुनील चोपड़ा ने बताया की मकर संक्रांति के बाद शुभ और मांगलिक कार्य शुरू हो जाते हैं, लेकिन शुक्र के अस्त होने के कारण शादियों के मुहूर्त फरवरी के शुरुआती हफ्तों से शुरू होंगे, मुख्य रूप से 5 फरवरी से मांगलिक कार्यों का दौर शुरू होगा।

23 जनवरी को बसंत पंचमी पर अबूझ मुहूर्तः वसंत पंचमी का दिन शुभ होता है। इस दिन ज्ञान की देवी सरस्वती की पूजा करते हैं। वसंत पंचमी पर पूरे दिन अबूझ मुहूर्त रहता है, जिसकी वजह से इस दिन लोग विवाह, गृह प्रवेश, मुंडन, उपनयन, प्रॉपर्टी खरीद आदि करते हैं। इस दिन इन कार्यों को करने के लिए पंचांग देखने की जरूरत नहीं होती है। जो लोग अन्य मुहूर्त पर अपना शुभ कार्य नहीं कर पाते हैं, वे वसंत पंचमी पर अबूझ मुहूर्त में कर लेते हैं।

विवाह के शुभ मुहुर्त

फरवरी- 5, 6, 8, 10, 12, 14, 19, 20, 21, 24, 25, 26
मार्च- 2, 3, 4, 7, 8, 9, 11, 12
अप्रैल- 15, 20, 21, 25, 26, 27, 28, 29
मई- 1, 3, 5, 6, 7, 8, 13, 14
जून- 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 29 जुलाई- 1, 6, 7, 11

आज मनेगी मौनी अमावस्या

माघ माह की मौनी अमावस्या 18 जनवरी रविवार को सर्वार्थसिद्धि योग में मनाई जाएगी। ज्योतिषाचार्य सुनील चोपड़ा ने बताया कि सनातन परंपरा में माघ मास की अमावस्या को मौनी अमावस्या पर्व के रूप में जाना जाता है। हिंदू मान्यता के अनुसार इस पावन तिथि पर मौन रहकर साधना-आराधना करने पर साधक को विशेष पुण्यफल की प्राप्ति होती है। देवी-देवताओं संग पितरों का आशीर्वाद बरसाने वाली मौनी अमावस्या पुण्यदायी हो जाती है। उन्होंने बताया कि मौनी अमावस्या पर पीपल की पूजा करना शुभ होता है। इसमें न सिर्फ ब्रह्मा, विष्णु और महेश बल्कि शनि और पितरों का भी वास माना गया है। ऐसे में मौनी अमावस्या पर पुण्य की प्राप्ति और तमाम तरह के दोषों से मुक्ति पाने के लिए स्नान-ध्यान करने के बाद पीपल पर दूध मिला जल अर्पित करने के बाद दीपदान करने से पितृ प्रसन्न होते हैं।

माधव बाल निकेतन में श्रीमद् भागवत कथा 27 से

माधव बाल निकेतन वृद्ध आश्रम में 27 जनवरी से 3 फरवरी तक श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। कथा का वाचन घनश्याम शास्त्री द्वारा किया जाएगा। कथा का समय दोपहर 1 से शाम 5 बजे तक होगा। आश्रम के पवन भटनागर एवं नूतन श्रीवास्तव ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य वृद्ध आश्रम में निवासरत माता-पिता को धर्म, भक्ति एवं आध्यात्मिक ऊर्जा से जोड़ना है, ताकि जीवन के इस पड़ाव में उन्हें मानसिक शांति, आत्मिक संतोष एवं ईश्वर भक्ति का सहारा मिल सके।

वैदिक सम्मान समारोह आज

दाल बाजार स्थित श्री समर्थ गुरु रामदास जी महाराज की परंपरा के मठ आबा महाराज श्रीराम मंदिर में परंपरा के आठवें संत सद्गुरु वासुदेव महाराज की 44वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में वैदिक सम्मान समारोह रविवार 18 जनवरी को आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ शाम 5 बजे पाक्षिक रामधुन सत्संग से होगा। जिसमें ग्वालियर के वैदिक विद्वानों द्वारा ऋग्वेद एवं यजुर्वेद का वेदघोष पठन किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रुप में हनुमान सत्संग धाम के पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर संतोषानंद महाराज होंगे। इस अवसर पर 44 वां वैदिक सम्मान ग्वालियर नगर के वैदिक विद्वान राजन पाठक को दिया जाएगा।

ब्रह्माकुमारीज केंद्रों पर आज होगी विशेष साधना

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के साकार संस्थापक पिताश्री ब्रह्मा बाबा का 18 जनवरी को 57वां पुण्य स्मृति दिवस है, जिसे 'विश्व शांति दिवस' के रूप में मनाया रहा है। केंद्र प्रमुख आदर्श दीदी एवं ध्यान प्रशिक्षक बीके प्रहलाद भाई ने बताया कि ग्वालियर के सभी केंद्रों पर सुबह से ही विशेष साधना की जाएगी। संस्थान से जुड़े हुए सभी श्रद्धालु केंद्र पर ध्यान करेंगे एवं पुष्पांजलि अर्पित करेंगे।

जैन मिलन महिला फालका बाजार ने की गोद भराई

ग्वालियर। जैन मिलन महिला फालका बाजार द्वारा रोटरी क्लब के सहयोग से हनुमान नगर स्थित शासकीय प्राइमरी स्कूल में मोहिनी शाक्य के विवाह अवसर पर गोद भराई की। कन्या पक्ष के परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने पर शाखा की सभी बहनों ने मिलकर उसे अपनी बेटी समान मानते हुए सहयोग किया। इस अवसर पर कन्या को विवाह में उपयोग आने वाली आवश्यक सामग्री एवं 1100 रुपए की राशि दी गई। इस मौके पर मीना मिड्ढा, निर्मल जैन, हिमांशु अमरपुरी, राजू मित्तल, विनय गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

राम से बड़ा राम का नामः संतोषानंद

मानव उत्थान सेवा समिति द्वारा इंटक मैदान में अध्यात्म सत्संग समारोह का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम के अंतिम दिन शनिवार को हरिद्वार से आए संत हरि संतोषानंद महाराज ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा कि राम चरित मानस में गोस्वामी तुलसीदास ने राम की महिमा का बखान किया है। उन्होंने बताया कि राम से बड़ा राम का नाम है। महात्मा वर्धमानानन्द महाराज ने कहा कि मनुष्य के जीवन में दुःख का कारण मोह है और इस मोह से मुक्त होना ही मोक्ष है। सत्संग समारोह के दूसरे दिन गोपाल भाई और साथियों ने सुन्दर भजन प्रस्तुत किए। समारोह को साध्वी मिथलेश बाई, साध्वी शारदा बाई, साध्वी हरीशा बाई ने भी संबोधित किया। इस मौके पर राजेन्द्र सिंह नाती, रतीराम राम यादव, राजेश बंसल, संदीप शर्मा आदि उपस्थित रहे। संचालन रामबाबू कटारे ने किया।

महावीर इंटरनेशनल ने सेनेटरी नैपकिन बांटे

ग्वालियर। महावीर इंटरनेशनल ग्वालियर के तत्वावधान में गत दिवस शासकीय हाई स्कूल जमाहर ग्वालियर में सेनेटरी नैपकिन वितरण एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को मासिक धर्म से संबंधित आवश्यक जानकारी प्रदान की गई तथा उनसे जुड़ी सामाजिक भ्रांतियों को दूर करने पर विशेष चर्चा की गई। इस अवसर पर 50 से 60 छात्राओं को नि :शुल्क सेनेटरी नैपकिन का वितरण किया गया। इस अवसर पर महावीर इंटरनेशनल ग्वालियर के अध्यक्ष राकेश शिवहरे, अमित शिवहरे, अजित संचेती, अनीता संचेती, अरुण चौरड़िया, सुदर्शन जैन, साधना जैन, पंकज कोठारी, ऋतु कोठारी आदि उपस्थित रहे।

संस्कार केंद्रों पर बांटी शैक्षणिक सामग्री

■ ग्वालियर

बजरिया इंदिरा नगर स्थित सेवा भारती के दो संस्कार केंद्रों पर शनिवार को प्रेरक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर बाल कल्याण समिति ग्वालियर के सदस्य संतोष कुमार शर्मा ने बच्चों को कॉपी, पेंसिल, चॉकलेट, बिस्किट और पढ़ाई के लिए एबीसीडी युक्त कैलेंडर वितरित किए। इस दौरान श्री शर्मा ने बच्चों को वीर बालकों की प्रेरणादायिक कहानियां सुनाईं, जिससे उनमें सादस, देशभक्ति, अनुशासन एवं अच्छे संस्कारों का भाव जागृत हुआ।

अवैध शराब निर्माण पर कार्रवाईः 2.5 टन गुड़ लहान नष्ट, 57.5 लीटर हाथभट्टी व 60 पाव देशी मदिरा जब्त

■ ग्वालियर

अवैध मदिरा के निर्माण, संग्रहण और विक्रय के खिलाफ आबकारी विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध शराब नष्ट की है। जिलाधीश रुचिका चौहान एवं संभागीय आबकारी उपायुक्त संदीप शर्मा के आदेश तथा सहायक आबकारी आयुक्त राकेश कुर्मी के मार्गदर्शन में

आबकारी बल ने घाटीगांव, बंजारा खिरक और मोहना क्षेत्र में एक साथ दबिश दी। घाटीगांव में विनोद राठौर के कब्जे से पेट्रोल पंप के पास से 32 पाव देशी मदिरा जब्त की गई। बंजारा खिरक में सुरेंद्र उर्फ लल्लू आदिवासी के पास से 21 पाव देशी मदिरा प्लेन एवं 7 पाव देशी मदिरा मसाला बरामद की गई।

सबसे बड़ी कार्रवाई मोहना क्षेत्र के बरसाना मोहल्ला में की गई, जहां प्लास्टिक की टंकियों में भरा करीब 2500 किलोग्राम गुड़ लहान और 57.5 लीटर हाथभट्टी मदिरा जब्त की गई। मौके से आरोपी फरार हो गया। गुड़ लहान के सैंपल लेकर शेष लहान को मौके पर ही फैलाकर नष्ट कर दिया गया।

अवैध मदिरा के संग्रहण में लिप्त आरोपियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1) के तहत दो प्रकरण पंजीबद्ध किए गए हैं। वहीं मोहना के बरसाना मोहल्ला में मौके से फरार आरोपी के विरुद्ध धारा 34(2) एवं 49-क के तहत मामला दर्ज किया गया है।

इस कार्रवाई में जब्त अवैध देशी एवं हाथभट्टी मदिरा तथा नष्ट किए गए गुड़ लहान का अनुमानित मूल्य लगभग 2 लाख 60 हजार रुपए बताया गया है।

कार्रवाई में कंट्रोल रूम प्रभारी राजेश कुमार तिवारी,उप निरीक्षक विवेक आदित्य सिंह सहित आरक्षक रवि बघेल, सुनील सिंह, एकल कुटे, राधा दांगी और राहुल त्यागी शामिल थे।

पल्लीवाल महिला मंडल ने ली समाजसेवा की शपथ

ग्वालियर। पल्लीवाल महिला मंडल ग्वालियर का शपथ ग्रहण समारोह जैन छात्रावास में समाजसेवा की शपथ के साथ आयोजित हुआ। जिसमें वर्षभर के कार्यक्रम को लेकर चर्चा हुई और मनोरंजन हाउजी गेम खिलाया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष शशि जैन, उपाध्यक्ष आरती जैन, सचिव शशि जैन, सह सचिव संगीता जैन, कोषाध्यक्ष मिनी जैन, सह कोषाध्यक्ष राधा जैन, सांस्कृतिक मंत्री शोभना जैन ने शपथ ली। इस अवसर पर पल्लीवाल महिला मंडल ग्वालियर की सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने संकल्प लिया कि पल्लीवाल जैन समाज की महिलाओं को सांस्कृतिक, आर्थिक, शैक्षणिक एवं व्यावसायिक दृष्टि से सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर प्रयत्नशील रहेंगी।

बच्चियों को कराया भोजन

ग्वालियर। मकर संक्रांति के उपलक्ष्य में ग्वालियर जिला माहेश्वरी महिला संगठन ने आत्म ज्योति आवासीय दृष्टिहीन कन्या विद्यालय में शनिवार को बच्चियों को दोपहर का भोजन कराया। इस दिन जिन बच्चों का जन्मदिन था उनके लिए केक कटवाया गया। साथ ही बच्चियों को आत्मरक्षा कार्यक्रम के बारे में बताया गया। इस अवसर पर उमेश होलानी, सविता पेड़ीवाल, रश्मि मालू, रश्मि माहेश्वरी, रेनू झंवर, डॉ. भारती भूतड़ा, लता चांडक, डॉ. वंदना खटोड़, रेनू माहेश्वरी, शैली माहेश्वरी, नीता माहेश्वरी आदि उपस्थित रहे।

मुरार में अतिक्रमण हटाने रेलवे 21 को करेगा कार्रवाई

■ ग्वालियर

रेलवे अब अपनी खाली और अनुपयोगी पड़ी जमीन को राजस्व सृजन का माध्यम बनाने की दिशा में सक्रिय हो गया है। इसी क्रम में मुरार क्षेत्र में स्थित रेलवे की जमीन का कुछ माह पूर्व अधिकारियों द्वारा सर्वे कराया गया था। सर्वे के बाद यह तय किया गया कि उक्त भूमि पर विभिन्न प्रकार की व्यावसायिक गतिविधियों विकसित की जाएंगी, जिससे रेलवे को अतिरिक्त आय प्राप्त हो सके।

योजना के तहत इस जमीन पर मोबाइल एक्सेसरीज कियोस्क, पूजा सामग्री स्टोर, टैक्सटाइल शोरूम, एडवरटाइजमेंट स्पेस, सैलून सर्विस, प्रमोशनल

कियोस्क, ऑनलाइन गेमिंग जोन, प्रीमियम स्टोर और स्टेटिक जनरल स्टोर जैसी सुविधाएं विकसित की जानी हैं। इससे स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर मिलने के साथ-साथ यात्रियों और आम नागरिकों को भी सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

हालांकि, इस जमीन पर कुछ लोगों द्वारा अवैध रूप से कब्जा कर लिया गया है। इनमें कुछ ऐसे लोग भी शामिल हैं, जिनके परिजन पहले रेलवे में कार्यरत रहे हैं और अब उनके परिवार के सदस्य वहां निवास कर रहे हैं। रेलवे प्रशासन द्वारा पूर्व में अतिक्रमण हटाने के लिए चेतावनी दी गई थी और कुछ समय के लिए कब्जा हटवाया भी गया था, लेकिन बाद में लोग दोबारा वहां आकर बस गए।

शनिवार को रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और रेलवे अधिकारियों की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची और अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी कर स्थान खाली करने के निर्देश दिए। टीम में आरपीएफ निरीक्षक मनोज शर्मा, सहायक मंडल वाणिज्य प्रबंधक आरके वर्मा, सीसीआई वाई.के. मीणा, सीटीआई राजीव शर्मा एवं सीएचआई बलराम मीणा शामिल रहे। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यदि तय समय सीमा के भीतर अवैध अतिक्रमण नहीं हटाया गया, तो बुधवार 21 जनवरी को बड़ी कार्रवाई की जाएगी।

पटवारी कॉलोनी में आठ दिन से पेयजल समस्या, निराकरण के निर्देश

■ भितरवार

नगर परिषद के वार्ड क्रमांक 2 स्थित पटवारी कॉलोनी में पिछले आठ दिनों से लगभग आधा दर्जन घरों में पानी की आपूर्ति बाधित है। इससे आक्रोशित निवासियों द्वारा विरोध प्रदर्शन की चेतावनी दिए जाने के बाद नगर परिषद अध्यक्ष बलदेव अग्रवाल ने वार्ड का निरीक्षण किया। उन्होंने पेयजल प्रभारी को तत्काल पानी की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। स्थानीय निवासियों का कहना है कि आठ दिनों से पानी न मिलने के कारण उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर अपनी समस्या बताई और विरोध प्रदर्शन की चेतावनी दी थी। अध्यक्ष अग्रवाल ने निवासियों से मुलाकात की, जहां महिलाओं ने उन्हें अपनी परेशानी से अवगत कराया। अध्यक्ष बलदेव अग्रवाल ने मौके पर ही पेयजल प्रभारी को बुलाया और सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि चाहे पाइपलाइन में बॉल लगाकर या टैंकर से, किसी भी हालत में आज से पानी की आपूर्ति शुरू हो जानी चाहिए, अन्यथा संबंधित अधिकारी पर कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि भितरवार नगर परिषद पिछले कुछ समय से विभिन्न कारणों से चर्चा में रही है।

माधुरी गुप्ता का शिक्षा में अनमोल योगदान, मार्गदर्शक हैं उनके जीवन सूत्र : नाफड़े

■ ग्वालियर

माधुरी दीदी का शिक्षा के क्षेत्र में अनमोल योगदान रहा। उनके सिद्धांत आज भी उनके शिष्यों के लिए मार्गदर्शन का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने गुरु-शिष्य परंपरा के तहत शिष्यों का शिक्षा में मार्गदर्शन तो किया ही साथ ही व्यावहारिक जीवन जीने की प्रेरणा भी उन्होंने युवा पीढ़ी को दी, जो आने वाले पीढ़ी के लिए मार्गदर्शन का कार्य करेगी। उनकी शास्त्रीय गायन के साथ शास्त्रीय लोक नृत्य में अच्छी पकड़ रही, जिसका लाभ कई बेटियों को मिला। वह बेटियों को आगे बढ़ाने के पक्ष में रहीं और इस दिशा में उन्होंने कार्य भी किए।

यह बात भारतीय शिक्षण मंडल के अखिल भारतीय संयुक्त महामंत्री पंकज नाफड़े ने कही। वह भारतीय शिक्षण मंडल और शासकीय उच्चतर कन्या माध्यमिक विद्यालय शिंदे की छावनी द्वारा विद्यालय की पूर्व प्राचार्य माधुरी गुप्ता के शिक्षा व समाज में उनके योगदान पर चर्चा कर रहे थे। इस दौरान माधुरी गुप्ता के आध्यात्मिक ज्ञान पर प्रकाश डाला गया और उनके प्रिय भजन भी गाए गए।

इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी हरिओम चतुर्वेदी, विद्यालय के प्राचार्य जितेंद्र आजाद, उनकी शिष्या क्षमा चतुर्वेदी, भारतीय शिक्षण मंडल की ओर से प्रांत उपाध्यक्ष डॉ. शिव कुमार शर्मा, प्रांत अधिकारी आरके उपाध्याय, डॉ. स्वाति पेंडसे, गोपी मंधान,अमित शर्मा, जिला अध्यक्ष डॉ. एसके सिंह, तृप्ति विजय बेहरे, जिला मंत्री शुभम जैन, प्रचार सह प्रमुख कुलदीप पाठक सहित कई लोग मौजूद रहे। संचालन मनीष लिमये ने किया।

गहोई दिवस पर आज निकलेगा चल समारोह

ग्वालियर। गहोई सेवा संस्थान एवं श्री गहोई वैश्य समाज बृहत्तर ग्वालियर के संयुक्त तत्वावधान में गहोई दिवस के अवसर पर 18 जनवरी रविवार को सुबह 9:30 बजे श्री सनातन धर्म मंदिर से चल समारोह निकाला जाएगा। चल समारोह में झांकियां, सूर्य भगवान का पीतल का निशान, बैंड एवं बग्घी शामिल होंगी। चल समारोह सनातन धर्म मंदिर से आरंभ होकर इंदरगंज चौराहा, ओल्ड हाईकोर्ट, लोहिया बाजार, नया बाजार, हुजरात पुल, दौलतगंज, महाराज बाड़ा, सराफा, राम मंदिर होता हुआ अचलेश्वर मंदिर पर संपन्न होगा। इसके उपरांत रंग महल गार्डन में सम्मान समारोह और सामाजिक उत्थान पर चर्चा होगी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर होंगे।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन

'सरस्वती शिशु मंदिर में शिक्षा के साथ मिलते हैं संस्कार'

■ ग्वालियर

सरस्वती शिशु मंदिर नदीद्वार में शनिवार को शिशु नगरी कार्यक्रम हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम में बच्चों ने मनोहारी प्रस्तुतियां दी।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आरके उपाध्याय, मुख्य वक्ता प्रो. कुसुम भदौरिया, विशिष्ट अतिथि प्रतिमा सिंह रहीं। अध्यक्षता कांति व्यास ने की। कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथियों का परिचय विद्यालय की प्राचार्य कल्पना सिकरवार ने दिया। मुख्य वक्ता कुसुम भदौरिया ने कहा कि सरस्वती शिशु मंदिर जैसा कोई विद्यालय नहीं है। यहां शिक्षा के साथ-साथ संस्कार भी मिलते हैं तथा विद्यार्थियों को व्यावसायिक शिक्षा का भी ज्ञान मिलता है। कार्यक्रम के प्रारंभ में छात्राओं ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। इसके बाद विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत राधा-कृष्ण नृत्य ने सभी का मन मोह लिया। प्राथमिक वर्ग के विद्यार्थियों ने घर में माता-पिता का स्थान विषय पर लघु नाटक प्रस्तुत कर भावनात्मक संदेश दिया।

अन्य आकर्षक प्रस्तुतियों से भी सभागार तालियों से गूंज उठा।

शिशु नगरी कार्यक्रम में बच्चों ने दी मनोहारी प्रस्तुति

सरस्वती शिशु मंदिर बादलगढ़ किलागेट ग्वालियर में शनिवार को शिशु नगरी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी हरिओम चतुर्वेदी रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में सरस्वती शिशु मंदिर जैसा कोई नहीं है जहां शिक्षा के साथ-साथ संस्कार भी मिलते हैं। उन्होंने कहा कि छात्र-छात्राओं में मातृ भाषा के साथ-साथ व्यवसायिक शिक्षा का ज्ञान भी होना चाहिए। इस मौके पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें शिशु नृत्य रिमझिम रिमझिम पानी बरसा, मैढक दौड़, चेयर रेस आदि शामिल रहे। इस अवसर पर मुख्यवक्ता के रूप में सरिता पटेल, विशिष्ट अतिथि संदीप चतुर्वेदी, प्रियंका चतुर्वेदी, प्राचार्य मनोज तिवारी, विश्वम्भर जैन सहित विद्यालय का समस्त स्टॉफ उपस्थित रहा।

इस मौके पर 23 जनवरी को होने वाले विद्यारंभ संस्कार तथा पट्टी पूजन के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर विद्यालय की हरदा में उपविजेता रही घोष प्रतियोगिता की बहनों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का संचालन विजय सिंह भदौरिया ने एवं आभार अश्लेषा कांटे ने व्यक्त किया।

मंत्र भारत

ग्वालियर -सोमवार,19 जनवरी 2026

सम्पादकीय

महायुति की महासफलता

महाराष्ट्र में हाल ही में संपन्न स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा के नेतृत्व में महायुति गठबंधन की महत्वपूर्ण सफलता ने राज्य में बड़े राजनीतिक बदलाव का संकेत दे दिया है, जो आने वाले दशकों में राज्य की भगवा राजनीति की विरासत पर वर्चस्व की दिशा भी तय करेगा। राज्य के विधानसभा चुनावों में भाजपा नीत महायुति गठबंधन द्वारा विपक्ष को करारी शिकस्त देने के एक साल से कुछ अधिक समय के बाद अब सत्तारूढ़ गठबंधन ने राज्यव्यापी स्थानीय निकाय चुनावों में अपना दबदबा कायम कर लिया है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि दशकों तक शिवसेना के वर्चस्व वाले बहुचर्चित बृहन्मुंबई नगर निगम यानी बीएमसी के चुनावों में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। निश्चित रूप से इस हालिया परिणाम से आने वाले सालों में मुंबई की सत्ता में निर्णायक बदलाव आएगा। अविभाजित पार्टी के रूप में, बाल ठाकरे द्वारा स्थापित शिवसेना ने दशकों तक भारत की वित्तीय राजधानी पर शासन किया। लेकिन अब भाजपा की अगुवाई में शिवसेना से अलग हुए एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाला गुट बीएमसी में अहम भूमिका निभाएगा। जैसे महाराष्ट्र सरकार में एकनाथ शिंदे उप मुख्यमंत्री की भूमिका निभा रहे हैं, वैसी बीएमसी में पार्टी की भूमिका रहेगी। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि दो दशक बाद ठाकरे भाइयों की पार्टियों के एकजुट होकर लड़ने के बावजूद राज्य में महायुति की लहर रुकी नहीं। यही वजह है कि पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की शिवसेना और राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना की हाल ही में सामने आई प्रतीकात्मक एकता चुनावी सफलता में बदलने में कामयाब नहीं हो सकी। वहीं दूसरी ओर शरद पवार और उनके भतीजे अजीत पवार के नेतृत्व वाले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के गुटों के बीच गठबंधन पूणे में बुरी तरह विफल हो गया। उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र की राजनीति में बीएमसी चुनाव परिणामों के गहरे निहितार्थ रहे हैं। बहुचर्चित बृहन्मुंबई नगर निगम यानी बीएमसी को देश का सबसे धनी नगर निगम होने का गौरव हासिल है। जिसके चलते इसका राजनीतिक महत्व बहुत अधिक है। महाराष्ट्र की राजनीति में बीएमसी के महत्व का अंदाजा इसके बजट से लगाया जा सकता है। इसका बजट वर्ष 2025-26 के लिये 74,427 करोड़ रुपये का है, जो हिमाचल प्रदेश और गोवा जैसे राज्यों के बजट से भी अधिक है। ऐसे में हालिया स्थानीय निकाय चुनाव में भाजपा नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन के वर्चस्व के बाद स्थानीय निकाय की नई संरचना का मुंबई के शासन, नीतिगत प्राथमिकताओं और महाराष्ट्र की राजनीतिक गतिशीलता पर दूरगामी प्रभाव पड़ेगा। यहां सकारात्मक पहलू यह भी है कि जनता ने विकास की आकांक्षा को तरजीह दी और क्षेत्रीय संकीर्णता के नारे को खारिज किया। चुनाव परिणाम मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के विकास के वादे का समर्थन करते हैं। हालांकि, ठाकरे परिवार का ह्यमराठी मानुषह्ण कार्ड ज्यादा मतदाताओं को आकर्षित नहीं कर पाया। एक बार फिर महाराष्ट्र के स्थानीय निकाय चुनाव परिणामों में कांग्रेस हाशिये पर नजर आई। ऐसे में यह कांग्रेस को फिर से आत्ममंथन का मौका देता है। निर्विवाद रूप से महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनाव परिणामों ने विपक्ष के महा विकास अघाड़ी गठबंधन के भविष्य पर प्रश्नचिन्ह लगा दिया है, जिसके घटक दल पहले ही महाराष्ट्र की राजनीति में प्रासंगिक बने रहने के लिये संघर्ष कर रहे हैं। राजनीतिक पंडित कह रहे हैं कि महाराष्ट्र की राजनीति में बरसों तक वर्चस्व रखने वाले ठाकरे और पवार के राजनीतिक परिवार को राज्य में अपनी प्रासंगिकता बनाये रखने के लिये नये सिरे से प्रयास करने होंगे। वहीं दूसरी ओर इन चुनाव परिणामों का एक निष्कर्ष यह भी है कि भाजपा चुनावों में जीतने का गणित सीख गई है। पार्टी के बूथ मैनेजमेंट के साथ संघ का संबल उसकी विजय की राह प्रशस्त करता है। यही वजह है कि स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा न केवल अपने प्रतिद्वंद्वियों को पछाड़ती नजर आई, बल्कि अपने सहयोगियों पर भी भारी पड़ी है।

मशाल बन सत्ता को संभालने का साहित्यिक दायित्व

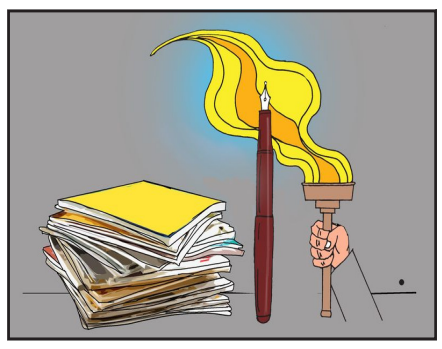

आप किसी को अपने घर बुलायें, और फिर उससे पूछें कि वह आपकी बातों से बोर तो नहीं हो रहा तो आप उससे क्या अपेक्षा करेंगे? यही न कि या तो वह आपसे कहेगा, अरे नहीं, आप तो बहुत अच्छी बातें बता रहे हैं, या फिर बोर हो रहा होगा तो कह देगा अपने मन की बात। ऐसे में आपसे अपेक्षा यह होती है कि आप शालीनता के साथ अपनी बात कहने का ढंग बदल देंगे। लेकिन यदि आप ऐसा न करके अपने अतिथि को अपने घर से निकल जाने और फिर कभी न बुलाने की बात कहने लगें तो आपको असभ्य और बदतमीज ही तो कहा जायेगा। उस दिन छत्तीसगढ़ के संत घासीदास विश्वविद्यालय में ऐसा ही हुआ। विश्वविद्यालय ने केंद्रीय साहित्य अकादमी के आर्थिक सहयोग से हिंदी कहानी की दशा-दिशा पर एक कार्यक्रम आयोजित किया था। देश के बड़े-बड़े साहित्यकार वहां उपस्थित थे। इनमें से एक मनोज रूपड़ा भी थे, जिनकी गणना हिंदी के श्रेष्ठ कहानीकारों में होती है। मेजबान कुलपति शायद स्वागत भाषण दे रहे थे। अचानक उन्होंने सामने बैठे अपने एक अतिथि, मनोज रूपड़ा से पूछ लिया वे उनकी बातों से ऊब तो नहीं रहे और मनोज रूपड़ा ने ईमानदारी से कह दिया, आप मुद्दे पर बोलें तो ज्यादा अच्छा रहेगा। कुलपति महोदय ने इसे अपना अपमान समझा और यह कहते हुए कि वरिष्ठ कहानीकार में वॉइस चांसलर से बात करने का विवेक नहीं है, उन्हें फटकारते हुए हाल से बाहर निकलने का आदेश दे दिया। रूपड़ा उठकर बाहर चले गये, पर यह प्रकरण देशभर में चर्चा का विषय बना हुआ है। सब तरफ कुलपति के ह्यअसभ्यह्ण व्यवहार की आलोचना हो रही है। जिसने भी वायरल वीडियो पर यह प्रकरण देखा-सुना है, वह हैरान ही हो सकता है कि कुलपति जैसे ऊंचे आसन पर बैठा व्यक्ति इतना अनुचित व्यवहार कैसे कर सकता है! उम्मीद यह की जा रही थी कि कार्यक्रम के मेजबान कुलपति अपनी गलती का अहसास करते हुए क्षमा मांग लेंगे, या कम से कम अपने व्यवहार पर खेद तो व्यक्त करेंगे ही। पर घटना के पांच-छह दिन गुजर जाने और देशभर में उनके व्यवहार की हो रही भर्त्सना के बावजूद उन्होंने ऐसा कुछ नहीं किया है! इस दौरान साहित्य अकादमी ने एक अच्छा काम अवश्य किया हैझ अकादमी के अध्यक्ष माधव कौशिक ने इस घटना पर खेद व्यक्त करते हुए घोषणा की है कि संत घासीदास विश्वविद्यालय को आगे से अकादमी किसी भी प्रकार की आर्थिक सहायता नहीं देगी और न ही विश्वविद्यालय के साथ मिलकर कोई कार्यक्रम करेगी। यह एक स्वागत-योग्य निर्णय है। खासकर ऐसी स्थिति में जबकि कुछ ही दिन पहले केंद्र सरकार द्वारा अकादमी के पुरस्कारों की घोषणा रोकने पर अकादमी की चुप्पी की आलोचना हो रही थी, साहित्य अकादमी का यह निर्णय कुछ दिलासा देने वाला है। बहरहाल, इसमें कोई संदेह नहीं कि विवादों में घिरे कुलपति ने सिर्फ एक साहित्यकार का नहीं, पूरे साहित्य-जगत का अपमान किया है। अपमान तो उन्होंने कुलपति के पद और अपने विश्वविद्यालय का भी किया है। जिन शब्दों में, और जिस लहजे में, कुलपति महोदय ने एक साहित्यकार की भर्त्सना की थी, होना तो यह चाहिए था कि उससे वहां उपस्थित सारे साहित्यकार और बाकी श्रोता भी, स्वयं को अपमानित महसूस करते। कुछ लोग अवश्य तब उठकर हाल से बाहर चले गये थे, पर सवाल यह उठता है कि जो साहित्यकार नहीं गये, वे क्यों बैठे रहे? उन्हें क्यों नहीं लगा कि कुलपति महोदय ने एक रचनाकार का ही नहीं, सारे साहित्यकारों का अपमान किया है। आश्चर्य तो इस बात पर भी होना चाहिए कि घटना के बाद लोगों ने उस कार्यक्रम में बैठे रहना उचित समझा। बताया जा रहा है कि आयोजन में कई वरिष्ठ साहित्यकार भी उपस्थित थे। न उन्हें वहां बैठे रहना गलत लगा और न ही असभ्य व्यवहार करने वाले कुलपति के हाथों ह्यसम्मानितह्ण होना! यही नहीं, घटना के इतने दिनों बाद भी, वहां बैठे रहे साहित्यकारों का कोई बयान सामने न आना भी एक रहस्यमयी चुप्पी ही लगता है। शायद रहस्यमयी नहीं है यह चुप्पी। वे चुप क्यों रहे, यह वही जानें, पर यह अपने आप में कोई रहस्य नहीं है कि सत्ता, चाहे वह राजनीतिक हो अथवा प्रशासनिक, अक्सर साहित्य को अपने अधीन रखना चाहती है। चाहती ही नहीं, अधीन मानती भी है। न वह इतिहास से कुछ सीखना चाहती है, न ही वर्तमान को समझना चाहती है। पता नहीं, कुर्सी पर बैठे लोगों को यह याद क्यों नहीं रहता कि कभी बुंदेलखंड के राजा छत्रसाल ने कवि भूषण की पालकी को कंधा देकर उनके प्रति अपना सम्मान प्रकट किया था। इस इतिहास को कोई चाहे तो कल्पना भी कह सकता है, पर समझने की बात यह है कि राजा छत्रसाल और कवि भूषण का यह प्रकरण सत्ता और साहित्य के रिश्तों को परिभाषित करने वाला है। यहीं यह भी समझना जरूरी है कि किसी छत्रसाल (सत्ता) द्वारा सम्मानित होने के लिए भूषण (साहित्य) को अपनी पात्रता भी सिद्ध करनी होती है। संत घासीदास विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कुलपति के द्वारा अनुचित व्यवहार के दौरान वहां उपस्थित साहित्यकारों की चुप्पी यही संकेत देती है कि या तो उन्होंने घटना में निहितार्थ को नहीं समझा या उनमें सत्ता के अनुचित घमंड का प्रतिकार करने का साहस नहीं था। ऐसे साहित्यकारों को अपने आप से यह सवाल पूछना चाहिए कि अनुचित का प्रतिकार करना उन्होंने जरूरी क्यों नहीं समझा। वह यह क्यों भूल गये कि साहित्य का काम सत्ता को संभालना होता है, मशाल बनकर आगे चलना होता है।

अचानक उन्होंने सामने बैठे अपने एक अतिथि, मनोज रूपड़ा से पूछ लिया वे उनकी बातों से ऊब तो नहीं रहे और मनोज रूपड़ा ने ईमानदारी से कह दिया, आप मुद्दे पर बोलें तो ज्यादा अच्छा रहेगा। कुलपति महोदय ने इसे अपना अपमान समझा और यह कहते हुए कि वरिष्ठ कहानीकार में वॉइस चांसलर से बात करने का विवेक नहीं है, उन्हें फटकारते हुए हाल से बाहर निकलने का आदेश दे दिया। रूपड़ा उठकर बाहर चले गये, पर यह प्रकरण देशभर में चर्चा का विषय बना हुआ है। सब तरफ कुलपति के ह्यअसभ्यह्ण व्यवहार की आलोचना हो रही है। जिसने भी वायरल वीडियो पर यह प्रकरण देखा-सुना है, वह हैरान ही हो सकता है कि कुलपति जैसे ऊंचे आसन पर बैठा व्यक्ति इतना अनुचित व्यवहार कैसे कर सकता है! उम्मीद यह की जा रही थी कि कार्यक्रम के मेजबान कुलपति अपनी गलती का अहसास करते हुए क्षमा मांग लेंगे, या कम से कम अपने व्यवहार पर खेद तो व्यक्त करेंगे ही। पर घटना के पांच-छह दिन गुजर जाने और देशभर में उनके व्यवहार की हो रही भर्त्सना के बावजूद उन्होंने ऐसा कुछ नहीं किया है! इस दौरान साहित्य अकादमी ने एक अच्छा काम अवश्य किया हैझ अकादमी के अध्यक्ष माधव कौशिक ने इस घटना पर खेद व्यक्त करते हुए घोषणा की है कि संत घासीदास विश्वविद्यालय को आगे से अकादमी किसी भी प्रकार की आर्थिक सहायता नहीं देगी और न ही विश्वविद्यालय के साथ मिलकर कोई कार्यक्रम करेगी। यह एक स्वागत-योग्य निर्णय है। खासकर ऐसी स्थिति में जबकि कुछ ही दिन पहले केंद्र सरकार द्वारा अकादमी के पुरस्कारों की घोषणा रोकने पर अकादमी की चुप्पी की आलोचना हो रही थी, साहित्य अकादमी का यह निर्णय कुछ दिलासा देने वाला है। बहरहाल, इसमें कोई संदेह नहीं कि विवादों में घिरे कुलपति ने सिर्फ एक साहित्यकार का नहीं, पूरे साहित्य-जगत का अपमान किया है। अपमान तो उन्होंने कुलपति के पद और अपने विश्वविद्यालय का भी किया है। जिन शब्दों में, और जिस लहजे में, कुलपति महोदय ने एक साहित्यकार की भर्त्सना की थी, होना तो यह चाहिए था कि उससे वहां उपस्थित सारे साहित्यकार और बाकी श्रोता भी, स्वयं को अपमानित महसूस करते। कुछ लोग अवश्य तब उठकर हाल से बाहर चले गये थे, पर सवाल यह उठता है कि जो साहित्यकार नहीं गये, वे क्यों बैठे रहे? उन्हें क्यों नहीं लगा कि कुलपति महोदय ने एक रचनाकार का ही नहीं, सारे साहित्यकारों का अपमान किया है। आश्चर्य तो इस बात पर भी होना चाहिए कि घटना के बाद लोगों ने उस कार्यक्रम में बैठे रहना उचित समझा। बताया जा रहा है कि आयोजन में कई वरिष्ठ साहित्यकार भी उपस्थित थे। न उन्हें वहां बैठे रहना गलत लगा और न ही असभ्य व्यवहार करने वाले कुलपति के हाथों ह्यसम्मानितह्ण होना! यही नहीं, घटना के इतने दिनों बाद भी, वहां बैठे रहे साहित्यकारों का कोई बयान सामने न आना भी एक रहस्यमयी चुप्पी ही लगता है। शायद रहस्यमयी नहीं है यह चुप्पी।

दक्षिण में चुनावी बयार और भाषा की राजनीति

तमिलनाडु में इन दिनों दो फिल्में चर्चा का विषय हैं। एक है फिल्म अभिनेता से राजनेता बने विजय की जन नायकन और दूसरी शिवकार्तिकेयन की पराशक्ति। दक्षिण भारतीय फि ल्मों के सुपरस्टार विजय ने करीब डेढ़ साल पहले तमिषगा वेत्री कषगम (टीवीके) नाम से पार्टी बनाकर राजनीति में प्रवेश किया है। दूसरी तरफ पराशक्ति अपनी एंटी-हिंदी थीम के कारण चर्चित है। दोनों को फिल्म सेंसर बोर्ड की कुछ आपत्तियों का सामना करना पड़ा है। इस वजह से जन नायकन रिलीज नहीं हो पाई, जबकि पराशक्ति करीब बीस बदलाव करके रिलीज हो गई है। तमिल राजनीति में दोनों फिल्मों के गहरे निहितार्थ हैं। हालांकि, विजय पेरियार के रास्ते पर चलने का दावा करते हैं और राज्य की द्रविड़ पार्टियों की भाषा नीति के पक्षधर हैं, पर वे सत्तारूढ़ डीएमके के सामने चुनौती के रूप में उभर कर आना चाहते हैं। उनकी फिल्म की थीम जनता के बीच से उभर कर आए ऐसे ही नेता पर केंद्रित है। इसमें जनता के नायक की अवधारणा, विजय के किरदार के इर्द-गिर्द घूमती है। तमिलनाडु की राजनीति में सिनेमा के कलाकारों का बोलबाला पचास के दशक से ही शुरू हो गया था। वहां की कटआउट संस्कृति में आसमानी कद के राजनेता सिनेमा के पर्दे से आए। तमिलनाडु शायद अकेला ऐसा राज्य है, जहां लगातार पांच मुख्यमंत्री सिनेमा जगत से आए। केवल कलाकारों की बात ही नहीं है, वहां की फिल्मों की स्क्रिप्ट में द्रविड़ विचारधारा को डालने का काम भी किया। 1952 की फिल्म ह्यपराशक्तिह्ण ने द्रविड़ राजनीतिक संदेश जनता तक पहुंचाया था। इस फिल्म का स्क्रीनप्ले और संवाद के. करुणानिधि ने लिखे थे, जो बाद में राज्य के मुख्यमंत्री बने। उनके पहले सीएन अन्नादुरै ने भी कई फिल्मों की पटकथाएं लिखीं। जैमिनी गणेशन, एमजी रामचंद्र, जयललिता और अब विजय और कमलहासन परोक्ष या प्रत्यक्ष राजनीति में हस्तक्षेप कर रहे हैं। रजनीकांत ने भी कुछ समय पहले कदम बढ़ाए थे, जो बाद में खींच लिए। अब जो पराशक्ति रिलीज हुई है, वह 1952 वाली फिल्म का रीमेक नहीं है। इसके साथ कथित हिंदी-साम्राज्यवाद के विरोध का राजनीतिक संदेश जुड़ा है। पुरानी पराशक्ति जाति और सामाजिक न्याय से जुड़े मसलों पर केंद्रित थी, जबकि नई पराशक्ति साठ के दशक के हिंदी-विरोधी आंदोलन की पृष्ठभूमि पर आधारित है। जन नायकन जहां सिनेमा के सुपरस्टार विजय को राजनेता के रूप में स्थापित करना चाहती है, वहीं ह्यपराशक्तिह्ण साठ के दशक में चले हिंदी-विरोधी आंदोलन की उस आधारभूत राजनीति को उभारना चाहती है, जिसके सहारे द्रविड़ राजनीति ने राज्य से कांग्रेस को बाहर किया था। यह फिल्म अनायास ही नहीं बना ली गई है। इसकी थीम और रिलीज के समय को काफी गहराई से सोच-विचारकर तैयार किया गया है। अगले तीन-चार महीनों में पांच राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव होने वाले हैं। इनमें असम और बंगाल के मसले दक्षिण के तमिलनाडु, पुदुच्चेरी और केरल के मसलों से अलग हैं, जहां क्षेत्रीयता और भाषा की पृष्ठभूमि पिछले डेढ़-दो साल से तैयार की जा रही है। इसमें अब कर्नाटक को भी जोड़ सकते हैं, जहां हिंदी-विरोध की हवा कुछ देर से पहुंची है। इस सिलसिले में सोशल मीडिया पर बड़े रोचक संवाद पढ़ने को मिल रहे हैं। नई पराशक्ति को लेकर एक दर्शक ने सोशल मीडिया पर लिखा, मुझे यह फिल्म देखकर निराशा हुई, जिसमें एक उपराष्ट्रीयता को हथियार बनाकर राष्ट्रीय-एकता को निशाना बनाया गया है। इसके जवाब में फिल्म के एक समर्थक ने लिखा, हिंदी हमारे लिए विदेशी भाषा है। इसके जवाब में किसी ने लिखा, अंग्रेजी तो आपके घर में जन्मी है। एक और हैंडल में लिखा गया, कर्नाटक के लिए तेलुगु, तमिल, मलयालम विदेशी भाषाएं हैं। तेलुगु राज्यों के लिए कन्नड़, मलयालम, तमिल विदेशी भाषाएं हैं। तमिलनाडु के लिए तेलुगु, कन्नड़, मलयालम विदेशी भाषाएं हैं। पूरे दक्षिण को एक साथ क्लब करना बंद करो। कम से कम, तेलुगु राज्यों ने हिंदी का विरोध नहीं किया। हम हिंदी भी बोलते हैं। दक्षिण के ही एक यूजर ने लिखा, वे नहीं चाहते थे कि उनकी पहचान तमिल के रूप में हो। उन्होंने तमिलों को द्रविड़ियन कहा, जो बड़ी पहचान है, जिसमें तमिल, तेलुगु, कन्नडिगा और मलयाली शामिल हैं, ताकि वे इसमें फिट हो सकें। एक यूजर ने लिखा, उत्तर भारत वाले मुगलों और अंग्रेजों के हमलों का विरोध करते हैं, उसी तरह हम हिंदी के हमले का विरोध करते हैं। इस पर एक पाठक ने लिखा, हिंदी भारतीय भाषा है, क्या भारत के लोग अपने ही देश पर हमला करते हैं? भाषा और राष्ट्रीय एकता को लेकर देश के भीतर बहस हो, इससे अच्छी बात क्या हो सकती है, पर सोशल मीडिया की बहसें मॉडरेटेड नहीं होतीं।

पढ़ने की लौ एवं किताबों से नाता अटूट है

53वें भारत मंडपम में 10 से 18 जनवरी 2026 तक नौ दिनों के किताबों के जमावडे ने एक बात स्पष्ट कर दी है कि किताबों से नाता कभी नहीं टूट पायेगा। इस मेले में 35 से अधिक देशों के एक हजार से अधिक प्रकाशक भाग ले रहे हैं। यह भव्य विश्व पुस्तक मेला केवल पुस्तकों की खरीद-फरोख्त का आयोजन नहीं है, बल्कि यह उस जीवंत पुस्तक-संस्कृति का उत्सव है, जिसे अनेक लोग डिजिटल युग में कमजोर मानने लगे थे। एक-एक किलोमीटर लंबी कतारें, बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक की उत्सुक भागीदारी और पुस्तकों के प्रति बढ़ता आकर्षण इस धारणा को स्वस्थ करता है कि पुस्तकें जीवन का अभिन्न हिस्सा रही हैं और भविष्य में भी रहेंगी। इंटरनेट, सोशल मीडिया एवं अन्य इलेक्ट्रोनिक माध्यमों पर अपार पाठ्य सामग्री एवं साहित्य उपलब्ध होने के बावजूद पुस्तक मेलों में इतनी भीड़ क्यों आ रही है? छपी हुई पुस्तकें एवं शब्द केवल ज्ञान, जिज्ञासा और मनोरंजन की विशाल दुनिया के दरवाजे नहीं खोलते, वे हमें गंध, स्पर्श, संवेदना, सोच, अनुभूति की प्रेरक, अनुकरणीय एवं रोमांचक दुनिया में भी ले जाते हैं। इस वर्ष के पुस्तक मेले के दृश्य पुस्तक-संस्कृति के प्रति नई आशा, नया विश्वास और नया उत्साह पैदा करते हैं। यह मेला स्पष्ट संकेत देता है कि पढ़ने की प्रवृत्ति केवल जीवित ही नहीं है, बल्कि नए पंखों के साथ उड़ान भर रही है। पुस्तक मेला वस्तुतः एक विश्व उत्सव है-ऐसा उत्सव जो ज्ञान, विचार, कल्पना और संवाद को एक साझा मंच देता है। दुनिया भर में पुस्तकों के दायरे को पहचानने, उन्हें प्रोत्साहित करने और संस्कृतियों को जोड़ने के लिए यह आयोजन अतीत और भविष्य के बीच एक मजबूत कड़ी तथा पीढ़ियों और सभ्यताओं के बीच एक सेतु का कार्य करता है। यही कारण है कि यूनेस्को हर वर्ष पुस्तक उद्योग के तीन प्रमुख क्षेत्रों-प्रकाशक, पुस्तक विक्रेता और पुस्तकालयों के अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ मिलकर विश्व पुस्तक राजधानी का चयन करता है, ताकि पुस्तक-संस्कृति की प्रेरणा पूरे वर्ष बनी रहे। यह पहल इस बात का प्रमाण है कि पुस्तकें केवल ज्ञान का माध्यम नहीं, बल्कि वैश्विक संवाद और मानवीय एकता का भी आधार हैं। किताबें अपने सभी रूपों में-मुद्रित, ई-बुक, ऑडियो हमें सीखने, सोचने और स्वयं को सशक्त बनाने का अवसर देती हैं। वे हमारा मनोरंजन करती हैं, हमें दुनिया को समझने में मदद करती हैं और दूसरों की दुनिया में झांकने का अवसर देती हैं। इस साल का मेला ह्यभारतीय सैन्य इतिहासः वीरता और ज्ञान/75ह्ण थीम पर आधारित है, जो भारत की रक्षा बलों के महत्वपूर्ण पलों, योगदानों और कहानियों पर ध्यान केंद्रित करता है। ह्यथीम मंडप 2026ह्ण दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण बना हुआ है। यह मंडप भारत की सैन्य विरासत के 75 वर्षों की ऐतिहासिक और निर्णायक यात्रा को दिखा रहा है, जिसकी जड़ें शौर्य, प्रज्ञा और नैतिक मूल्यों में निहित हैं. इसमें कथाओं, दृश्यात्मक प्रस्तुतियों और संवाद के माध्यम से 1947 से लेकर ऑपरेशन सिंदूर 2025 तक भारत की सैन्य यात्रा को रेखांकित करता है। दिल्ली का विश्व पुस्तक मेला वैश्विक साहित्यिक परिदृश्य में एक प्रतीकात्मक उत्सव बन चुका है। इस मेले में विश्वप्रसिद्ध लेखकों का आगमन होता है, साहित्यिक संवाद, विमर्श और चर्चाएं होती हैं। विलियम शेक्सपियर, मिगुएल डे सर्वेंट्स जैसे विश्व साहित्य के स्तंभों से लेकर भारतीय भाषाओं के महान साहित्यकारों तक की रचनाएं यहाँ पाठकों को एक साथ उपलब्ध होती हैं। यह मेला भारतीय साहित्य को वैश्विक मंच देता है और साथ ही विश्व साहित्य को भारतीय पाठकों से जोड़ता है। पुस्तकों को ह्यज्ञान का बागह्ण कहा गया है। जो व्यक्ति पुस्तकों से सच्ची दोस्ती कर लेता है, उसे जीवन भर ज्ञान का संबल मिलता है। कठिन समय में पुस्तकें मित्र की तरह साथ देती हैं, मार्गदर्शन करती हैं और समाधान की दिशा दिखाती हैं। पुस्तक का महत्व सार्वभौमिक, सार्वकालिक और सार्वदेशिक है। किसी भी युग में, किसी भी तकनीकी आंधी में उसका महत्व कम नहीं हो सकता। इंटरनेट, सोशल मीडिया और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी अनेक क्रांतियां आई हैं और आगे भी आएंगी, लेकिन पुस्तक-संस्कृति अपनी उपयोगिता और प्रासंगिकता बनाए रखेगी। कारण स्पष्ट है-पुस्तकें केवल सूचना नहीं देतीं, वे चिंतन, मनन और विवेक का विकास करती हैं। तकनीक ने ज्ञान के क्षेत्र में क्रांति अवश्य की है, लेकिन यह हर समय संभव नहीं कि किताबों के स्थान पर केवल स्क्रीन से पढ़ा जाए। पुस्तक का स्पर्श, उसकी सुगंध, पन्नों को पलटने का अनुभव और पढ़ते हुए होने वाला एकांत संवाद-ये सभी तत्व पुस्तक को विशिष्ट बनाते हैं। पुस्तकें मानसिक रूप से मजबूत बनाती हैं, सोचने-समझने का दायरा बढ़ाती हैं और व्यक्ति को आत्मअनुशासन सिखाती हैं। पुस्तकें जाग्रत देवता के समान हैं। उनका अध्ययन, मनन और चिंतन तत्काल लाभ देता है। महात्मा गांधी के जीवन पर गीता, टॉल्स्टॉय और थोरो के विचारों का गहरा प्रभाव था। इसी तरह, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वैचारिक निर्माण और वैश्विक छवि के निर्माण में पुस्तकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। वे स्वयं एक सजग पाठक रहे हैं और पुस्तक-संस्कृति को जीवंत करने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं।

ग्रीनलैंड पर जो देश बीच में आयेगा उस पर टैरिफ ठोंकेगे

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर वैश्विक राजनीति में उथल पुथल मचा दी है। इस बार विवाद का केंद्र बना है ग्रीनलैंड। ट्रंप ने संकेत दिया है कि दुनिया के जो देश ग्रीनलैंड को लेकर अमेरिका की रणनीति का समर्थन नहीं करेंगे, उन पर अमेरिका भारी टैरिफ लगा सकता है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब आर्कटिक क्षेत्र में रूस और चीन की सक्रियता तेजी से बढ़ रही है और अमेरिका वहां अपनी पकड़ मजबूत करना चाहता है। डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि ग्रीनलैंड अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है। उनका तर्क है कि आर्कटिक क्षेत्र भविष्य की सामरिक प्रतिस्पर्धा का केंद्र बनने जा रहा है और ग्रीनलैंड इस पूरे क्षेत्र की चाबी है। उन्होंने साफ संकेत दिया कि जो देश इस अमेरिकी सोच के साथ नहीं आएंगे, उन्हें आर्थिक कीमत चुकानी पड़ सकती है। हम आपको बता दें कि ग्रीनलैंड डेनमार्क का स्वायत्त क्षेत्र है और डेनमार्क सरकार ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि ग्रीनलैंड न तो बिकाऊ है और न ही किसी दबाव में सौंपा जा सकता है। ग्रीनलैंड के स्थानीय प्रशासन ने भी अमेरिका की इस सोच को खारिज करते हुए कहा है कि वहां के लोग अपने भविष्य का फैसला खुद करेंगे। वहीं यूरोप के कई देशों ने डेनमार्क के समर्थन में बयान दिए हैं और इसे अंतरराष्ट्रीय नियमों और संप्रभुता के खिलाफ बताया है। साथ ही ट्रंप की टैरिफ धमकी को कई देशों ने आर्थिक जबरदस्ती करार दिया है। ट्रंप के ताजा बयान के बाद ट्रांस अटलांटिक रिश्तों में तनाव साफ दिखाई देने लगा है और नाटो के भीतर भी असहजता बढ़ती नजर आ रही है। देखा जाये तो डोनाल्ड ट्रंप का ग्रीनलैंड को लेकर दिया गया बयान एक ऐसी राजनीति को उजागर करता है जिसमें कूटनीति नहीं बल्कि धमकी हथियार बन चुकी है। ग्रीनलैंड क्यों अहम है यदि इसकी बात करें तो आपको बता दें कि यह कोई साधारण बर्फीला द्वीप नहीं है। यह आर्कटिक क्षेत्र में स्थित एक ऐसा भूभाग है जहां से उत्तरी अटलांटिक पर नजर रखी जा सकती है। यहां दुर्लभ खनिज संसाधन हैं। यहां से मिसाइल चेतावनी प्रणाली, नौसैनिक गतिविधियां और वायु मार्ग नियंत्रित किए जा सकते हैं। यही वजह है कि अमेरिका इसे केवल आर्थिक नहीं बल्कि सैन्य नजरिये से भी देखता है। लेकिन सवाल यह नहीं है कि ग्रीनलैंड कितना महत्वपूर्ण है। असली सवाल यह है कि क्या किसी देश को यह अधिकार है कि वह अपनी सामरिक जरूरतों के नाम पर दूसरे देशों पर आर्थिक दबाव बनाए। ट्रंप का बयान इसी सोच की खतरनाक मिसाल है। देखा जाये तो टैरिफ अब अमेरिका का सबसे बड़ा हथियार बन चुका है। टैरिफ का इस्तेमाल कभी व्यापार संतुलन के लिए होता था। आज यह राजनीतिक और सामरिक दबाव का औजार बन गया है। ट्रंप की धमकी बताती है कि अमेरिका अब खुले तौर पर कह रहा है या तो हमारे साथ खड़े हो जाओ या आर्थिक सजा भुगतो। यह नीति न केवल वैश्विक व्यापार को नुकसान पहुंचाती है बल्कि छोटे और मध्यम देशों को डर के साए में जीने पर मजबूर करती है। आज ग्रीनलैंड है। कल कोई और मुद्दा होगा। यह रवैया पूरी दुनिया को अस्थिरता की ओर धकेल सकता है। दूसरी ओर, नाटो की नींव सामूहिक सुरक्षा और आपसी भरोसे पर टिकी है। लेकिन जब नाटो का सबसे शक्तिशाली सदस्य ही दूसरे सदस्य देश पर दबाव डालने लगे, तो यह गठबंधन कैसे टिकेगा। डेनमार्क नाटो का सदस्य है। ग्रीनलैंड उसका हिस्सा है। अगर अमेरिका उसी देश को धमकी दे रहा है, तो यह नाटो पर सीधा हमला है। यह संदेश जा रहा है कि गठबंधन तभी तक मान्य है जब तक वह अमेरिकी हितों के अनुकूल है। इस बीच, यूरोप के कई देशों के भीतर अब यह सवाल उठने लगा है कि क्या अमेरिका सच में भरोसेमंद सुरक्षा साझेदार है या नहीं। यह वही दरार है जो नाटो को अंदर से खोखला कर सकती है। इसमें कोई दो राय नहीं कि अगर अमेरिका ग्रीनलैंड को लेकर आक्रामक रुख अपनाता है, तो इसके दूरगामी सामरिक परिणाम होंगे। रूस और चीन को यह कहने का मौका मिलेगा कि पश्चिमी देश दोहरे मानदंड अपनाते हैं। ऐसे में यूरोप अपने स्वतंत्र रक्षा ढांचे की ओर और तेजी से बढ़ सकता है। इससे नए सैन्य और आर्थिक गुट बन सकते हैं। इसका मतलब यह भी है कि दुनिया एक बार फिर गुटों में बंटने की ओर बढ़ेगी। शीत युद्ध जैसी स्थिति लौट सकती है लेकिन इस बार आर्थिक हथियार ज्यादा खतरनाक होंगे।

जनेश्वर मिश्र पार्क में काउंटर कम, सड़क हो रही जाम

लखनऊ : गोमतीनगर विस्तार स्थित जनेश्वर मिश्र पार्क में काउंटर होने से सामने की सड़क जाम हो रही है। टिकट काउंटर की कतार सड़क तक पहुंच जाती है जिससे ट्रैफिक बाधित होता है। ऐसा एक पत्र गोमतीनगर विस्तार पुलिस ने लखनऊ विकास प्राधिकरण (छऊअ) को लिखा है। इसमें प्राधिकरण से गुजारिश की गई है कि पार्क के अंदर काउंटर बढ़वा लें जिससे जाम की समस्या से निजात मिल सके। पुलिस के अनुसार, अवकाश के दिनों, वीकेंड और बड़े त्योहारों पर जनेश्वर मिश्र पार्क में भारी संख्या में लोग पहुंचते हैं। पहले भी कई बार अत्यधिक भीड़ के कारण पार्क के बाहर और आसपास की सड़कों पर लंबा जाम लग चुका है। इन मौकों पर यातायात पूरी तरह बाधित हुआ और पुलिस को स्थिति संभालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। कम काउंटर होने से सड़क तक लग रही कतार पत्र में यह भी कहा गया है कि पहले भी प्रवेश द्वारों पर अचानक भीड़ बढ़ने से अफरा-तफरी और धक्का-मुक्की की स्थिति बन चुकी है। अब तक कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ, लेकिन मौजूदा व्यवस्थाएं बनी रहीं तो भविष्य में किसी अप्रिय घटना से इनकार नहीं किया जा सकता। पुलिस ने बताया कि टिकट काउंटर पार्क के बाहर सड़क पर होने और उनकी संख्या कम होने से लोग सड़क तक कतार में खड़े हो जाते हैं, जिससे जाम लगता है।

रोज तोरई की सब्जी खाने से शरीर में होते हैं ये सकारात्मक बदलाव, जान लें इसके फायदे

तोरई एक ऐसी सब्जी है, जो गर्मी और मानसून में आसानी से बाजार में उपलब्ध हो जाता है। इसको डाइट में शामिल करने के कई स्वास्थ्य लाभ हैं। अगर आप भी तोरई खाना पसंद करते हैं तो आपको ये लेख जरूर पढ़ना चाहिए। भारतीय रसोई में तोरई, जिसे कई जगहों पर तुरई, झींगा, या नेनुआ भी कहा जाता है, एक सामान्य लेकिन बेहद गुणकारी हरी सब्जी है। अक्सर लोग इसे साधारण सब्जी मानकर इसकी पौष्टिक खूबियों को नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन यह वास्तव में पोषक तत्वों का भंडार है। यह कम कैलोरी वाली सब्जी हमारे स्वास्थ्य के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। तोरई एक मौसमी सब्जी है जो मुख्य रूप से गर्मियों और मानसून में मिलती है। तोरई में फाइबर, विटामिन अ, उ, इ6, पोटैशियम, मैग्नीशियम और शक्तिशाली एंटीऑक्सिडेंट्स भरपूर मात्रा में होते हैं। यह न केवल आपके पाचन तंत्र को मजबूत करती है, बल्कि हृदय स्वास्थ्य को बेहतर बनाने और डायबिटीज को नियंत्रित करने में भी अहम भूमिका निभाती है। रोजाना अपनी डाइट में तोरई को शामिल करने से आपके शरीर में कई सकारात्मक बदलाव देखे जा सकते हैं। आइए इस चमत्कारी सब्जी के प्रमुख स्वास्थ्य लाभों के बारे में विस्तार से जानते हैं।

पाचन के लिए लाभकारी

तोरई में अधिक मात्रा में फाइबर और पानी होता है, जो पाचन तंत्र को स्वस्थ रखता है। यह कब्ज, अपच, और गैस जैसी समस्याओं को दूर करता है। तोरई वजन घटाने में भी बहुत लाभकारी होता है, क्योंकि इसमें कम कैलोरी और हाई फाइबर होता है।

वजन नियंत्रण

रोजाना तोरई की सब्जी खाने से पेट लंबे समय तक भरा रहता है, जिससे अधिक खाने की इच्छा कम होती है। यह मेटाबॉलिज्म को बढ़ाता है और शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करता है। सलाद, करी, या सूप के रूप में इसका सेवन पाचन को बेहतर बनाता है।

डायबिटीज और हृदय स्वास्थ्य

तोरई डायबिटीज के मरीजों के लिए फायदेमंद है, क्योंकि इसमें इंसुलिन जैसे पेप्टाइड्स होते हैं, जो ब्लड शुगर और यूरिन में ग्लूकोज के लेवल को कम करते हैं। इसके एंटीऑक्सिडेंट्स और पोटैशियम कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करते हैं और ब्लडप्रेशर को संतुलित रखते हैं, जिससे हृदय रोग का जोखिम कम होता है। तोरई में मौजूद विटामिन उ और मैग्नीशियम हृदय की कार्यक्षमता को बढ़ाते हैं।

त्वचा और इम्यूनिटी में सुधार

तोरई में मौजूद विटामिन उ और एंटीऑक्सिडेंट्स त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बनाने में मदद करते हैं। इसके अलावा, विटामिन उ इम्यून सिस्टम को मजबूत करता है, जिससे सर्दी-जुखाम और संक्रमण से बचाव होता है। मानसून में तोरई की सब्जी खाने से नमी से होने वाली बीमारियों से सुरक्षा मिलती है।

सोते समय दिखें ये 6 लक्षण तो हो जाएं सतर्क, किडनी पूरी तरह दे गई जवाब

हम अक्सर सोचते हैं कि रात को सोना सिर्फ आराम के लिए होता है, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि आपकी नींद ही आपके स्वास्थ्य की गंभीर चेतावनी बन सकती है? अगर आपकी किडनी ठीक से काम नहीं कर रही है, तो इसके शुरूआती संकेत आपको

सोते समय दिख सकते हैं। आइए जानते हैं वो 6 खास लक्षण, जिनसे समझा जा सकता है कि किडनी खतरे में है और तुरंत डॉक्टर से संपर्क जरूरी है।

रात में बार-बार पेशाब आना

अगर आपको रात को बार-बार उठकर पेशाब जाना पड़ता है, खासकर हर दो-तीन घंटे में, तो ये किडनी की गड़बड़ी का पहला संकेत हो सकता है। इसका मतलब है कि आपकी किडनी रक्त को फिल्टर करने की अपनी क्षमता खो रही है।

पैरों और टखनों में सूजन

सुबह उठने के बाद अगर आपके पैर या टखने सूजे हुए दिखें, तो ये चेतावनी है। जब किडनी शरीर से अतिरिक्त पानी और नमक नहीं निकाल पाती, तो वह पैरों में इकट्ठा होकर सूजन का कारण बनता है।

रात को बेचैनी या नींद पूरी न होना

अगर आपको रात भर चौन से नींद नहीं आती, करवटें बदलनी पड़ती हैं या कोई अजीब सी घबराहट महसूस होती है, तो ये संकेत हो सकता है कि आपकी किडनी से जुड़ी नसों में कोई परेशानी है।

सांस फूलना या सीने में जकड़न

लेटते समय अगर आपको सांस लेने में परेशानी होती है या सीने में भारीपन महसूस होता है, तो इसे नजरअंदाज न करें। ये लक्षण शरीर में जमा अतिरिक्त तरल के कारण हो सकते हैं, जो फेफड़ों में भी पहुंच सकता है।

मांसपेशियों में ऐंठन या झटके

सोते समय पैरों या शरीर में मांसपेशियों का अकड़ना, ऐंठन या अचानक झटका महसूस होना कैल्शियम और इलेक्ट्रोलाइट्स के असंतुलन का संकेत हो सकता है, जो किडनी फेल होने की वजह से होता है।

थकान और सिर में भारीपन

अगर नींद के बावजूद सुबह उठते ही थकावट महसूस हो, सिर भारी लगे और दिनभर ऊर्जा की कमी बनी रहे, तो ये आपकी किडनी द्वारा शरीर से विषैले तत्वों को न निकाल पाने का संकेत हो सकता है।

क्या करें?

अगर आपको इनमें से कोई भी लक्षण लगातार दिख रहे हैं, तो इसे हल्के में न लें। तुरंत किसी अच्छे डॉक्टर से मिलें और जरूरी जांच करवाएं। किडनी की समस्या शुरूआत में ही पकड़ में आ जाए, तो इलाज संभव है और गंभीर बीमारी से बचा जा सकता है।

फेस सीरम के फायदे ही नहीं, कुछ नुकसान भी हैं; जानें इस्तेमाल का सही तरीका

फेस सीरम ऐसा स्किन केयर प्रोडक्ट है जो त्वचा को गहराई तक पोषण और नमी प्रदान करना है। फेस सीरम त्वचा की कई परेशानियों को आसानी से खत्म कर देता है। इसके नियमित उपयोग से त्वचा का टेक्सचर बेहतर होता है, जिससे यह मुलायम और स्वस्थ दिखाई देती है। आजकल फेस सीरम स्किनकेयर का अहम हिस्सा बन गया है। चाहे त्वचा में निखार पाना हो या फिर एंटी एजिंग ट्रीटमेंट चाहिए हो, हर कोई फेस सीरम का इस्तेमाल कर रहा है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि जहां फेस सीरम के कई फायदे हैं, वहीं गलत तरीके से इस्तेमाल करने पर यह आपकी त्वचा को नुकसान भी पहुंचा सकता है? आइए जानते हैं फेस सीरम के फायदे, नुकसान और सही इस्तेमाल का तरीका।

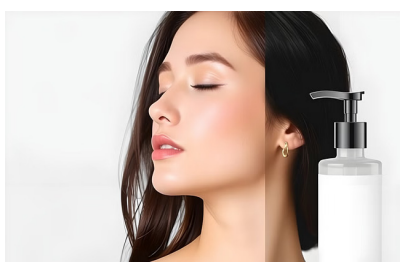

फेस सीरम के फायदे

फेस सीरम त्वचा को गहराई से पोषण देता है। सीरम में मौजूद विटामिन उ, हायल्यूरोनिक एसिड और रेटिनॉल स्किन को गहराई से हाइड्रेट करते हैं।

इसमें एंटी-एजिंग के गुण होते हैं। ये चेहरे की झुर्रियों और महीन रेखाओं को कम करने में मदद करता है।

फेस सीरम का इस्तेमाल स्किन टोन को बैलेंस करता है। दाग-धब्बे, मुहांसे और दाने व टैनिंग को कम करता है। यह त्वचा स्मूद और ग्लोइंग बनाता है। फेस सीरम के रोजाना इस्तेमाल से स्किन का टेक्सचर बेहतर होता है।

फेस सीरम से होने वाले नुकसान

इससे एलर्जी और जलन हो सकती है। संवेदनशील त्वचा पर रेटिनॉल या एसिड बेस्ड सीरम जलन और रैशेज पैदा कर सकता है।

ओवर-एक्सफोलिएशन की समस्या भी हो सकती है। फेस सीरम के बार-बार इस्तेमाल से त्वचा की प्राकृतिक नमी खत्म हो सकती है।

कुछ सीरम, जैसे विटामिन उ और रेटिनॉल, सूरज की रोशनी में स्किन को ज्यादा संवेदनशील बना सकते हैं।

फेस सीरम से एक्ने की समस्या हो सकती है। गलत सीरम चुनने से पोर्स क्लॉग हो सकते हैं और मुंहासे बढ़ सकते हैं।

सीरम का सही इस्तेमाल कैसे करें?

फेस सीरम से मिलने वाले संपूर्ण फायदे लेने और नुकसान से बचने के लिए इसका सही तरीके से उपयोग करें। इसके लिए सबसे पहले चेहरे को अच्छे से साफ कर लें। फिर कुछ बूंदें सीरम की हथेली पर लेकर हल्के हाथों से चेहरे पर लगाएं। इसके ऊपर मॉइस्चराइजर और सनस्क्रीन जरूर लगाएं। सुबह और रात दिन में दो बार इस्तेमाल करें।

अगर आज से ही शुरू कर दिए ये काम तो 40 की उम्र के बाद भी दिखेंगी 20 की

अगर आपके भी चेहरे की रंगत खोती जा रही है तो हमारा बताया स्किन रुटीन फॉलो करना शुरू कर दें। खूबसूरत दिखने के लिए स्किन का खूबसूरत होना सबसे जरूरी है। इसके लिए सही स्किन केयर रुटीन फॉलो करना चाहिए। अगर आप सही स्किन केयर रुटीन फॉलो करेंगे तो बढ़ती उम्र में भी आपका चेहरा खिला-खिला रहेगा। खासतौर पर लगातार बढ़ती जा रही है तो शरीर में तमाम बदलाव आते हैं। इन बदलावों की वजह से स्किन अपने आप ही डल होने लगती है। अगर आपकी त्वचा की रंगत भी अपने आप खोती जा रही है तो महंगे स्किन केयर प्रोडक्ट इस्तेमाल करने की जगह सही स्किन केयर रुटीन फॉलो करना शुरू कर दें। यहां हम आपको इसी बारे में जानकारी देंगे, ताकि बढ़ती उम्र में भी आप लगें जवां-जवां.....

सीटीएम फॉलो करें

सीटीएम रूल फॉलो अवश्य करें। इसके सी का मतलब क्लींजिंग, टी का मतलब टोनिंग और एम का मतलब मॉइश्चराइजिंग है। दिन में दो बार सीटीएम रूल फॉलो करें, ताकि आपके चेहरे पर थोड़ी सी गंदगी भी न जमें। इस रूल से आपके चेहरे की डीप क्लीनिंग होगी और चेहरा चमकेगा

सही फेस सीरम इस्तेमाल करें

अगर आप अपने चेहरे हमेशा चमकाना चाहते हैं तो बढ़ती उम्र के साथ सही फेस सीरम इस्तेमाल करें। इस समय विटामिन सी और विटामिन ई के तत्वों वाला सीरम आपकी त्वचा को काफी लाभ पहुंचाएगा। ये दोनों ही सीरम स्किन को रिपेयर करते हैं, चेहरे के ग्लो बढ़ाते हैं और झुर्रियों को कम करते हैं। इसे हर रोज सोने से पहले फेस क्लीन करके लगाएं।

सनस्क्रीन को बनाएं दोस्त

बढ़ती उम्र में सनस्क्रीन को अपना दोस्त बना लें। कम से कम 50 एसपीएफ वाली सनस्क्रीन को चेहरे से लेकर हाथ और पैर पर अप्लाई करें। भले ही आप हमेशा फुल कपड़े कैरी करते हों, लेकिन फिर भी हर दो से तीन घंटे में सनस्क्रीन चेहरे पर अप्लाई करें। ये सूरज की हानिकारक किरणों से आपको बचाकर रखेगी।

घरेलू उपाय आजमाएं

हफ्ते में कम से दम दो बार घरेलू नुस्खे आजमाएं। इसकी वजह से आपका चेहरा खिला-खिला दिखेगा। जैसे कि आप हफ्ते में 2 बार हल्दी, दही और बेसन का फेसपैक का इस्तेमाल कर सकते हैं। घरेलू नुस्खे स्किन को नेचुरल ब्राइटनिंग देते हैं और चेहरे पर निखार बरकरार रखते हैं।

कोलेजन लेवल बढ़ाने वाले प्रोडक्ट खरीदें

बाजार में कई ऐसे प्रोडक्ट आते हैं, जिनके इस्तेमाल से कोलेजन बढ़ता है। 40 की उम्र के बाद ऐसे ही उत्पादों का इस्तेमाल करें। जब त्वचा में कोलेजन की मात्रा बढ़ती है तो स्किन अपने आप ही जवां दिखने लगती है।

सुबह के इन पांच आसनों से हटाएं आलस और बढ़ाएं ताकत

क्या सुबह सोकर उठने के बाद भी आपको नींद आती रहती है? शरीर थका हुआ और आंखों में भारीपन महसूस होता है? नींद पूरी करने के बाद भी आलस और सुस्ती महसूस होती है? अगर हां तो आपकी ऊर्जा का स्तर कम है। आप शरीर की एनर्जी को बढ़ाकर सुस्ती, थकान और दिनभर आने वाली नींद को काबू में कर सकते हैं। इसके लिए अच्छे खानपान के साथ ही योग एक प्राकृतिक उपचार है। सुबह उठने के बाद कुछ योगासनों का अभ्यास करने से आपके ब्लड सकुर्लेशन बेहतर होता है। सांसों और मसल्स एक्टिवेशन को बढ़ावा मिलात है और शरीर में प्राकृतिक ऊर्जा आती है। अगर सुबह-सुबह आपको नींद, सुस्ती या लो एनर्जी महसूस होती है तो जरूरत है कुछ ऐसे योगासनों की जो न सिर्फ आपके शरीर को जगाएं, बल्कि आपके दिमाग को भी ताजगी और फोकस दें। यहां जानिए पांच आसान लेकिन असरदार ऊर्जा बढ़ाने वाले योगासनों के बारे में, जो हर उम्र के लोग कर सकते हैं।

सूर्य नमस्कार

अगर आपको दिनभर सुस्ती महसूस होती है। शरीर भारीपन लगता है, कुछ करने का मन न होता या थकान महसूस होती हो तो आपको रोज सुबह सूर्य नमस्कार से अपने दिन की शुरूआत करनी चाहिए। ऊर्जा के स्तर को बढ़ाने और शरीर की थकान को दूर करने के लिए आप सूर्य नमस्कार कर सकते हैं। सूर्य नमस्कार शरीर में ऊर्जा का प्रवाह बढ़ाता है। इससे शरीर में लचीलापन आता है, पाचन में सुधार होता है और तनाव कम होता है।

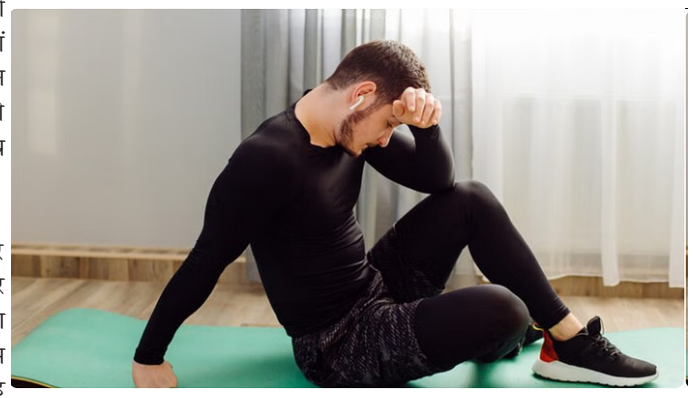

वज्रासन में ध्यान

इस आसन में बैठकर ध्यान लगाने से मन शांत होता है और ऊर्जा का संतुलन बना रहता है। वज्रास के अभ्यास के लिए घुटनों को मोड़कर पैरों के बल बैठ जाएं। इस दौरान रीढ़ को सीधा रखें और हाथ घुटनों पर रखें। इस मुद्रा में कम से कम 5-10 मिनट तक बैठें और ध्यान लगाएं।

भुजंगासन

भुजंगासन पीठ की ताकत बढ़ाकर थकान को कम करता है। यह पाचन अंगों को उत्तेजित करता है और पाचन रस के स्त्राव को बढ़ाता है जिससे पाचन में सुधार और कब्ज से राहत मिलती है। यह गैस और अपच की समस्या को दूर करता है। पेट की मांसपेशियों को मजबूत करता है। इस योग से शरीर में ऊर्जा का स्तर बढ़ता है।

उत्तानासन

यह आसन रीढ़ को रिलैक्स करता है और ब्लड फ्लो बढ़ाता है। इसके अभ्यास के लिए सीधे खड़े होकर धीरे-धीरे अपने कूल्हों से आगे की ओर झुकें। अपने हाथों से फर्श को छूएं। सिर को आराम देते हुए गहरी सांस लें। इस मुद्रा को 20-30 सेकंड तक बनाए रखें।

त्रिकोणासन

यह आसन साइड मसल्स को एक्टिव करता है और थकावट दूर करता है। त्रिकोणासन के अभ्यास से शरीर संतुलित रहता है। ये आसन साइड फैट, कमर और पेट के आसपास की चर्बी को कम करता है। त्रिकोणासन के अभ्यास के लिए सीधे खड़े होकर दाहिने पैर को 90 डिग्री बाहर की ओर और बाएं पैर को थोड़ा अंदर की ओर मोड़ें। अपने हाथों को कंधे के स्तर तक फैलाएं और श्वास लेते हुए दाहिनी ओर झुकें। दाहिने हाथ से दाहिने पैर को छूने की कोशिश करें और बाएं हाथ को ऊपर की ओर उठाएं।

बदलते मौसम में बच्चों को बीमारियों से कैसे बचाएं? इम्युनिटी बढ़ाने के लिए ये फूड्स जरूर दें

बच्चों का इम्यून सिस्टम यानी प्रतिरोधक क्षमता उन्हें बीमारियों से लड़ने में मदद करता है। मजबूत इम्यून सिस्टम होने पर बच्चे मौसम के बदलाव, सर्दी-जुकाम या पेट दर्द जैसी छोटी-मोटी बीमारियों से बखूबी निपट सकते हैं। बदलते मौसम, धूल-मिट्टी और बाहर का खाना बच्चों की सेहत पर बुरा असर डालते हैं। खासकर बरसात के मौसम में बच्चे बार-बार बीमार पड़ते हैं। ऐसे में जरूरी है कि उनका खान-पान और जीवनशैली ऐसी हो जो उनके इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाए रखे।

दहीः प्रोबायोटिक्स से भरपूर, यह बच्चों के पेट को स्वस्थ रखता है। दही में अच्छे बैक्टीरिया होते हैं, जो पाचन सुधारते हैं और इम्यूनिटी मजबूत करते हैं। गर्मियों में ठंडा दही, फलों के साथ स्मूदी या लस्सी रूप में देना बच्चों को बहुत भाता है।

हल्दी वाला दूधः हल्दी में करक्यूमिन नामक एंटीऑक्सीडेंट होता है, जो सूजन और बैक्टीरिया से लड़ने में मदद करता है। सोने से पहले एक गिलास हल्दी वाला दूध बच्चों को अच्छी नींद दिलाता है और उनसे खांसी या गले की खराश दूर करता है।

बादाम और अखरोटः विटामिन ई, हेल्दी फैट और जिंक से भरपूर, ये ड्राई फ्रूट्स बच्चों के दिमाग और इम्यून सिस्टम दोनों के लिए फायदेमंद होते हैं। आप इन्हें पीसकर दूध में मिलाएं या हल्के भुने स्नैक के रूप में दें।

मौसमी फलः संतरा, कीवी, पपीता, अमरुद जैसे फलों में विटामिन सी की भरपूर मात्रा होती है। यह फल एंटीऑक्सीडेंट्स से भी भरे हैं, जो संक्रमण से लड़ने में मदद करते हैं।

सब्जियांः पालक, गाजर, शकरकंद, टमाटर जैसी रंग-बिरंगी सब्जियां विटामिन ए, आयरन और फाइबर से भरपूर होती हैं। ये बच्चों की अंदरूनी सफाई के साथ-साथ एनर्जी भी देती हैं। इन्हें पराठे, सूप या कटलेट के रूप में बनाकर खिलाएं। अंडा और दालेंः अंडे उच्च गुणवत्ता वाले प्रोटीन और विटामिन बी12 का स्रोत हैं। दालों में भी प्रोटीन और आयरन होता है, जो कोशिकाओं को मजबूत बनाते हैं। ये दोनों ग्रोथ और इम्यूनिटी दोनों के लिए जरूरी हैं। शहद (1 साल से ऊपर के लिए) शहद में प्राकृतिक एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं। गुनगुने पानी या दूध में मिलाकर देने से यह खांसी और गले की खराश में राहत दिलाता है। ध्यान रहे, 1 साल से छोटे बच्चों को शहद न दें। बच्चे को रोज पूरी नींद दें। सुबह-शाम हल्की धूप में थोड़ी देर खेलना जरूरी है विटामिन डी के लिए। साफ-सफाई का ध्यान रखें हाथ धुलें, पत्ते व फलों को अच्छे से धोएं। बच्चों की इम्यूनिटी मजबूत करने के लिए केवल अच्छा खान-पान ही नहीं, बल्कि उनके जीवनशैली पर भी ध्यान देना जरूरी है। इन आसान उपायों को अपनाकर हम अपने बच्चों की सेहत को मजबूती और खुशबू दे सकते हैं। इससे वे रोगों से दूर रहेंगे और खूब खिलखिलाते, हंसते रहेंगे।

लखनऊ जंक्शन की 18 ट्रेनों का रूट बदला

लखनऊः जंक्शन पर स्टेशन पुनर्विकास योजना के तहत कॉनकोर्स निर्माण का काम तेजी से चल रहा है। इसी वजह से रेलवे ने 19 जनवरी से 22 फरवरी तक ट्रैफिक ब्लॉक की अवधि बढ़ा दी है। इसका असर आगरा फोर्ट समेत कुल 18 ट्रेनों के संचालन पर पड़ेगा। यात्रियों को इस दौरान बदले हुए स्टेशनों और समय को ध्यान में रखकर यात्रा करनी होगी। आगरा फोर्ट इंटरसिटी का बदला टर्मिनल पूर्वोत्तर रेलवे के अधिकारियों कि माने तो, 19 जनवरी से 22 फरवरी तक 12180 आगरा फोर्टझलखनऊ जंक्शन इंटरसिटी एक्सप्रेस अब ऐशबाग स्टेशन तक ही संचालित होगी। वापसी में 12179 लखनऊ जंक्शनझ आगरा फोर्ट इंटरसिटी एक्सप्रेस ऐशबाग स्टेशन से दोपहर 3:55 बजे रवाना होगी। 14 फरवरी तक 20921 बांद्रा टर्मिनसझलखनऊ एक्सप्रेस ऐशबाग स्टेशन तक ही आएगी। वहीं, 15 फरवरी तक 20922 लखनऊ जंक्शनझबांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस लखनऊ जंक्शन के बजाय ऐशबाग से शाम 5:50 बजे चलेगी। पुणे एक्सप्रेस गोमतीनगर से चलेगी 17 फरवरी तक 12103 पुणेझलखनऊ जंक्शन एक्सप्रेस और 18 फरवरी तक 12104 लखनऊ जंक्शनझपुणे एक्सप्रेस का संचालन गोमतीनगर स्टेशन से किया जाएगा।

जिस मैदान पर सपना देखा, उसी वानखेड़े में अब अमेरिका की जर्सी में खेलेंगे नेत्रवलकर

नई दिल्ली। मुंबई में जन्मे अमेरिकी तेज गेंदबाज सौरभ नेत्रवलकर भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप में वानखेड़े स्टेडियम में खेलकर अपने क्रिकेट सफर का भावुक फुल सर्कल मोमेंट जीने को तैयार हैं। क्रिकेट छोड़कर अमेरिका में पढ़ाई और नौकरी करने के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी कर उन्होंने इसे अपनी जिंदगी की दूसरी पारी बताया है। मुंबई में जन्मे अमेरिका के तेज गेंदबाज सौरभ नेत्रवलकर उस भावनात्मक पल के लिए तैयार हैं, जब वह सात फरवरी को वानखेड़े स्टेडियम में भारत के खिलाफ अपनी टीम के टी20 विश्व कप अभियान की शुरूआत करेंगे। यह वही मैदान है, जहां से उनके क्रिकेट सफर की शुरूआत हुई थी, लेकिन बाद में उन्होंने एक वैकल्पिक करियर के लिए घर छोड़ दिया था। कैसे शुरू हुआ सौरभ का क्रिकेट का सफर? 34 वर्षीय नेत्रवलकर ने 2013 में मुंबई के लिए प्रथम श्रेणी क्रिकेट खेला था, जहां उनके साथ सूर्यकुमार यादव और शार्दुल ठाकुर जैसे खिलाड़ी भी थे। इससे पहले वह

2010 अंडर-19 विश्व कप में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके थे, लेकिन भारतीय सीनियर टीम तक पहुंच नहीं बना सके। इसके बाद नेत्रवलकर ने 2015 में अमेरिका की प्रतिष्ठित कॉर्नेल यूनिवर्सिटी से कंप्यूटर साइंस में मास्टर्स करने का फैसला किया। उस समय उन्होंने लगभग क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। मुंबई की गलियों से शुरू हुआ क्रिकेट का जुनून एक बार फिर उन्हें मैदान तक खींच लाया। आज नेत्रवलकर अमेरिका की राष्ट्रीय टीम के अहम सदस्य हैं और 2024 टी20 विश्व कप में उनके शानदार प्रदर्शन ने उन्हें स्टार बना दिया। वानखेड़े में खेलने को लेकर वह खुद को भावनाओं से भरा हुआ मानते हैं। नेत्रवलकर ने समाचार एजेंसी पीटीआई से कहा, 'मुझे नहीं पता कि वहां जाकर मैं कैसे प्रतिक्रिया दूंगा, लेकिन यह निश्चित रूप से एक भावनात्मक पल होगा। मैंने मुंबई में क्रिकेट शुरू किया, फिर खेल छोड़कर अमेरिका चला गया और कभी सोचा भी नहीं था कि दोबारा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलूंगा। यह मेरे लिए दूसरी पारी जैसी है, जिसने मुझे फिर से मुंबई तक पहुंचाया।' उन्होंने आगे कहा कि बचपन से ही उनका सपना वानखेड़े में खेलने का था। सौरभ बोले, 'अंडर-15 दिनों से हम वानखेड़े में ट्रेनिंग करते आए हैं। मैं आभारी हूं कि यह मौका अमेरिका के लिए खेलते हुए मिला। मेरे परिवार और दोस्त वहां मौजूद होंगे और मैं अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करूंगा।' भारत में गेंदबाजी की चुनौती भारतीय उपमहाद्वीप की बल्लेबाजी के अनुकूल पिचें गेंदबाजों के लिए बड़ी चुनौती पेश करती हैं। नेत्रवलकर ने माना कि अमेरिका और कैरेबियन में हुए पिछले संस्करण में परिस्थितियां गेंदबाजों के पक्ष में थीं, लेकिन भारत में हालात अलग होंगे। बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने कहा, 'फ्लैट विकेटों पर आपको प्लान ए, प्लान बी सब तैयार रखने पड़ते हैं। नई गेंद से स्विंग, स्लोअर बॉल और डेथ ओवरों में यॉर्कर अहम होंगे। रात के मैचों में ओस भी बड़ा फैक्टर होती है, इसलिए गीली गेंद से गेंदबाजी की प्रैक्टिस जरूरी है।' उन्होंने श्रीलंका में तीन हफ्ते के ट्रेनिंग कैंप और डी.वाई. पाटिल स्टेडियम में होने वाले वॉर्म-अप मैचों को भारत की परिस्थितियों के लिए उपयोगी बताया। 2024 की सफलता के बाद ऊपर गया है यूएसए क्रिकेट का ग्राफ 2024 टी20 विश्व कप में पाकिस्तान को हराकर और सुपर-8 में जगह बनाकर अमेरिका ने सबको चौंकाया था। नेत्रवलकर का मानना है कि उस प्रदर्शन के बाद देश में क्रिकेट का स्तर लगातार ऊपर जा रहा है। उन्होंने कहा, 'हमारे 8-9 खिलाड़ी दुनिया भर की फ्रेंचाइजी लीग्स में खेल रहे हैं। मेजर लीग क्रिकेट में भी लोकल खिलाड़ी टॉप रन-स्कोरर और विकेट-टेकर रहे। 19-20 साल के युवा भी टीम में आ रहे हैं। इंफ्रास्ट्रक्चर के मामले में अभी लंबा रास्ता है, लेकिन प्रगति साफ दिख रही है।' वीगन लाइफस्टाइल और सोच में बदलाव नेत्रवलकर अपनी स्पष्ट सोच का श्रेय अपने वीगन जीवनशैली को भी देते हैं। उन्होंने कहा, 'यह मेरे लिए एक परिवर्तनकारी अनुभव रहा है। मैं एक बेहतर इंसान बनने की कोशिश कर रहा हूं, दर्शन, आध्यात्म, स्थिरता और पर्यावरण जैसे विषयों को समझ रहा हूं। जब आप स्वस्थ और फिट रहते हैं, तो उसका असर अपने आप क्रिकेट पर भी पड़ता है।' मुंबई की गलियों से अमेरिका की जर्सी तक का यह सफर अब वानखेड़े में एक भावुक फुल सर्कल मोमेंट की ओर बढ़ रहा है।

स्मृति मंधाना ने हरमनप्रीत को पीछे छोड़ा डब्ल्यूपीएल में सर्वोच्च स्कोर बनाने वाली भारतीय बनीं

मुंबई। आरसीबी की कप्तान स्मृति मंधाना शानदार फॉर्म में चल रही हैं। उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में दमदार बल्लेबाजी की और बड़ी उपलब्धि अपने नाम करने में सफल रहीं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की कप्तान स्मृति मंधाना ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ शानदार बल्लेबाजी की। मंधाना ने 61 गेंदों पर 96 रन बनाए, लेकिन वह शतक लगाने से चूक गईं। इसके बावजूद उन्होंने बड़ी उपलब्धि

अपने नाम दर्ज की और वह महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली भारतीय बल्लेबाज बन गईं। मंधाना के नाम दर्ज हुआ रिकॉर्ड मंधाना ने अपनी पारी में 13 चौके और तीन छक्के लगाए। इसके साथ ही वह डब्ल्यूपीएल में सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर बनाने वाली भारतीय बल्लेबाज बनीं। मंधाना ने इस मामले में मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत कौर को पीछे छोड़ा। हरमनप्रीत ने 2024 सीजन में गुजरात जाएंट्स के खिलाफ 48 गेंदों पर नाबाद 95 रन बनाए थे जो टूर्नामेंट में किसी खिलाड़ी का सर्वोच्च व्यक्तिग स्कोर था। हालांकि, अब यह रिकॉर्ड मंधाना के नाम दर्ज हो गया है। डब्ल्यूपीएल में नहीं लगा है एक भी शतक डब्ल्यूपीएल इतिहास में कोई खिलाड़ी अबतक शतक नहीं लगा सका है। टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा निजी स्कोर का रिकॉर्ड न्यूजीलैंड की सोफी डिवाइन के नाम है। आरसीबी के लिए खेलते हुए डिवाइन ने 2023 में गुजरात जाएंट्स के खिलाफ 36 गेंदों पर 99 रन बनाए थे। वहीं, 2025 सीजन में यूपी वॉरियर्स के लिए खेलते हुए आरसीबी के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की जॉर्जिया वोल ने 56 गेंदों पर 99 रन बनाए थे। डिवाइन डब्ल्यूपीएल में एक से अधिक बार 90 रनों का आंकड़ा पार करने वाली एकमात्र बल्लेबाज हैं। आरसीबी की लगातार चौथी जीत मैच की बात करें तो आरसीबी ने दिल्ली कैपिटल्स को आठ विकेट से हराकर लगातार चौथी जीत दर्ज की। टीम इस जीत के साथ शीर्ष पर बरकरार है। वहीं, दिल्ली चार में से तीन मुकाबले हारकर अंक तालिका में आखिरी पायदान पर पहुंच गई है। शनिवार को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में दिल्ली ने पहले बल्लेबाजी करते हुए शेफाली वर्मा की 62 रनों की पारी की बदौलत 20 ओवर में 10 विकेट पर 166 रन बनाए। जवाब में आरसीबी ने स्मृति मंधाना और जॉर्जिया वॉल की अर्धशतकीय पारियों की मदद से 18.2 ओवर में दो विकेट पर 169 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया।

न्यूजीलैंड को क्या इतिहास रचने से रोक पाएगा भारत

इंदौर। भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीसरा वनडे रविवार को खेला जाएगा। आइए जानते हैं कि दर्शक कब और कहां ये मुकाबला देख सकेंगे। अब तक घरेलू धरती पर वनडे में शानदार रिकार्ड रखने वाले भारत को न्यूजीलैंड के इस स्टेडियम पर वनडे में कभी हार नहीं मिली है। भारत-न्यूजीलैंड के बीच क्यों अहम है तीसरा वनडे? मार्च 2019 के बाद से भारत ने अपने घरेलू मैदान पर कोई द्विपक्षीय वनडे सीरीज नहीं हारी है। तब ऑस्ट्रेलिया ने 0-2 से पिछड़ने के बाद

खिलाफ सीरीज जीतने के लिए रविवार को होने वाले तीसरे और अंतिम वनडे में तीनों विभाग में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। दोनों टीमों के बीच यह सीरीज फिलहाल 1-1 की बराबरी पर है। न्यूजीलैंड की टीम की निगाह भी सीरीज जीतकर इतिहास रचने पर होगी। इंदौर में भारत का शानदार रिकॉर्ड भारत ने वडोदरा में खेले गए पहले मैच में चार विकेट से जीत दर्ज की थी और तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली थी। इसके बाद न्यूजीलैंड ने वापसी करते हुए राजकोट में खेले गए दूसरे वनडे मैच को सात विकेट से अपने नाम किया। अब दोनों टीमों के बीच इंदौर के होल्कर स्टेडियम में मुकाबला होगा। भारत को वापसी करते हुए सीरीज 3-2 से जीती थी, लेकिन अब यह रिकॉर्ड दांव पर लगा है। न्यूजीलैंड के लिए भी यह मैच काफी महत्वपूर्ण है। उसकी टीम ने 1989 से द्विपक्षीय वनडे मैचों के लिए भारत का दौरा किया है, लेकिन यहां कभी भी सीरीज नहीं जीती है। इस इंतजार को खत्म करने का यह उसके पास संभवतः सबसे अच्छा अवसर है। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर नहीं चाहेंगे कि उनके नेतृत्व में घरेलू मैदान पर टीम को एक और सीरीज में हार का सामना करना पड़े। विशेषकर तब जब उन्होंने कई अनचाहे रिकॉर्ड बनाए हैं। गंभीर के कोच रहते हुए भारत ने घरेलू मैदान पर पांच टेस्ट मैच हारे हैं और पहली बार श्रीलंका में वनडे सीरीज गंवाई थी। भारत को करना होगा अच्छा प्रदर्शन इंदौर के होलकर स्टेडियम की छोटी बाउंड्री और गेंदबाजों को विकेट से बहुत कम मदद मिलने के कारण गलती की गुंजाइश और भी कम हो जाती है। स्पिन गेंदबाजी का सामना करने की भारत की क्षमता पर भी सवाल उठ रहे हैं। टीम की बल्लेबाजी में गहराई और मजबूती होने के बावजूद उसके बल्लेबाज बीच के ओवरों में स्पिनरों के सामने असहज दिख रहे हैं। बल्लेबाज महत्वपूर्ण मौकों पर स्ट्राइक रोटेट नहीं कर पा रहे हैं। अब बड़े स्कोर वाले मैदान पर बीच के ओवर निर्णायक साबित हो सकते हैं। हम यहां आपको भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीसरे वनडे मैच की लाइव स्ट्रीमिंग से जुड़ी जानकारी दे रहे हैं भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीसरा वनडे मैच का मैच कब खेला जाएगा? भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीसरा वनडे मैच 18 जनवरी यानी रविवार को खेला जाएगा। भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीसरा वनडे मैच कहां खेला जाएगा? भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीसरा वनडे मैच इंदौर के होल्कर स्टेडियम में खेला जाएगा। भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीसरा वनडे मैच कितने बजे से खेला जाएगा? भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीसरा वनडे मैच दोपहर 1:30 बजे से शुरू होगा। टॉस इससे आधे घंटे पहले यानी दोपहर 1:00 बजे होगा। भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीसरा वनडे मैच कहां देख पाएंगे? भारत और न्यूजीलैंड के बीच वनडे सीरीज के प्रसारण अधिक स्टार स्पोर्ट्स के पास है और दर्शक इसके मुकाबले स्टार स्पोर्ट्स के चैनलों पर देख सकेंगे। इसके अलावा मैच की लाइव स्ट्रीमिंग जियोहॉटस्टार एप पर होगी। आप पर भी मैच के लाइव अपडेट्स पढ़ सकते हैं।

क्या जीत की लय बरकरार रख पाएगा आरसीबी अब गुजरात जाएंट्स से होगा सामना

वडोदरा। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) का कारवां अब वडोदरा पहुंच गया है और अगले चरण में मैच नवी मुंबई के बजाए वडोदरा में होंगे। सोमवार को आरसीबी का सामना गुजरात जाएंट्स से होगा। आइए जानते हैं इस मुकाबले के लिए किस टीम का पलड़ा भारी है। अब तक अपने चारों मैच जीत कर उत्साह से भरी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम गुजरात जाएंट्स के खिलाफ सोमवार को होने वाले महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के मैच में अपना विजय अभियान जारी रखने के लिए मैदान पर उतरेगी। कप्तान स्मृति मंधाना की अगुआई वाली आरसीबी की टीम ने अभी तक खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया है और उसकी टीम को हराना आसान नहीं होगा। क्या है आरसीबी की मजबूत कड़ी आरसीबी के लिए सबसे अच्छी बात यह है कि कप्तान मंधाना ने फॉर्म में वापसी की है। उन्होंने शनिवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ आठ विकेट से मिली शानदार जीत में 96 रन की मैच विजेता पारी खेली। सलामी बल्लेबाज ग्रेस हैरिस ने भी अच्छी शुरूआत की है लेकिन वह उन्हें बड़े स्कोर में बदलने में नाकाम रहीं हैं। पिछले मैच में जॉर्जिया वोल ने भी नाबाद 54 रन बनाकर शानदार प्रदर्शन किया। आरसीबी के पास ऋचा घोष, नादिन डी क्लर्क, गौतमी नायक और राधा यादव जैसी आक्रामक बल्लेबाज भी हैं जिससे बल्लेबाजी उसका सबसे मजबूत पक्ष बन गया है। आरसीबी की गेंदबाजी इकाई भी काफी मजबूत है, जिसमें लॉरेन बेल और सायली सतघरे जैसी गेंदबाज शुरूआती ओवरों में जिम्मेदारी संभालती हैं जबकि श्रेयांका पाटिल, प्रेमा रावत और राधा यादव जैसे स्पिनरों ने भी अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है। आरसीबी ने गुजरात जायंट्स के खिलाफ पिछला मैच जीता था और इससे भी उसकी टीम को आत्मविश्वास मिलेगा। इन खिलाड़ियों से गुजरात को रहेगी उम्मीद दूसरी तरफ गुजरात जाएंट्स ने पहले दो मैच जीत कर इस सत्र की अच्छी शुरूआत की थी, लेकिन इसके बाद वह अगले दो मैच में हार गई और अंक तालिका में तीसरे स्थान पर खिसक गई। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी एशले गार्डनर की अगुआई वाली गुजरात जाएंट्स की टीम में बेथ मूनी, सोफी डिवाइन, कनिका आहूजा, गार्डनर, जॉर्जिया वेयरहम और भारती फुलमाली जैसी अच्छी बल्लेबाज शामिल हैं, लेकिन इन सभी को मिलकर अच्छा प्रदर्शन करने की जरूरत है। गुजरात जाएंट्स की गेंदबाजी की कमान रेणुका सिंह संभाल रही हैं, जो टूर्नामेंट में अब तक प्रभावित करने में विफल रही हैं। डिवाइन ने अभी तक बल्ले और गेंद दोनों से अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन उन्हें अन्य खिलाड़ियों से सहयोग की जरूरत है। दोनों टीमें इस प्रकार हैः गुजरात जाएंट्सः एश्ले गार्डनर (कप्तान), बेथ मूनी, सोफी डिवाइन, रेणुका सिंह ठाकुर, भारती फुलमाली, टिटास साधु, काशी गौतम, कनिका आहूजा, तनुजा कंवर, जॉर्जिया वेयरहम, अनुष्का शर्मा, हैप्पी कुमारी, किम गार्थ, यास्तिका भाटिया, शिवानी सिंह, डैनी व्याट-हॉज, राजेश्वरी गायकवाड़ और आयुषी सोनी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरुः स्मृति मंधाना (कप्तान), ऋचा घोष, श्रेयांका पाटिल, जॉर्जिया वोल, नादिन डी क्लर्क, राधा यादव, लॉरेन बेल, लिन्से स्मिथ, प्रेमा रावत, अरुंधति रेड्डी, पूजा वस्त्राकर, ग्रेस हैरिस, गौतमी नायक, प्रथ्योषा कुमार, डी. हेमलता और सयाली सतघरे।

ग्रुप बदले जाने की मांग को लेकर आयरलैंड ने क्या दी प्रतिक्रिया बीसीबी को लग सकता है झटका

नई दिल्ली। आयरलैंड क्रिकेट ने बीसीबी की उस मांग पर प्रतिक्रिया दी है जिसमें बांग्लादेश ने आईसीसी के समक्ष टी20 विश्व कप का ग्रुप बदलने का विकल्प रखा है। आइए जानते हैं क्या है पूरा मामला। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने आईसीसी के सामने विकल्प रखा है कि वह आयरलैंड के साथ उसका ग्रुप बदले दे जिससे उससे अपने मुकाबले भारत के बजाए श्रीलंका में खेलने होंगे। अब आयरलैंड क्रिकेट की इस मामले को लेकर प्रतिक्रिया सामने आई है। मालूम हो कि भारत और बांग्लादेश के बीच पिछले कुछ समय से विवाद चल रहा है और उसने टी20 विश्व कप के अपने मैच भारत के बजाए श्रीलंका में खेलने की मांग की है। इसे लेकर ढाका में आईसीसी प्रतिनिधियों की बीसीबी के साथ बैठक हुई है। ग्रुप सी में शामिल है बांग्लादेश बांग्लादेश की टीम फिलहाल ग्रुप सी में शामिल है जिसमें वेस्टइंडीज, इटली, इंग्लैंड और नेपाल भी मौजूद है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, बांग्लादेश को टी20 विश्व कप में अपने मुकाबले कोलकाता और मुंबई में खेलने हैं। वहीं, आयरलैंड की टीम श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया, ओमान और जिम्बाब्वे के साथ ग्रुप बी में है और इनके मुकाबले श्रीलंका में होने हैं। टी20 विश्व कप को शुरू होने में अब एक महीने से भी कम का समय शेष है, लेकिन अब तक इस विवाद का हल नहीं निकल सका है। बीसीबी की मांग के बीच क्रिकेट आयरलैंड ने कहा है कि उन्हें इस बात का पक्का आश्वासन मिल गया है कि उनके विश्व कप कार्यक्रम में कोई बदलाव नहीं होगा। क्रिकेट आयरलैंड ने यह भी कहा कि वे अपने सभी विश्व कप मैच श्रीलंका में ही खेलेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, क्रिकेट आयरलैंड ने कहा, हमें यह पुख्ता आश्वासन मिल गया है कि हम मूल कार्यक्रम से नहीं हटेंगे। हम निश्चित रूप से श्रीलंका में ग्रुप स्टेज खेलेंगे। आईसीसी के साथ बैठक में क्या हुआ? आईसीसी की दो सदस्यीय टीम जिसमें इवेंट एंड कॉरपोरेट कम्यूनिकेशन के महाप्रबंधक गौरव सक्सेना और इंटीग्रिटी यूनिट के महाप्रबंधक एंड्रयू एफग्रेव शामिल थे, इन्होंने ढाका में बीसीबी के अधिकारियों से मुलाकात की। इस दौरान इन्होंने भारत में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बीसीबी को यकीन दिलाने का प्रयास किया। आईसीसी के अधिकारियों के साथ बैठक के बाद बीसीबी ने कहा, बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने आईसीसी के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की, जिसमें आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 में बांग्लादेश की भागीदारी से संबंधित मामलों पर चर्चा की गई।

मैच के बाद भारत-बांग्लादेश के खिलाड़ियों ने मिलाए हाथ बीसीबी ने मामले पर क्या दिया स्पष्टीकरण

बुलावायो। भारत और बांग्लादेश के बीच अंडर-19 विश्व कप मैच के दौरान हाथ नहीं मिलाने को लेकर विवाद हुआ था। बीसीबी ने इस मामले पर स्पष्टीकरण दिया था जिसके बाद दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने मैच के बाद एक दूसरे से हाथ मिलाए। भारत और बांग्लादेश के बीच अंडर-19 विश्व कप का मुकाबला खेला गया। दोनों देशों के बीच चल रहे विवाद के बीच भारत और बांग्लादेश के खिलाड़ियों ने मैच के बाद एक दूसरे से हाथ मिलाए। दरअसल, इसकी चर्चा इसलिए हो रही है क्योंकि टॉस के दौरान दोनों कप्तानों ने एक दूसरे से हाथ नहीं मिलाए थे। इस घटना ने एशिया कप की याद ताजा कर दी थी जब भारत और पाकिस्तान के खिलाड़ियों ने एक दूसरे से हाथ नहीं मिलाए थे। टॉस के दौरान क्यों नहीं मिलाए थे हाथ टॉस के दौरान कप्तानों द्वारा हाथ नहीं मिलाए जाने पर बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने स्पष्टीकरण दिया था। बीसीबी ने कहा था कि उपकप्तान जावेद अबरार द्वारा भारतीय कप्तान आयुष म्हात्रे से हाथ नहीं मिलाना अनादर नहीं है क्योंकि यह जानबूझकर नहीं किया गया। बीसीबी ने कहा कि अबरार के दिमाग से यह बात निकल गई थी। दरअसल, नियमित कप्तान अजिजुल हकीम मैच से पहले बीमार हो गए थे जिस कारण टॉस के लिए अबरार आए थे। भारत ने रोमांचक मुकाबले में दर्ज की जीत भारत और बांग्लादेश के बीच शनिवार को खेले गए अंडर-19 विश्व कप के रोमांचक मुकाबले में आयुष म्हात्रे की अगुवाई वाली टीम ने 18 रन से शानदार जीत दर्ज की। बारिश से प्रभावित मैच में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अभिज्ञान कुंडू और वैभव सूर्यवंशी की अर्धशतकीय पारियों की मदद से 48.4 ओवर में 238 रन बनाए थे। जवाब में बांग्लादेश की टीम को बारिश के कारण डीएलएस प्रणाली के जरिये 29 ओवर में 165 रनों का संशोधित लक्ष्य मिला। टीम 28.3 ओवर में 146 रन ही बना सकी और ऑलआउट हो गई। उनके लिए कप्तान अजिजुल हकीम ने सर्वाधिक 51 रनों की पारी खेली।

इस टीम में शामिल पाकिस्तानी मूल के खिलाड़ियों को मिला भारत का वीजा अन्य को कब मिलेगी मंजूरी

नई दिल्ली। आईसीसी टी20 विश्व कप के लिए कुछ टीमों के पाकिस्तानी मूल के खिलाड़ियों को वीजा मिलने का इंतजार है। आईसीसी की नजर इस मामले पर है और उसने समय से सभी को वीजा मिल सके इसके लिए कमर कस ली है। टी20 विश्व कप की शुरूआत होने में अब कुछ ही दिन का समय शेष है और कुछ टीमों के वीजा मिलने का इंतजार है। हालांकि, इंग्लैंड टीम में शामिल पाकिस्तानी मूल के खिलाड़ियों को वीजा मिल चुका है। हाल ही में खबरें आई थी कि पाकिस्तानी मूल के खिलाड़ियों को वीजा नहीं मिला है, लेकिन आईसीसी ने भारत में होने वाले टी20 विश्व कप में भाग लेने वाले पाकिस्तान मूल के सभी 42 खिलाड़ियों और अधिकारियों के लिए वीजा संबंधी औपचारिकताओं को सुविधाजनक बनाने के लिए कदम उठाया है। किस टीम में पाकिस्तानी मूल के कितने खिलाड़ी? इंग्लैंड की टीम में पाकिस्तानी मूल के क्रिकेटरों में स्पिनर आदिल राशिद, रेहान अहमद और तेज गेंदबाज साकिब महमूद शामिल हैं। अमेरिका की टीम में अली खान और शायन जहांगीर तथा नीदरलैंड की टीम में जुल्फिकार साकिब जैसे पाकिस्तानी मूल के कुछ खिलाड़ी शामिल हैं। संयुक्त अरब अमीरात, अमेरिका, इटली, बांग्लादेश और कनाडा की टीम में शामिल पाकिस्तानी राष्ट्रीयता या पाकिस्तानी मूल के खिलाड़ियों और अधिकारियों के लिए वीजा उपलब्ध कराने की प्रक्रिया चल रही है। प्रतिभागियों के लिए वीजा जारी करने की अंतिम तिथि 31 जनवरी है। इन टीमों के लिए वीजा उपलब्ध कराने के लिए जरूरी कार्यवाही के लिए अगले सप्ताह की तिथि नियत कर दी गई है जिससे संकेत मिलता है कि प्रक्रिया अपने अंतिम चरण में पहुंच गई है। न्यूज एजेंसी पीटीआई के अनुसार, इंग्लैंड के खिलाड़ियों राशिद, रेहान और साकिब के वीजा आवेदन पहले ही मंजूर किए जा चुके हैं। नीदरलैंड की टीम के सदस्यों और कनाडा के सहयोगी स्टाफ के सदस्य शाह सलीम जफर को भी वीजा मिल चुका है।

भारतीय वनडे टीम में जगह मिलने पर आया आयुष बदोनी का बयान बताया किस चीज का मिला फायदा

इंदौर। भारतीय टीम में शामिल किए गए दिल्ली के खिलाड़ी आयुष बदोनी ने बताया है कि किस तरह ऑलराउंडर होने का उन्हें फायदा मिला। बदोनी को चोटिल वाशिंगटन सुंदर की जगह वनडे टीम में जगह मिली थी। आयुष बदोनी को न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए टीम में जगह मिलने पर विवाद हुआ था। टीम प्रबंधन के इस फैसले पर कई पूर्व क्रिकेटरों और प्रशंसकों ने सवाल खड़े किए थे। बदोनी को वाशिंगटन सुंदर के चोटिल होने के कारण टीम में जगह मिली थी। बदोनी का कहना है कि कुछ वर्ष पहले गेंदबाजी करने के उनके फैसले ने उन्हें ऑलराउंडर के रूप में उभरने में मदद की। टीम में शामिल होने की बात कब पता चली? भारत और न्यूजीलैंड के बीच इंदौर में रविवार को तीसरा वनडे मुकाबला खेला जाएगा। इससे पहले बदोनी ने बीसीसीआई टीवी से कहा, मैं दिल्ली टीम के साथ था, मैं वहां कप्तान था और अगले दिन हमारा विदर्भ के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मैच था। तभी मुझे इसके (टीम में शामिल होने) के बारे में पता चला। प्रियांश मेरा रूममेट था, इसलिए मैंने उसे बताया कि ऐसा हो सकता है और मैं जा रहा हूं, तो शायद तुम कप्तान बन जाओगे। यह बहुत अच्छा अहसास था और मैं बहुत आभारी और खुश हूं कि मुझे यह अवसर मिला। जब बदोनी से पूछा गया कि उन्होंने अपने परिवार और दोस्तों में से किससे बात की, तो उन्होंने कहा, मुझे देर रात फोन आया, इसलिए मैं उन्हें बता नहीं सका। सुबह इसकी घोषणा हुई, तभी उन्हें पता चला और वे भी बहुत खुश और गौरवान्वित थे। सभी कोचों और खिलाड़ियों ने मेरा स्वागत किया और मुझे यह बहुत अच्छा लगा। मैं उनमें से ज्यादातर के साथ और उनके खिलाफ खेल चुका हूं, इसलिए सभी से दोबारा मिलना बहुत अच्छा लगा। ऑलराउंडर बनने का मिला फायदा बदोनी ने यह भी बताया कि वह पहले सिर्फ बल्लेबाज थे, लेकिन दो साल पहले उन्होंने गेंदबाजी शुरू की और ऑलराउंडर के रूप में उनके इस बदलाव ने उन्हें पहली बार भारतीय टीम में जगह दिलाने में मदद की। उन्होंने कहा, तैयारी बिल्कुल स्पष्ट थी। पहले मैं बल्लेबाजी करता था, लेकिन पिछले दो वर्षों से मैं अपनी गेंदबाजी पर काफी ध्यान दे रहा हूं। मुझे हमेशा लगता है कि मैं विकेट ले सकता हूं और अपनी गेंदबाजी से टीम में योगदान दे सकता हूं। इसलिए मुझे ऑलराउंडर होने का फायदा मिला। मैंने दिल्ली के लिए काफी गेंदबाजी की है, विकेट लिए हैं और इसका मुझे बहुत लाभ मिला है।

लखनऊ-अजमेर की फ्लाइट 25 जनवरी से बंद हो जाएगी

लखनऊ : लखनऊ से अजमेर के किशनगढ़ हवाई अड्डे के बीच चलने वाली स्टार एयर की सीधी उड़ान 25 जनवरी से बंद कर दी जाएगी। एयरलाइन की ओर से बताया गया है कि तकनीकी और व्यवस्थागत कारणों के चलते यह विमान सेवा आगे जारी रखना संभव नहीं है। इस रूट पर आखिरी उड़ान 24 जनवरी को भरी जाएगी। 2024 में शुरू हुई थी फ्लाइट रीजनल कनेक्टिविटी योजना उड़ान के तहत वर्ष 2024 में स्टार एयर ने लखनऊ से अजमेर के लिए विमान सेवा शुरू की थी। इस मार्ग पर 80 सीटों वाले छोटे विमान का इस्तेमाल किया जा रहा था। मौजूदा समय-सारिणी के अनुसार विमान संख्या एस5-223 चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा से सुबह 10:45 बजे उड़ान भरकर दोपहर 12:05 बजे किशनगढ़ हवाई अड्डा पहुंचता था। वापसी में विमान संख्या एस5-222 किशनगढ़ से दोपहर 3:35 बजे उड़ान भरकर शाम 4:55 बजे लखनऊ पहुंचता था। इस उड़ान का किराया 4,099 रुपए से शुरू था। यात्रियों की संख्या में आई कमी शुरूआत में अजमेर दरगाह और पुष्कर जाने वाले यात्रियों की वजह से इस उड़ान को अच्छा समर्थन मिला था।

2016 के ट्रेंड में शामिल हुईं भूमि पेडनेकर, शेयर की अक्षय कुमार के साथ पहली तस्वीर

भूमि पेडनेकर भी बॉलीवुड की बाकी सेलेब्स की तरह सोशल मीडिया पर '2016' ट्रेंड में शामिल हो गई हैं। अपनी तस्वीरों की एक पोस्ट में भूमि ने उस साल के कई पलों को साझा किया है, जिनमें अक्षय कुमार के साथ उनकी पहली तस्वीर, बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन के लिए पिलाटेस सेशन शामिल हैं। भूमि की ये पोस्ट अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है।

भूमि का पोस्ट

भूमि ने 2015 में फिल्म दम लगा के हईशा से अपनी एक्टिंग की शुरूआत की थी। आयुष्मान खुराना के साथ इस फिल्म में भूमि ने एक मोटी टीचर का रोल निभाया था। उस समय उन्होंने पुरानी सोच को तोड़कर अपने अभिनय से सबको प्रभावित किया था। 2016 में उन्होंने अपना वजन कम किया और अक्षय कुमार के साथ फिल्म 'टॉयलेटः एक प्रेम कथा' में काम किया। अपनी नई पोस्ट में, भूमि ने 2016 के कुछ यादगार पलों को शेयर किया, जैसे उनका पहला फोटोशूट और बॉडी चेंज की तस्वीरें।

तस्वीरों में देखिए भूमि का 2016 से अभी तक का सफर, जानिए लिस्ट में क्या है खास

भूमि पेडनेकर ने अपने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें शेयर कीं और कैप्शन में लिखा, '2016 सपनों से भरा साल था। 'टॉयलेट एक प्रेम कथा' के सेट पर-

मेरा पहला दिन

मेरा पहला फोटोशूट

पहला फिल्मफेयर अवॉर्ड

जब मुझे पिलाटेस से प्यार हुआ और मेरे शरीर में बदलाव आने लगे

हमारी फिल्म की घोषणा के लिए अक्षय कुमार के साथ तस्वीर

जब मेरा इंस्टाग्राम हैंडल ढ२ईँ४ था और मैं फिल्टर यूज करती थी

'TEPK' के सेट से

मेरे सबसे अच्छे साथी आयुष्मान खुराना के साथ मेरा पहला मैगजीन कवर

वो साल जब मेरी जिंदगी में उप्पी आए, हम दोनों एक जैसे दिखते हैं

मेरी हमेशा की दोस्त

एक और फोटोशूट

पहला रैंप वॉक

मेरे दिल की दोस्त

स्पेन में अपनी जिंदगी जी रही हूं क्योंकि मैं अपना पहला IIFA अवॉर्ड लेने गई थी

मेरी धार्मिक यात्राएं

मेरी बहन के साथ मेरा जीवन

अनदेखी तस्वीरें

पहली स्लाइड में भूमि ने 'टॉयलेटः एक प्रेम कथा' के सेट से अक्षय के साथ एक मजेदार सेल्फी शेयर की है। दूसरी स्लाइड में उनके पहले फोटोशूट की तस्वीर है, जिसमें वो काली ड्रेस में पोज दे रही हैं। फिल्मफेयर मैगजीन में भूमि का पहला फीचर 2016 में आया था। उन्होंने अपने शरीर को बदलने के लिए पिलाटेस किए थे। भूमि की तस्वीरों में एक मजेदार तस्वीर अक्षय कुमार के साथ है। दोनों सेल्फी में साथ हैं, और पीछे एक भारतीय टॉयलेट दिख रहा है। आखिरी तस्वीर उनकी बहन समीक्षा पेडनेकर के साथ है। यह पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है और लोग इसकी बहुत तारीफ कर रहे हैं।

भूमि पेडनेकर का वर्कफ्रंट

भूमि पेडनेकर अगली बार वेब सीरीज 'दलदल' और 'द रॉयल्स' सीजन 2 में नजर आएंगी। उन्हें आखिरी बार 'द रॉयल्स' और 'मेरे हसबैंड की बीवी' में देखा गया था।

मुंबई में मनोज तिवारी के घर चोरी, पूर्व कर्मचारी ने उड़ाई लाखों की नकदी, पुलिस ने दबोचा

अभिनेता और सांसद मनोज तिवारी के मुंबई वाले घर में चोरी हो गई है। डुप्लीकेट चाबियों की मदद से चोर ने लाखों की नकदी साफ कर दी। इस मामले में जब छानबीन की गई तो मालूम चला कि इस घटना को मनोज तिवारी के एक पूर्व कर्मचारी ने अंजाम दिया था। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

किसने दिया चोरी की घटना को अंजाम

रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक्टर-सिंगर व भाजपा सांसद मनोज

तिवारी के मुंबई वाले घर में करीब 5.40 लाख रुपये की चोरी की घटना सामने आई है। यह घटना अंधेरी वेस्ट के शास्त्री नगर इलाके में सुंदरबन अपार्टमेंट में घटी। आरोप है कि चोरी की घटना को अभिनेता के ही एक पूर्व कर्मचारी ने अंजाम दिया। मनोज दिवारी के मैनेजर ने इस मामले में अंबोली पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है।

दो बार में घटना को दिया गया अंजाम

चोरी की घटना को दो बार में अंजाम दिया गया। दरअसल, मनोज तिवारी के घर से बीते वर्ष जून में भी चोरी हुई थी। तब चोर ने करीब 4.40 लाख रुपये साफ किए थे। मगर, तब चोर का पता नहीं चल पाया था। बीते 15 जनवरी 2026 को एक बार फिर इसी तरह की घटना को अंजाम दिया गया। इस दौरान एक लाख रुपये चोरी किए गए। चोर ने डुप्लीकेट चाबी की मदद से घटना को अंजाम दिया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मनोज तिवारी के साथ करीब 20 वर्ष से काम कर रहे उनके मैनेजर प्रमोद जोगेंद्र पांडे ने शिकायत दर्ज कराई है।

आरोपी ने कुबूल किया जुर्म

आरोपी शख्स मनोज तिवारी का पूर्व कर्मचारी है, जिसे दो साल पहले निकाल दिया गया था। चोर का पता घर में गुप्त रूप से लगे सीसीटीवी कैमरे से प्राप्त फुटेज के आधार पर किया गया। दरअसल, बिना ताला तोड़े बार-बार चोरी होने पर मैनेजर को शक हुआ, जिसके बाद गुप्त रूप से लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की गई। इसमें पूर्व कर्मचारी को घर में दाखिल होते देखा गया। उसके पास, घर, बेडरूम व अलमारी की डुप्लीकेट चाबियां थीं, जिसकी मदद से कैश निकाला। आरोपी को कैमरा फुटेज में चोरी करते देखा गया है। पुलिस के सामने उसने जुर्म कुबूल किया है। मामले में आगे की जांच अभी जारी है।

राजकुमार राव और पत्रलेखा ने किया बिटिया का नामकरण

राजकुमार राव और पत्रलेखा ने अपनी बेबी गर्ल की पहली झलक फैंस को दिखाई है। साथ ही बेटी के नाम से भी पर्दा हटाया है। कपल ने 15 नवंबर, 2025 को बेटी का स्वागत किया था। आज रविवार को उन्होंने बेटी का नामकरण किया है। जानिए क्या रखा है बिटिया का नाम?

माता पार्वती के नाम पर रखा नाम

राजकुमार राव और पत्रलेखा ने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक संयुक्त पोस्ट

शेयर किया है। उन्होंने एक तस्वीर के साथ लिखा है, 'हाथ जोड़कर और पूरे दिल से, हम अपने सबसे बड़े आशीर्वाद से आपको मिलवा रहे हैं'। आगे उन्होंने बेटी का नाम लिखा है, 'पार्वती पॉल राव'।

सोनाक्षी सिन्हा से भूमि तक, सेलेब्स ने दिया रिएक्शन

राजकुमार राव और पत्रलेखा ने अपनी बेटी की पहली झलक भी हालिया पोस्ट के जरिए दिखाई है। हालांकि, कपल ने बेटी का चेहरा रिवील नहीं किया है। उन्होंने एक फोटो शेयर की है, जिसमें पत्रलेखा और राजकुमार राव ने अपने हाथों में नन्ही परी का हाथ थाम रखा है। उनके इस पोस्ट पर सोनाक्षी सिन्हा से लेकर भूमि पेडनेकर तमाम सेलेब्स ने रिएक्शन देते हुए बधाई दी है।

दोहरी खुशी लेकर आई बिटिया पार्वती

पत्रलेखा ने जिस दिन बेटी पार्वती को जन्म दिया, उसी दिन उनकी और राजकुमार राव की वेडिंग एनिवर्सरी थी। एक तरह से यह दिन कपल के लिए दोहरी खुशी का बन गया है। राजकुमार राव और पत्रलेखा 15 नवंबर 2021 को शादी रचाई थी। शादी से पहले दोनों ने एक-दूसरे को कई साल तक डेट भी किया था। कपल ने चंडीगढ़ में सात फेरे लिए थे। राजकुमार राव को पहली नजर में ही पत्रलेखा से प्यार हो गया था। हालांकि, पत्रलेखा को राजी करने में उन्हें काफी टाइम लगा था। इसके बाद दोनों ने लगभग 11 साल तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद शादी की। शादी के चार साल बाद कपल के घर बिटिया का जन्म हुआ।

'धुरंधर'-'द राजा साब' में किसने मारी बाजी?

आज रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर को रिलीज हुए पूरे 45 दिन हो चुके हैं, लेकिन अभी भी इसका जादू दर्शकों पर चल रहा है। फिल्म 'धुरंधर' हालिया रिलीज सभी फिल्मों को कड़ी टक्कर दे रही है। वहीं प्रभास की द राजा साब भी इसके आगे टिक नहीं पा रही। जानिए, आज इन फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर कितने का कारोबार किया है।

'धुरंधर' का अब का कलेक्शन

पहले दिन (ओपनिंग डे) - 28 करोड़ रुपये

पहला हफ्ता (कुल) - 207.25 करोड़ रुपये

दूसरा हफ्ता (कुल) - 253.25 करोड़ रुपये

तीसरा हफ्ता (कुल) - 172 करोड़ रुपये

चौथा हफ्ता (कुल) - 106.5 करोड़ रुपये

पांचवां हफ्ता (कुल) - 51.25 करोड़ रुपये

छठा हफ्ता (कुल) - 26.35 करोड़ रुपये

43वें दिन का कलेक्शन - 1.75 करोड़ रुपये

'धुरंधर' का आज का कलेक्शन

आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर' को आज रविवार को रिलीज हुए पूरे 45 दिन हो चुके हैं। यह फिल्म फिल्म बॉक्स ऑफिस पर लगातार कमाई करती जा रही है। 44वें दिन इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 3 करोड़ रुपये कमाए। अभी तक रविवार का कलेक्शन सामने नहीं आया है। बॉक्स ऑफिस पर 'धुरंधर' ने अभी तक कुल 821.35 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है।

'द राजा साब' का कारोबार

प्रभास की हॉरर फिल्म 'द राजा साब' 9 जनवरी 2026 को रिलीज हुई है। इस फिल्म ने पेड प्रिव्यू में 9.15 करोड़ रुपये से अपना खाता खोला। पहले हफ्ते इस फिल्म ने कुल 130.25 करोड़ रुपये की कमाई की, जो 'धुरंधर' की पहले हफ्ते की कमाई (207.25) के आगे काफी कम है। 8वें दिन प्रभास की फिल्म ने 3.5 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। वहीं 9वें दिन फिल्म ने 3 करोड़ रुपये की कमाई की है। 'द राजा साब' ने बॉक्स ऑफिस पर कुल 136.75 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है।

'राहु-केतु' की कमाई

पुलकित सम्राट और वरुण शर्मा की फिल्म 'राहु-केतु' 16 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने पहले दिन 1 करोड़ रुपये की कमाई की। दूसरे दिन फिल्म ने 1.6 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। वहीं कुल मिलाकर इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अभी तक 2.6 करोड़ रुपये ही कमाए हैं।

'हैप्पी पटेल खतरनाक जासूस' का कलेक्शन

आमिर खान और उनके भांजे इमरान खान की फिल्म 'हैप्पी पटेल खतरनाक जासूस' 16 जनवरी को रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने पहले दिन 1.25 करोड़ रुपये की कमाई की। दूसरे दिन फिल्म ने शनिवार को 1.5 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। इस फिल्म ने कुल मिलाकर बॉक्स ऑफिस पर अभी तक 2.75 करोड़ रुपये की कमाई की है।

बड़े पापा अनुपम खेर ने दी भाई राजू की बेटी वृंदा को जन्मदिन की शुभकामनाएं, लिखा- 'आप मेरी सबसे प्रिय हैं...'

बॉलीवुड एक्टर अनुपम खेर 70 साल की उम्र में भी अभिनय और सोशल मीडिया दोनों में काफी एक्टिव हैं। अनुपम अक्सर अपनी पर्सनल लाइफ की झलकियां सोशल मीडिया पर शेयर कर फैंस को खुश कर देते हैं। आज अनुपम ने अपने भाई राजू की बेटी वृंदा के जन्मदिन पर एक खास पोस्टर शेयर किया है।

अनुपम खेर का पोस्ट

अनुपम खेर ने आज अपनी अपने भाई राजू खेर की बेटी वृंदा को जन्मदिन की खास बधाई दी। अनुपम ने इंस्टाग्राम पर एक प्यारी तस्वीर शेयर की और कैप्शन में लिखा, 'मेरी प्यारी वृंदा को जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं। भगवान तुम्हें दुनिया की सारी खुशियां दें। तुम्हारा जीवन बहुत लंबा और स्वस्थ रहे।'

अनुपम ने बताई वृंदा की खूबियां

अनुपम ने आगे वृंदा की तारीफ में लिखा, 'वृंदा तुम मेरे लिए सबसे खास हो। तुम बहुत सुंदर, समझदार, मेहनती हो। हमेशा मुस्कुराती रहती हो, बेफिक्र और बहुत प्यार करने वाली हो। तुम निपुण की प्यारी पत्नी और निर्वैर की शानदार मां हो। साथ ही एक कमाल की डांसर भी हो। मैं हमेशा से तुमसे बहुत प्यार करता हूं। ढेर सारा प्यार और शुभकामनाएं। तुम्हारे बड़े पापा।'

कौन हैं वृंदा खेर

अनुपम खेर के भाई राजू खेर की भतीजी और बेटी हैं वृंदा खेर। वृंदा एक डांसर, अभिनेत्री और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर हैं। उन्होंने हाल ही में 'द कश्मीर फाइल्स' जैसी फिल्मों में काम किया है।

मुझे खुद के भारतीय होने पर गर्व, एआर रहमान का यू-टर्न, कहा- किसी को कभी दुख पहुंचाने की इच्छा नहीं

संगीतकार एआर रहमान ने एक साक्षात्कार में की गई अपनी टिप्पणियों को लेकर हो रही आलोचनाओं का जवाब देते हुए भारत के प्रति अपनी अटूट निष्ठा व्यक्त की और अपने शब्दों के पीछे के इरादे को स्पष्ट किया। बॉलीवुड में कथित पूर्वाग्रह को लेकर चल रही सार्वजनिक बहस के केंद्र में रहे इस संगीतकार ने अपने बयान में अपने विचारों को स्पष्ट किया। बयान के साथ ही उन्होंने एक क्रिकेट मैच में गाए गए अपने गीत 'मां तुझे सलाम/वंदे मातरम' का फुटेज भी साझा किया, जो सांस्कृतिक क्षेत्र में उनके योगदान को रेखांकित करता है। अपने वीडियो बयान में रहमान ने भारत को अपनी प्रेरणा और घर बताया और अपने जीवन में संगीत की एकता की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा, संगीत हमेशा से हमारी संस्कृति से जुड़ने, उसका जश्न मनाने और उसका सम्मान करने का मेरा जरिया रहा है। भारत मेरी प्रेरणा, मेरा गुरु और मेरा घर है। मैं समझता हूँ कि कभी-कभी इरादों को गलत समझा जा सकता है। लेकिन मेरा उद्देश्य हमेशा से संगीत के माध्यम से उत्थान, सम्मान और सेवा करना रहा है। मैंने कभी किसी को दुख पहुँचाने की इच्छा नहीं रखी और मुझे उम्मीद है कि मेरी ईमानदारी को समझा जा सकेगा। रहमान ने कलात्मक परियोजनाओं के माध्यम से भारत की विविधता का जश्न मनाने के अपने प्रयासों के उदाहरण प्रस्तुत किए। इनमें वेव्स शिखर सम्मेलन में झाला को बढ़ावा देना, रूह-ए-नूर में भागीदारी और युवा नागा संगीतकारों के साथ सहयोग शामिल हैं। उन्होंने स्ट्रिंग ऑर्केस्ट्रा की स्थापना, सनशाइन ऑर्केस्ट्रा का मार्गदर्शन, भारत के पहले बहुसांस्कृतिक वर्चुअल बैंड सीक्रेट माउंटेन का विकास और हैंस ज़िमर के साथ रामायण के संगीत पर अपने हालिया कार्य का भी उल्लेख किया। मुझे भारतीय होने पर गर्व है, क्योंकि इसी कारण मैं एक ऐसा मंच बना पाता हूँ जहाँ अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता हमेशा बनी रहती है और बहुसांस्कृतिक आवाजों का सम्मान होता है। माननीय प्रधानमंत्री और रूह-ए-नूर के समक्ष हअश्एर शिखर सम्मेलन में प्रस्तुत 'झला' को संवारने से लेकर युवा नागा संगीतकारों के साथ सहयोग करने, एक स्ट्रिंग ऑर्केस्ट्रा बनाने, सनशाइन ऑर्केस्ट्रा को मार्गदर्शन देने, भारत के पहले बहुसांस्कृतिक वर्चुअल बैंड 'सीक्रेट माउंटेन' का निर्माण करने और हैंस ज़िमर के साथ रामायण का संगीत तैयार करने तक, हर यात्रा ने मेरे उद्देश्य को और मजबूत किया है।

लखनऊ में रिटायर्ड डीएसपी से लाखों की ठगी

लखनऊ। लखनऊ के कृष्णानगर थाना क्षेत्र में प्रॉपर्टी डील के नाम पर सेवानिवृत्त पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) आरडी यादव के साथ जालसाजों ने ठगी कर ली। 7 साल तक रजिस्ट्री नहीं होने पर पैसा वापस मांगने पर फर्जी चेक पकड़ा दी। पीड़ित ने इस मामले में कृष्णा नगर थाने में दंपत्ति पर मुकदमा दर्ज करवाया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। सेवानिवृत्त पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) आरडी यादव ने बताया कि 2018 में उन्होंने प्रॉपर्टी ब्रोकर राकेश दुबे के जरिए संदीप यादव की जमीन अपनी पत्नी के नाम रजिस्ट्री कराई थी। इसके बाद वर्ष 2019 में एक और प्लॉट खरीदने के लिए उन्होंने राकेश दुबे को रकम दी। इस दौरान करीब पांच लाख रुपए संदीप यादव के खाते में ट्रांसफर किए गए। जो चेक दिया, वह बाउंस हो गया 7 साल बीत जाने के बाद भी जब प्लॉट की रजिस्ट्री नहीं कराई गई तो पैसे वापस मांगे। आरोप है कि इस पर राकेश दुबे ने अपनी पत्नी सुमन दुबे के नाम से एक चेक दिया और उसे जॉइंट अकाउंट का चेक बताते हुए भरोसा दिलाया कि समय पर भुगतान हो जाएगा। जब चेक बैंक में लगाया तो खाते में पर्याप्त पैसे नहीं थे। चेक बाउंस हो गया। जांच करने पर पता चला कि संबंधित खाता जॉइंट नहीं बल्कि केवल सुमन दुबे के नाम है। पीड़ित का आरोप है कि पति-पत्नी ने मिलकर फर्जी हस्ताक्षर कर चेक दिया। जो सीधे तौर पर धोखाधड़ी और जालसाजी है। पुलिस का कहना है कि मामला दर्ज कर लिया गया है। जांच की जा रही है।

रूस-चीन और इस्लामिक देशों के समीकरण में कितना बदला माहौल अमेरिका को घेरने की तैयारी

ईरान में जारी हिंसक प्रदर्शनों की रफ्तार धीमी पड़ रही है। वहीं ट्रंप ने की ओर से लगातार मिल रही धमकियां भी कम हुई हैं। देश के राजनयिकों का कहना है कि यह एक तूफान के गुजर जाने जैसी स्थिति है, लेकिन इससे बड़े तूफान आने का अंदेशा बरकरार है। आइए विस्तार से पढ़ें पूरा विश्लेषण... अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को धमकी देना भले की बंद कर दिया है, लेकिन उनके मूल इरादे जस के तस हैं। उधर ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई ने राष्ट्रपति ट्रंप को सीधे ह्यअपराधीह्ण करार दिया है। देश के राजनयिकों का कहना है कि यह एक तूफान के गुजर जाने जैसी स्थिति है, लेकिन इससे बड़े तूफान आने का अंदेशा बरकरार है। एक पूर्व विदेश सचिव भी कहते हैं कि मुख्य समस्या तो जस की तस है। ईरान ने कैसे किया मंडराए खतरे का सामना? अली खामेनेई कहते हैं कि ईरान में विरोध प्रदर्शन के बवंडर के लिए अमेरिका जिम्मेदार है। अंतरराष्ट्रीय मीडिया और एजेंसियां भी ईरान में हिंसक प्रदर्शन के धीमा पड़ने की खबर दे रही हैं। रूस में बैठे सामरिक और रणनीतिक मामलों के जानकार विनोद शर्मा कहते हैं कि ईरान में प्रदर्शन को रोकने में शिया मिलिशिया ने बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस्लामिक मिलिशिया ने भी इसे बहुत संवेदनशीलता से लिया। रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन ने भी अमेरिका और इस्त्राइल को निर्णायक संदेश देने में कोई हिचक नहीं दिखाई। बताते हैं इराक की शिया मिलिशिया ने भी ईरान को समर्थन दिया। इराक के बसरा आदि क्षेत्र से जमीन के रास्ते शिया लड़ाकों ने ईरान का रुख किया था। इसके अलावा ईरान ने विश्वभर के मित्र देशों से खास पहल की। रणनीतिक और सामरिक मामले के वरिष्ठ सूत्र ने कहा कि बात इतनी नहीं थी। अस्तित्व के बचाव में ईरान भी अपना आक्रामक विकल्प तैयार कर चुका था। ईरान हवाई सुरक्षा प्रणाली, हाइपरसोनिक मिसाइल प्रणाली समेत अन्य को सक्रिय कर चुका था। इसका अमेरिका के मध्य एशिया और इसके आस-पास 19 सैन्य बेसों तथा इस्त्राइल पर सीधा हमले का खतरा मंडरा रहा था। माना जा रहा है कि ईरान के हमले से संभावित नुकसान अमेरिकी रणनीतिकारों को भी चेता रहे थे। कितने खतरनाक हैं ईरान के आईआरजीसी? आरजीसी(इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स) ईरान की 1.5-2 लाख लड़ाकों की इलिट फोर्स है। ईरान की सेना देश के संप्रभुता की रक्षा करती है, लेकिन 1979 में गठित आरजीसी ईरान की एकता, अखंडता को बनाए रखने के लिए समर्पित है।यह सर्वोच्च नेता के अधीन काम करती है। इसे ईरान की सबसे प्रशिक्षित उच्चस्तरीय कमांडरों की फोज माना जाता है। इराक(बगदाद) में 3 जनवरी 2020 को अमेरिकी हमले के दौरान मारे गए ईरान के मेजर जनरल सुलेमानी ने इस क्षेत्र में बड़ा काम किया था। कुद्दस फोर्स सीधे खामेनेई को रिपोर्ट करती थी और फिलिस्तीन के संगठन हमास, लेबनान के हिजबुल्ला और यमन के हूती संगठन के अलावा इराक की पापुलर मोबलाइजेशन फोर्सेज(पीएमएफ) को खड़ी करने में जनरल सुलेमानी ने अहम भूमिका निभाई थी। वह पश्चिम एशिया में ईरान के समर्थन से तमाम प्राक्सी खड़ा करने के रणनीतिकारों में थे और अमेरिकी स्टेट्रजी प्लानर भी जनरल सुलेमानी से खौफ खाते थे। माना जा रहा है कि इन्हीं प्राक्सीज के लड़ाकों के जरिए ईरान ने आतंरिक विरोध प्रदर्शन को निर्ममता के साथ कुचल दिया। भारतीय वायुसेना के पूर्व एयरवाइस मार्शल एनबी सिंह कहते हैं कि ईरान को निर्ममता से इसे कुचलने के लिए रूस के राष्ट्रपति की पहल पर सुरक्षित अवसर मिल सका। खतरा टला है, खत्म नहीं हुआ एनबी सिंह कहते हैं कि ईरान के सिर से खतरा टला है, खत्म नहीं हुआ। ईरान से तनाव की असल जड़ में इस्त्राइल है। इस्त्राइल को पूरे मध्य एशिया में सबसे बड़ा खतरा ईरान से ही नजर आता है। जून 2025 में दोनों देशों का टकराव अंतिम मोड़ तक पहुंच चुका था। ईरान अमेरिका के नियंत्रण से बाहर है। दूसरे अमेरिका को परमाणु हथियार से संपन्न ईरान नहीं चाहिए। ईरान के अमेरिकी दबाव में परमाणु कार्यक्रम रोक देने की कोई संभावना नहीं है। दूसरी तरफ ईरान के रूस और चीन से गहराई का रिश्ता है। यूक्रेन पर हमले के दौरान ईरान ने रूस की काफी सहायता की है। सीरिया में दोनों देश मिलकर बशर अल असद की सरकार को समर्थन दे रहे थे। मध्य एशिया में शक्ति संतुलन के लिहाज से भी ईरान की भूमिका है। अमेरिकी रणनीतिकार भी आसानी से चुप नहीं बैठते। बताते हैं मध्य एशिया में चुनौतियों को ध्यान में रखकर अमेरिका सैन्य तैयारी को और मजबूत बनाने पर काम कर रहा हैं। इस टकराव को कोई चिनगारी फिर भड़का सकती है। अमेरिका के लिए है चिंता की बात कूटनीति, सामरिक रणनीति और भू-राजनीतिक मामलों के जानकार ट्रंप शासन में एक बदलाव को महत्वपूर्ण मान रहे हैं। एक राजनयिक का कहना है कि ट्रंप राज में अमेरिका ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपना भरोसा खोया है। यूरोप के देश खासकर जर्मनी सुरक्षा को लेकर विकल्प तैयार कर रहे हैं। सऊदी अरब तुर्किए के नजदीक जा रहा है और पाकिस्तान, सऊदी अरब तुर्किए में रक्षा क्षेत्र को लेकर सहमति निश्चित रूप से अमेरिकी रणनीतिकारों की निगाह में है।

पाकिस्तान में मरियम नवाज के बेटे की शादी को लेकर हंगामा ये भारतीय बना वजह

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज के बेटे की 17 जनवरी को लाहौर में धूमधाम से शादी हुई। ये शादी जितनी अपनी भव्यता के लिए चर्चा में है, उतनी ही चर्चा इस शादी से जुड़े एक विवाद की है। खास बात ये है कि इस विवाद के केंद्र में एक भारतीय डिजाइनर है। जिसे लेकर पाकिस्तान के लोग कड़ी नाराजगी जता रहे हैं। मरियम नवाज के बेटे जुनैद सफदर की शादी रोहैल असगर की पोती शानजेह अली के साथ हुई। रोहैल असगर पूर्व प्रधानमंत्री और जुनैद सफदर के नाना नवाज शरीफ के करीबी रहे हैं। यह शादी समारोह नवाज शरीफ के घर जटी उमरा में आयोजित हुआ, जिसमें पाकिस्तान की बड़ी-बड़ी हस्तियां शामिल हुईं। भारतीय डिजाइन के नाम पर भड़के पाकिस्तानी शानजेह अली की शादी के लहंगे के डिजाइन को लेकर पूरा विवाद हुआ। दरअसल इस लहंगे का डिजाइन भारतीय डिजाइनर तरुण ताहिलियानी को बताया जा रहा है। यही बात पाकिस्तानियों को बुरी लग गई है। सोशल मीडिया पर शरीफ परिवार को गद्दार बता रहे पाकिस्तानी यूजर्स सोशल मीडिया पर पाकिस्तानी यूजर्स शरीफ परिवार को आड़े हाथों ले रहे हैं। कुछ यूजर्स ने तो शरीफ परिवार को भारतीय डिजाइन से लहंगा डिजाइन कराने के लिए गद्दार तक कह दिया है। एक अन्य यूजर ने लिखा कि शरीफ परिवार को पूरी दुनिया छोड़कर भारतीय डिजाइन ही मिला था क्या? जुनैद सफदर की शादी में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, पूर्व पीएम और पीएमएन-एल के अध्यक्ष नवाज शरीफ, पंजाब सरकार के मंत्री औरंगजेब और आजमा बुखारी, राना सनाउल्लाह समेत पाकिस्तान की विभिन्न हस्तियां शामिल हुईं। यह पहली बार नहीं है कि भारतीय डिजाइनर द्वारा डिजाइन किए गए कपड़े पहनने को लेकर शरीफ परिवार पाकिस्तानी यूजर्स के निशाने पर आया हो। इससे पहले दिसंबर 2024 में भी ऐसा विवाद हुआ था, जब कथित तौर पर मरियम नवाज ने अपने भतीजे की शादी में भारतीय डिजाइन सब्यसाची द्वारा डिजाइन किया हुआ लहंगा पहना था। उस वक्त भी इसे लेकर खूब हंगामा हुआ था।

मस्क के बच्चे की मां का ग्रोक से बनी तस्वीरों के विरुद्ध मुकदमा सेंट क्लेयर बोलीं- डीपफेक फोटो बनाई

दिग्गज कारोबारी एलन मस्क के बच्चों में से एक की मां ने उनकी एआई कंपनी पर मुकदमा दायर किया है। उनका कहना है कि कंपनी के ग्रोक चैटबॉट ने उपयोगकताओं को उनकी यौन शोषणकारी डीपफेक छवियां बनाने की अनुमति दी, जिससे उन्हें अपमान और भावनात्मक पीड़ा हुई है। एलन मस्क के एक बच्चे की मां एशले सेंट क्लेयर (27) ने उनकी एआई कंपनी एक्सएआई पर मुकदमा दायर किया है। उनका आरोप है कि कंपनी के ग्रोक चैटबॉट ने यूजरों को उनकी यौन शोषणकारी डीपफेक तस्वीरें बनाने की अनुमति दी, जिससे उन्हें अपमान और मानसिक पीड़ा हुई है। मुकदमे में आरोप लगाया गया कि इन तस्वीरों में उनकी 14 साल की उम्र की पूरी तरह से कपड़े पहनी हुई तस्वीर को संपादित कर उन्हें बिकिनी में दिखाया गया है। इसके अलावा अन्य तस्वीरों में उन्हें वयस्क के रूप में यौनेत्तेजक मुद्राओं में और स्वास्तिक चिन्ह वाली बिकिनी पहने हुए दिखाया गया है।

सेंट क्लेयर यहूदी हैं और राजनीति रणनीतिकार तथा लेखक हैं। ग्रोक मस्क के सोशल मीडिया मंच एक्स पर उपलब्ध है। एक्सएआई के वकीलों ने इस संबंध में तुरंत कोई जवाब नहीं दिया है। यह मुकदमा भी मस्क को झटका है। सेंट क्लेयर ने बताया कि पिछले साल जब ये डीपफेक तस्वीरें सामने आने लगीं तो उन्होंने प्लेटफॉर्म को इसकी सूचना दी और इन्हें हटाने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि प्लेटफॉर्म ने पहले जवाब दिया कि ये तस्वीरें उसकी नीतियों का उल्लंघन नहीं करतीं। फिर उसने वादा किया कि उसकी सहमति के बिना उसकी तस्वीरों का इस्तेमाल या उनमें कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। सेंट क्लेयर, मस्क के 16 महीने के बेटे रोमुलस की मां हैं। वह न्यूयॉर्क शहर में रहती हैं, जहां उन्होंने राज्य के सर्वोच्च न्यायालय में मुकदमा दायर किया है। वह कथित मानसिक पीड़ा और अन्य दावों के लिए मुआवजे के तौर पर एक अज्ञात राशि की मांग कर रही हैं, साथ ही अदालत से यह आदेश देने की भी मांग कर रही हैं कि ७अक को उनके और डीपफेक वीडियो बनाने से तुरंत रोका जाए। मस्क ने ओपनएआई और माइक्रोसॉफ्ट से मांगा 134 अरब डॉलर का हजार्ना संघीय कोर्ट में दायर एक याचिका के अनुसार, मस्क ओपनएआई और माइक्रोसॉफ्ट से 134 अरब डॉलर तक का हजार्ना मांग रहे हैं। उनका तर्क है कि एआई स्टार्टअप को उनके शुरूआती समर्थन से कंपनियों को जो गलत तरीके से लाभ मिला है। मस्क ने याचिका में कहा, 2015 से ओपनएआई के सह-संस्थापक के रूप में उनके योगदान से 65.5 अरब डॉलर से 109.4 अरब डॉलर का लाभ हुआ जबकि माइक्रोसॉफ्ट को 13.3 अरब डॉलर से 25.1 अरब डॉलर का लाभ हुआ।

यूक्रेन पर रूस का ड्रोन हमला दो की मौत, कई घायल जेलेंस्की ने बताया ऊर्जा ढांचे को ही क्यों बनाया गया निशाना

कीव। रूस ने यूक्रेन पर रातभर 200 से ज्यादा ड्रोन से हमला किया, जिसमें दो लोगों की मौत और दर्जनों के घायल होने की पुष्टि हुई है। हमलों से ऊर्जा ढांचा बुरी तरह प्रभावित हुआ है और कड़ाके की ठंड में बिजली संकट गहरा गया है। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने दुनिया से एयर डिफेंस सहायता बढ़ाने की अपील की है। आइए जानते हैं, जेलेंस्की ने क्या कुछ कहा। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध के बीच एक बार फिर हालात बेहद गंभीर हो गए हैं। रातभर रूस की ओर से किए गए ड्रोन हमलों में यूक्रेन में कम से कम दो लोगों की मौत हो गई, जबकि दर्जनों लोग घायल हुए हैं। इन हमलों का सबसे बड़ा असर देश की ऊर्जा व्यवस्था पर पड़ा है। भीषण ठंड के बीच कई इलाकों में बिजली गुल हो गई है, जिससे आम लोगों की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने बताया कि रूस ने एक ही रात में 200 से ज्यादा ड्रोन से हमला किया। सुमी, खारकीव, दनीप्रो, जापोरिज्जिया, ख्मेलनित्सकी और ओडेसा जैसे कई बड़े इलाकों को निशाना बनाया गया। इन हमलों में एक बच्चे समेत कई लोग घायल हुए हैं। राष्ट्रपति ने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना जताई है। ऊर्जा ढांचे को क्यों बनाया गया निशाना? राष्ट्रपति जेलेंस्की के अनुसार, रूस ने जानबूझकर यूक्रेन की ऊर्जा व्यवस्था पर हमला तेज कर दिया है। बिजली संयंत्रों और ग्रिड को नुकसान पहुंचा है। सरकार का कहना है कि हालात कठिन हैं, लेकिन सेवाएं बहाल करने की हरसंभव कोशिश की जा रही है। सिर्फ इसी सप्ताह में यूक्रेन पर 1,300 से ज्यादा ड्रोन, 1,050 गाइडेड बम और 29 मिसाइलों से हमले किए गए हैं। जेलेंस्की की दुनिया से अपील रूसी हमलों के बीच राष्ट्रपति जेलेंस्की ने दुनिया के नेताओं से मदद की अपील की। उन्होंने कहा कि यूक्रेन को एयर डिफेंस सिस्टम के लिए और ज्यादा मिसाइलों की जरूरत है। जेलेंस्की का कहना है कि रूस जानबूझकर कूटनीतिक प्रक्रिया को लंबा खींच रहा है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय समुदाय को निर्णायक जवाब देना चाहिए। उन्होंने यूक्रेन को ज्यादा सैन्य सहायता देने की मांग की। साथ ही रूस पर दबाव और बढ़ाने की अपील भी की। कड़ाके की ठंड में लोगों की परेशानी यूक्रेन इस समय भीषण सर्दी से जूझ रहा है। कई शहरों में तापमान शून्य से नीचे चला गया है। बिजली गुल होने से घरों को गर्म रखना मुश्किल हो गया है। सरकार ने ऊर्जा आपातकाल घोषित कर दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, क्षतिग्रस्त बिजली ढांचा देश की सिर्फ 60 प्रतिशत जरूरतें ही पूरी कर पा रहा है। कीव, खारकीव और जापोरिज्जिया सबसे ज्यादा प्रभावित इलाकों में शामिल हैं।

बिना लड़े नहीं छोड़ेंगे ग्रीनलैंड में सड़कों पर उतरे लोग ट्रंप की धमकी पर भड़के मैक्रों

नुक। ग्रीनलैंड पर अमेरिकी कब्जे की धमकी यूरोप और अमेरिका की एकता पर सवालिया निशान लगा रही है। अमेरिकी धमकी के जवाब में यूरोपीय नेताओं ने भी मोर्चा खोल दिया है। ट्रंप ने जहां ग्रीनलैंड के मुद्दे पर समर्थन नहीं देने पर टैरिफ लगाने की धमकी दी है, वहीं फ्रांस के राष्ट्रपति ने भी तीखे तेवर दिखाते हुए साफ कर दिया कि यूरोप की संप्रभुता से कोई समझौता नहीं होगा। डेनमार्क के स्वशासित द्वीप ग्रीनलैंड पर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की कब्जे की धमकी के खिलाफ अब ग्रीनलैंड के लोग एकजुट हो गए हैं। शनिवार को हजारों की संख्या में ग्रीनलैंड के लोग सड़कों पर उतरे और अमेरिकी धमकी के खिलाफ मार्च निकाला। राजधानी नुक में बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतरे और उन्होंने राष्ट्रीय ध्वज लहराया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने नारे लगाए कि ग्रीनलैंड बिक्री के लिए नहीं है। साथ ही प्रदर्शनकारियों ने धमकी भरे लहजे में कहा कि वे बिना लड़े ग्रीनलैंड नहीं छोड़ेंगे। ग्रीनलैंड के साथ ही डेनमार्क के शहरों में भी सड़कों पर उतरे लोग प्रदर्शनकारियों ने सिटी सेंटर से अमेरिकी वाणिज्य दूतावास तक मार्च निकाला। इस मार्च की अहमियत को इस बात से समझा जा सकता है कि इस मार्च में पूरी राजधानी की करीब एक तिहाई जनता शामिल हुई। साथ ही डेनमार्क के कोपेनहेगन और अन्य शहरों में भी ऐसे ही विरोध प्रदर्शन हुए। ट्रंप की धमकी- कोई समझौता नहीं किया जाएगा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ग्रीनलैंड पर कब्जे की धमकी तेज कर दी है और अब उन्होंने उन देशों पर टैरिफ लगाने की बात कही है, जो अमेरिका के ग्रीनलैंड पर कब्जे का समर्थन नहीं करेगा। ट्रंप ने कहा कि अगर कोई देश अमेरिका की ग्रीनलैंड को नियंत्रित करने की योजना का समर्थन नहीं करता, तो उस पर टैरिफ लगाया जा सकता है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि अमेरिका को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए ग्रीनलैंड की जरूरत है और इस मुद्दे पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा। ट्रंप के इस बयान के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हलचल तेज हो गई है। फ्रांस के सख्त तेवर- यूरोप की संप्रभुता से कोई समझौता नहीं होगा फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ग्रीनलैंड को लेकर दी गई टैरिफ धमकियों पर सख्त प्रतिक्रिया दी है। मैक्रों ने साफ शब्दों में कहा कि यूक्रेन, ग्रीनलैंड या दुनिया के किसी भी हिस्से में किसी भी प्रकार की धमकी या दबाव फ्रांस को अपने सिद्धांतों से पीछे हटने पर मजबूर नहीं कर सकता। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए राष्ट्रपति मैक्रों ने कहा कि यूरोप की संप्रभुता पर कोई समझौता नहीं होगा और यदि टैरिफ लगाए जाते हैं तो यूरोपीय देश एकजुट और समन्वित जवाब देंगे। मैक्रों ने कहा कोई भी धमकी या डर हमें प्रभावित नहीं कर सकता न यूक्रेन में, न ग्रीनलैंड में और न ही दुनिया के किसी अन्य हिस्से में। टैरिफ की धमकियां पूरी तरह अस्वीकार्य हैं। ब्रिटेन ने भी ट्रंप के रुख से जताई आपत्ति ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने ग्रीनलैंड को लेकर अमेरिका की ओर से यूरोपीय देशों पर नए टैरिफ लगाने की धमकी को पूरी तरह गलत बताया है।

पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ाना चाहते हैं ट्रंप ईरान ने अमेरिका को फिर चेताया

तेहरान। क्या बयानबाजी के इतर अब ईरान और अमेरिका के बीच तनाव और भयावह रूप ले सकता है? कारण है कि ईरान ने दो टूक अंदाज में अमेरिका के सारे दावों को खारिज कर दिया। ईरान ने अमेरिकी दावों को बेबुनियाद करार दिया कि वह अमेरिकी ठिकानों पर हमले की तैयारी कर रहा है। ईरान में जारी सरकार विरोधी प्रदर्शन और उसमें अमेरिकी दखल पूरे पश्चिम एशिया में तनाव का माहौल है। ऐसे में अब ईरान ने अमेरिका के उन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है, जिनमें कहा गया था कि ईरान अमेरिकी ठिकानों पर हमले की तैयारी कर रहा है। ईरान का कहना है कि अमेरिका जानबूझकर पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। यह जानकारी ईरान के सरकारी

टीवी चैनल प्रेस टीवी ने दी है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बगाई ने शनिवार को कहा कि अमेरिका की ओर से लगाए गए ये आरोप बेबुनियाद हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका की यह नीति रही है कि वह इस क्षेत्र में हालात को और बिगाड़े। बगाई का यह बयान उस समय आया, जब अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर फारसी भाषा में एक पोस्ट कर दावा किया कि उसे ऐसी रिपोर्टें मिली हैं, जिनसे संकेत मिलता है कि ईरान अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने के विकल्पों पर काम कर रहा है। ईरान की सफाई और चेतावनी इस्माइल बगाई ने साफ कहा कि ईरान की सेना पूरी तरह देश की सुरक्षा और संप्रभुता की रक्षा पर ध्यान केंद्रित किए हुए है। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि अगर ईरान पर किसी तरह का हमला किया गया, तो उसका जवाब मजबूती और निर्णायक तरीके से दिया जाएगा। बता दें कि इससे पहले अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने अपनी पोस्ट में कहा था कि सभी विकल्प खुले हैं और अगर अमेरिकी ठिकानों पर हमला हुआ, तो उसका जवाब बहुत ही कड़ी ताकत से दिया जाएगा। ईरान में हुए विरोध प्रदर्शन का जिक्र प्रेस टीवी की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले महीने ईरान में आर्थिक समस्याओं को लेकर विरोध प्रदर्शन शुरू हुए थे, जो बाद में हिंसक हो गए। रिपोर्ट में दावा किया गया कि इन प्रदर्शनों के दौरान तोड़फोड़ और अराजकता फैलाने के लिए अमेरिका और इजरायल से जुड़े लोगों के बयानों ने माहौल को और भड़काया। ईरान का आरोप है कि इस अशांति के दौरान विदेशी समर्थन प्राप्त लोगों ने कई शहरों में हमले किए, जिसमें सुरक्षा बलों के जवानों और आम नागरिकों की मौत हुई और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचा। ईरान के सर्वोच्च नेता का बयान ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामेनेई ने शनिवार को कहा कि इन दंगों और तबाही के लिए अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को वह मुख्य जिम्मेदार मानते हैं। उन्होंने कहा कि अशांति फैलाने वाले कुछ लोग ऐसे थे, जिन्हें अमेरिकी और इजरायली एजेंसियों ने पहचाना, प्रशिक्षित किया और भर्ती किया था। ईरान ने साफ कर दिया है कि वह किसी भी बाहरी दबाव या धमकी से नहीं डरेगा और अपनी सुरक्षा से समझौता नहीं करेगा।

चीन के जासूसों के खिलाफ ताइवान ने छेड़ा अभियान खुफिया जानकारी देने के आरोप में रिपोर्टर गिरफ्तार

ताइपे। चीन और ताइवान के बीच ठनी हुई है। चीन जहां ताइवान पर कब्जे की हरसंभव कोशिशों में जुटा है। वहीं ताइवान भी अपने बचाव में हर कदम उठा रहा है। इसी के तहत ताइवान ने देश में चीन के लिए खुफिया जानकारी जुटाने वाले लोगों के खिलाफ अभियान चलाया है और एक रिपोर्टर और सैन्य अधिकारियों को पकड़ा है। चीन के साथ जारी तनातनी के बीच ताइवान की सरकार ने देश में चीन के जासूसों पर नकेल कसनी शुरू कर दी है। इसी के तहत ताइवान के एक रिपोर्टर को हिरासत में लिया गया है। रिपोर्टर पर आरोप है कि उसने सेना के अधिकारियों को चीन की जासूसी करने के लिए उकसाया और उन्हें रिश्वत दी। ताइवान के कियाओटौ डिस्ट्रिक्ट प्रॉसिक्यूटर ऑफिस ने एक बयान में बताया कि एक डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने एक टेलीविजन रिपोर्टर और पांच मौजूदा और रिटायर्ड मिलिट्री अधिकारियों को हिरासत में लेने का आदेश दिया है। बयान में पत्रकार की पहचान नहीं बताई गई, लेकिन उळ ळश ने अपने रिपोर्टर लिन चेन-यू की हिरासत के बारे में एक बयान जारी किया। चीन के जासूसों के खिलाफ ताइवान की कार्रवाई मीडिया कंपनी ने कहा कि उसे मामले की जानकारी नहीं है, लेकिन उसने निष्पक्ष न्यायिक प्रक्रिया की मांग की। ताइवान सरकार देश और सेना के भीतर जासूसी के मामलों की नियमित रूप से जांच करती है, लेकिन पत्रकारों के खिलाफ आरोप लगना असामान्य बात है। चीन, ताइवान को अपना क्षेत्र मानता है और जरूरत पड़ने पर द्वीप पर बलपूर्वक कब्जे की धमकी देता है। चीन द्वारा ताइवान पर सैन्य दबाव बढाया जा रहा है। पिछले महीने ही जब अमेरिका ने ताइवान को बड़े पैमाने पर हथियारों की बिक्री का एलान किया तो चीन की सेना ने दो दिनों तक ताइवान की सीमा के आसपास बड़े पैमाने पर सैन्य अभ्यास किया था। ताइवानी पत्रकार पर लगे ये आरोप अभियोजन पक्ष ने लिन पर मौजूदा सैन्य अधिकारियों को 'चीन के लोगों' को खुफिया जानकारी देने के बदले में कई हजार ताइवानी डॉलर देने का आरोप लगाया है।

ईपीए के नए नियम से एलन मस्क की एक्सएआई को झटका डाटा केंद्र विस्तार की राह कठिन

नेटवर्क। अमेरिकी पर्यावरण संरक्षण एजेंसी (ईपीए) के नए नियम से एलन मस्क की एक्सएआई को झटका लगा है, जिससे डाटा केंद्र विस्तार की राह अब कठिन हो गई है। ऐसे में कंपनी का नया मॉडल प्रभावित होगा। अमेरिकी पर्यावरण संरक्षण एजेंसी (ईपीए) ने इस सप्ताह एक अहम नियामकीय खामी को बंद कर दिया है, जिसका फायदा उठाकर एलन मस्क की एक्सएआई कंपनी ने टेनेसी के मेम्फिस में अपना पहला डाटा सेंटर तेजी से खड़ा किया था। नियमों में बदलाव के बाद अब एक्सएआई जैसी कंपनियां प्राकृतिक गैस से चलने वाली टर्बाइनों को अस्थायी या नॉन-रोड इंजन बताकर बिना पर्यावरणीय अनुमति के संचालित नहीं कर सकेंगी। संशोधित नियम के तहत स्पष्ट किया गया है कि ट्रेलरों पर लगी गैस-जलाने वाली टर्बाइनों को अब नॉन-रोड इंजन के रूप में वर्गीकृत नहीं किया जा सकता। ऐसी टर्बाइनों को स्थापित करने और चलाने से पहले कंपनियों को क्लीन एयर एक्ट के तहत अनुमति लेनी होगी। यह बदलाव सीधे तौर पर एक्सएआई के उस मॉडल को प्रभावित करता है, जिसके जरिये उसने मेम्फिस में अपने कोलोसस डाटा सेंटर के लिए एक तरह का ऑफ-ग्रिड पावर प्लांट तैयार किया था। वायु प्रदूषण और स्थानीय विरोध एक्सएआई की टर्बाइनों से होने वाले प्रदूषण से मेम्फिस में विवाद खड़ा हुआ। अश्वेत समुदाय के इस क्षेत्र में लोगों ने सार्वजनिक सुनवाई में हवा में सड़े अंडे जैसी बदबू व स्मॉग की शिकायत की। लोगों ने इसे अपने दिल व फेफड़ों की सेहत पर पड़ने वाले बुरे प्रभाव से जोड़ा। प्रदूषण नियंत्रण तकनीक पर सवाल एक्सएआई ने मेम्फिस के नियामकों से कहा था कि उसकी टर्बाइनों में प्रदूषण नियंत्रण प्रणाली लगाई जाएगी। जबकि इन टर्बाइनों की आपूर्तिकर्ता कंपनी ने जून में कहा कि एक्सएआई की इन टर्बाइनों में ऐसी कोई प्रणाली स्थापित नहीं की गई थी। कानूनी कार्रवाई और पर्यावरण संगठनों की भूमिका पर्यावरणीय संगठनों ने एक्सएआई की बिना अनुमति टर्बाइन संचालन रोकने के लिए मुकदमे की चेतावनी दी थी।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 | Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 | Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वालियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com | सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी | वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।